www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 7 I अंक – 219 I नर्मदापुरम, शुक्रवार 15 नवंबर 2024 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

किसान उन्नत खेती करने के लिए सुपर सीडर यंत्र का उपयोग करें : संभागायुक्त पृष्ठ 3

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा और पंडित जवाहरलाल नेहरू
क्या टीडीपी वक्फ संशोधन विधेयक के मुद्दे पर मोदी सरकार से समर्थन वापस लेगी? पृष्ठ 4

कामथ में बगैर अनुमति पोकलेन और जेसीबी मशीन से हो रहा था उत्खनन पृष्ठ 6

बच्चों को ऊर्जा बचत की सीख बचपन से ही दें पृष्ठ 8

सार-समाचार

जवाहरलाल नेहरू को संसद सदस्यों ने पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, देशबन्धु। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगवाई में संसद सदस्यों ने गुरुवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित अर्पित करे उन्हें नमन किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता के सी.वेणुगोपाल, जयराम रमेश और राजीव शुक्ला सहित अन्य नेता उपस्थित थे। इसके अलावा लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह और राज्यसभा महासचिव पी.सी.मोदी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को पुष्पांजलि अर्पित की। वही दूसरी ओर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि आधुनिक भारत के जनक, संस्थानों के निर्माता, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी जयंती पर सादर नमन। लोकतांत्रिक, प्रगतिशील, निडर, दूरदर्शी, समावेशी हिंद के जवाहर के यही मूल्य हमारे आदर्श और हिंदुस्तान के आधारस्तम्भ हैं और हमेशा रहेंगे।

कनाडा से अर्श दल्ला के प्रत्यर्पण का अनुरोध करेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी अर्श सिंह गिल उर्फ अर्श दल्ला की गिरफ्तारी के बाद उसके प्रत्यर्पण का अनुरोध करने का निर्णय लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अर्श दल्ला की गिरफ्तारी की खबर पर मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, हमने खालिस्तान टाइगर फोर्स के वास्तविक प्रमुख, घोषित अपराधी अर्श सिंह गिल उर्फ अर्श दल्ला की कनाडा में गिरफ्तारी पर 10 नवंबर से प्रसारित मीडिया रिपोर्टें देखी हैं।

विधायक अमानतुल्लाह को रिहा करने के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने दिल्ली वक्फ बोर्ड में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े धन शोधन के आरोपी आम आदमी पार्टी विधायक अमानतुल्लाह खान को रिहा करने का आदेश दिया। राऊज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत के जज जितेंद्र सिंह ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर खान के खिलाफ दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेने से इनकार करते कहा कि खान के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं, लेकिन उन पर मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं है।

दिल्ली में शुरू हुआ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में 43वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले का गुरुवार को आगाज हो गया। इस साल के मेले की थीम 'विकसित भारत एट द रेट 2047' है। यह 27 नवंबर तक चलेगा। इसमें देश के सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपनी प्रगति और उपलब्धियों को प्रदर्शित कर रहे हैं। आईटीपीओ के वरिष्ठ प्रबंधक करनाल पुष्पम कुमार ने बताया कि हर साल की तरह इस बार आम जनता की सहूलियत का ख्याल रखा गया है। मेले में प्रवेश के लिए दिल्ली मेट्रो के 55 स्टेशनों पर भी टिकट उपलब्ध हैं।

पोंजी घोटाले में एक दलाल व अन्य की संपत्ति कुर्क

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में मुम्बई के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ताजा घटनाक्रम में 600 करोड़ रुपए के कथित पोंजी घोटाले में एक दलाल और अन्य की संपत्ति कुर्क कर ली है। अधिकारी ने गुरुवार को यहां बताया कि ईडी ने दलाल अंबर और अन्य की संपत्ति पर अस्थायी कुर्की आदेश जारी किए हैं। कुर्की में लगभग 22.86 करोड़ रुपये की अचल और चल संपत्ति शामिल है। कुर्क की गई संपत्ति में मुंबई और ठाणे में जमीन के प्लॉट और आवासीय फ्लैट, बीमा पॉलिसियां, अंबर दलाल और उनकी फर्म रिट्ज कंसल्टेंसी, उनके साथी रश्मी प्रसाद और उनके परिवार के सदस्यों के निवेश शामिल हैं।

छात्रों के आंदोलन के आगे झुका आयोग

एक ही दिन में होगी पीसीएस परीक्षा

- अब आरओ, एआरओ पर गतिरोध, अभ्यर्थी हटने को तैयार नहीं
- छात्रों का कहना, आयोग ने एक ही मांग मानी
- आयोग ने कमेटी गठन की बात कही

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के झुकने के बाद भी प्रतियोगी छात्रों का धरना प्रदर्शन और आंदोलन जारी है। छात्र आयोग के दो नंबर गेट के सामने डटे हुए हैं और हटने के लिए तैयार नहीं हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि आरओ-एआरओ प्रारंभिक परीक्षा भी एक दिन में कराने की घोषणा की जाए, तभी उनका आंदोलन पूरी तरह से खत्म होगा। छात्रों की मांग यह है कि जिस तरह से पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को एक शिफ्ट में कराने की घोषणा की गई है, उसी तरह आरओ-एआरओ परीक्षा भी वन डे वन शिफ्ट में कराने का लिखित आश्वासन दिया जाए, तभी वह धरना खत्म करेंगे।

छात्रों का कहना है कि आरओ-एआरओ परीक्षा के लिए उच्च स्तरीय कमेटी गठित करने का आश्वासन देकर आयोग प्रतियोगी छात्रों को बरगला नहीं सकता है। दोनों परीक्षाओं को एक दिन एक शिफ्ट में कराने की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया गया था। आयोग ने एक ही परीक्षा की मांग मानी है, जबकि आरओ एआरओ परीक्षा को एक दिन में कराने के लिए कोई फैसला नहीं किया है। आयोग पर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी आरओ-एआरओ परीक्षा को भी एक दिन में कराने की मांग पर अड़े हैं। आयोग के सचिव ने कहा कि आरओ-एआरओ के लिए उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया जाएगा। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर परीक्षा कराने का निर्णय लिया जाएगा, लेकिन छात्र मानने के लिए तैयार नहीं हैं। चाहते हैं कि आयोग एक दिन परीक्षा कराने का नोटिस जारी करे, जिस तरह से पीसीएस को कराने का जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा-2024 के लिए 576154 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं

भाजपा सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार ने प्रतियोगी छात्रों का सम्मान करते हुए एक-दिन, एक-शिफ्ट में परीक्षा कराने का निर्णय लिया है : **केशव प्रसाद मौर्य**, उपमुख्यमंत्री

भाजपा सरकार को जब अपनी हार सामने दिखाई दी, तो वो पीछे तो हटी, पर उसका घमंड बीच में आ गया है, इसीलिए वो आधी मांग ही मान रही है। चुनाव में हार ही भाजपा का असली इलाज है : **अखिलेश यादव**, सपा नेता

10 लाख से अधिक अभ्यर्थी पंजीकृत

आरओ/एआरओ परीक्षा में तो 1076004 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं, जिनकी संख्या पीसीएस परीक्षा के मुकाबले कहीं अधिक है। शासनादेश के अनुसार ऐसे परीक्षा केंद्र न बनाएं जाएं जो प्राइवेट या अधोमानक हों। शासनादेश के अनुसार कलेक्ट्रेट/कोषागार से 20 किमी की परिधि तक परीक्षा केंद्रों के विस्तार की कोशिश की गई है। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों मेडिकल कॉलेजों, इंजीनियरिंग कॉलेजों को भी शामिल करने की कोशिश की गई, लेकिन पर्याप्त संख्या में केंद्र नहीं मिल सके।

शहडोल और धार में होंगे आज राज्य स्तरीय कार्यक्रम

प्रधानमंत्री मोदी जनजातीय गौरव दिवस समारोह में होंगे वर्चुअली शामिल

राज्यपाल और मुख्यमंत्री होंगे समारोह में शामिल

2 जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालयों का करेंगे लोकार्पण

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर शहडोल में आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी छिंदवाड़ा के बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय एवं जबलपुर के राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय, राष्ट्र को समर्पित करेंगे। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, जनजाति कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह सहित जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग शामिल होंगे।

राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा शहडोल में जनजातीय गौरव दिवस शहडोल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में विकास की अनेक सौगात दी जाएगी। इस दौरान 229.66 करोड़ रूपये की लागत के 76 विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया जायेगा। समारोह में लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक लोक नृत्य गुदुम्ब, शैला, करमा, रीना की प्रस्तुतियां दी जाएगी। साथ ही समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों की विकास प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में धार के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस परिसर में दोपहर एक बजे बिरसा मुंडा जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाया जायेगा। राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव एफआरए एटलस के साथ धार और धरमपुरी विधानसभा क्षेत्र का विजन डॉक्यूमेंट का विमोचन करेंगे। कार्यक्रम में सिकल सेल उन्मूलन 2047 डाक टिकिट का विमोचन भी होगा। इस अवसर पर 334.36 करोड़ रूपए लागत के 57 विकास कार्यों भूमि-पूजन और लोकार्पण भी किया जायेगा। राज्यपाल और मुख्यमंत्री कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ और दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल वितरित की जायेगी। कार्यक्रम में जनजातीय गौरव सांस्कृतिक प्रदर्शनी एवं विभिन्न विभागों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

विधानसभा चुनाव : महाराष्ट्र में बोले राहुल गांधी, झारखंड में शाह ने कहा-

संविधान में हिन्दुस्तान की आत्मा है

प्रधानमंत्री मोदी ने कभी संविधान पढ़ा नहीं है

नंदुरबार, एजेंसी। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी गुरुवार को महाराष्ट्र के नंदुरबार में थे। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी संविधान पढ़ा नहीं है, इसलिए उन्हें लगता है कि संविधान की लाल किताब खाली है।

इस दौरान संविधान की प्रति दिखाते हुए उन्होंने कहा- भाजपा को किताब का लाल रंग पसंद नहीं, लेकिन हमें इसकी परवाह नहीं कि रंग लाल है या नीला। हम इसे (संविधान) बचाने के लिए अपनी जान भी देने को तैयार हैं। यहां उन्होंने चुनावी सभा को संबोधित किया। दरअसल, चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी द्वारा दिखाई जाने वाली लाल किताब को शहरी नक्सलवाद से जोड़ने की कोशिश की थी। पीएम मोदी ने भी 9 नवंबर को तंज किया था कि राहुल गांधी संविधान की जो किताब लेकर घूम रहे हैं, उसके पन्ने खाली हैं। राहुल गांधी ने कहा है कि दो विचारधाराओं और दो सोच की टक्कर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि मैं जनता के बीच जो संविधान दिखाता हूं वह खाली है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि संविधान उनके लिए खाली है क्योंकि उन्हें पता नहीं है कि संविधान के अंदर क्या लिखा है। इंडिया एलायंस संविधान की रक्षा कर रहा है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहना चाहता हूं कि संविधान खोखला नहीं है। इसमें बिरसा मुंडा, भगवान बुद्ध, गांधी, फुले की सोच है। इस संविधान में हिंदुस्तान का ज्ञान है, देश की आत्मा है। जब पीएम नरेंद्र मोदी संविधान को खोखला कहते हैं, तो वे बिरसा मुंडा जी, भगवान बुद्ध, गांधी जी, फुले जी अंबेडकर जी का अपमान करते हैं।

जेएमएम-कांग्रेस झारखंड को अपना एटीएम बनाना चाहते हैं

घुसपैठियों को बसाने में जुटी है सोरेन सरकार

रांची, एजेंसी। केंद्रीय गृह एंव सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गिरिडीह, गांडेय और डुमरी में विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित किया।

इस दौरान शाह ने इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि झमुमो- कांग्रेस-राजद राज्य को एटीएम समझ रही है। लेकिन एनडीए की सरकार बनने पर यहां विकास के काम होंगे। शाह ने कहा, हेमंत सरकार केंद्र की योजना लागू करने की बजाय घुसपैठियों को बसाने में जुटी है। लेकिन झारखंड में डबल इंजन की सरकार बनते ही विकास की रफ्तार पकड़ लेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि, झारखंड लंबे समय तक नक्सलवाद से जूझ रहा था, यहां नक्सली लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे थे। नक्सलवाद ने झारखंड को तबाह करने में कोई कमी नहीं छोड़ी, लेकिन मोदी सरकार आते ही नक्सलियों पर शिकंजा कस गया। उन्होंने कहा 10 साल के शासन में हमने नक्सलवाद से मुक्त करने का काम किया है। छत्तीसगढ़ हो या झारखंड हर जगह नक्सली अब अंतिम सांसें गिन रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले चरण का मतदान यहां हो गया है, 43 सीटों पर झारखंड की जनता ने वोटिंग की है। मैं आपको अभी रिजल्ट बता दूं, शाह ने कहा मंच से कहा कि, आप लोग कह रहे हैं तो मैं पेपर लीक कर देता हूं। पहले चरण में जेएमएम का सूपड़ा साफ हो गया है, बीजेपी की सरकार भारी मतों से आ रही है।

गाइडेड पिनाका हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने गाइडेड पिनाका हथियार प्रणाली के उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि उड़ान परीक्षण तीन चरणों में विभिन्न फील्ड फायरिंग रेंज में किए गए । इन परीक्षणों के दौरान कई लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए रेंज, सटीकता और स्थिरता का मूल्यांकन रॉकेटों के व्यापक परीक्षण द्वारा किया गया है। पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए सटीक स्ट्राइक वैरिएंट पूरी तरह से स्वदेशी हथियार प्रणाली है जिसे रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला, उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला, युद्ध सामग्री के साथ प्रमाण और प्रायोगिक प्रतिष्ठान के सहयोग से आयुध अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रणाली के सफल परीक्षणों के लिए डीआरडीओ और सेना की सराहना की है और कहा है कि इस गाइडेड पिनाका हथियार प्रणाली के शामिल होने से सशस्त्र बलों की तोपखाने की मारक क्षमता को और बढ़ावा मिलेगा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने भी परीक्षणों से जुड़ी टीमों को बधाई दी और कहा कि रॉकेट प्रणाली ने भारतीय सेना में शामिल होने से पहले सभी आवश्यक उड़ान परीक्षण पूरे कर लिए हैं।

मणिपुर के 6 इलाकों में फिर से अफस्पा लागू

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के 5 जिलों के 6 थानों में फिर से आर्म्ड फोर्सेस स्पेशल प्रोटेक्शन एक्ट (अफस्पा) लागू कर दिया गया है। यह 31 मार्च 2025 तक प्रभावी रहेगा। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को इसका आदेश जारी किया। मंत्रालय ने कहा कि इन इलाकों में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के चलते फैसला लिया गया। अफस्पा लागू होने से सेना और अर्ध-सैनिक बल इन इलाकों में कभी भी किसी को भी पूछताछ के लिए हिरासत में ले सकते हैं। गृह मंत्रालय के आदेश में इम्फाल पश्चिम जिले का सेकमई और लमसांग, इम्फाल पूर्व जिले का लाम्लाई, जिरिबाम जिले का जिरिबाम, कांगपोकपी का लेइमाखोंग और बिष्णुपुर जिले का मोइरंग थाना शामिल है। मणिपुर में मई 2023 से जारी जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

अगले साल 2025 तक प्रभावी रहेगा

अफस्पा को केवल अशांत क्षेत्रों में लागू किया जाता है। इन जगहों पर सुरक्षाबल बिना वारंट के किसी को भी गिरफ्तार कर सकते हैं। कई मामलों में बल प्रयोग भी हो सकता है। पूर्वोत्तर में सुरक्षाबलों की सहूलियत के लिए 11 सितंबर 1958 को यह कानून पास किया गया था। 1989 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ने पर यहां भी 1990 में अफस्पा लागू कर दिया गया। अशांत क्षेत्र कौन-कौन से होंगे, ये भी केंद्र सरकार ही तय करती है।

चलती एंबुलेंस में फटा ऑक्सीजन सिलेंडर, ड्राइवर ने बचाई गर्भवती की जान

जलगांव, एजेंसी। महाराष्ट्र के जलगांव के पास हाईवे पर बुधवार देर रात एक चलती एंबुलेंस में आग लग गई। इसके साथ ही उसमें रखे ऑक्सीजन सिलेंडर में भी विस्फोट गया। यह तो गनीमत रही कि ड्राइवर ने अपनी सूझबूझ से इसमें सवार गर्भवती महिला और उनके परिवार के सदस्यों को बाहर निकालकर उनकी जान बचा ली।

जानकारी के मुताबिक एंबुलेंस से एक गर्भवती महिला को एरंडोल के सरकारी अस्पताल से जलगांव जिला अस्पताल लाया जा रहा था। इसी दौरान एंबुलेंस के ड्राइवर को इंजन से धुआं उठता हुआ दिखा। जिस पर ड्राइवर तुरंत एंबुलेंस से बाहर आ गया और इसके बाद गर्भवती महिला और उनके परिजनों को भी एंबुलेंस से बाहर निकाल लिया। कुछ दूर पर सुरक्षित जगह पर ले गया। जिसके बाद एंबुलेंस के इंजन ने आग पकड़ ली और आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही मिनटों बाद आग एंबुलेंस के ऑक्सीजन टैंक तक फैल गई। इसके बाद ऑक्सीजन सिलेंडर भी ब्लास्ट हो गया। विस्फोट का वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल भी हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि आग का गुब्बारा कई फीट ऊपर तक जा रहा है। विस्फोट इतना तेज था कि पास के कुछ घरों के खिड़कियों के कांच भी टूट गए. मिली जानकारी के मुताबिक, इस घटना में अभी तक किसी के घायल या हताहत होने की खबर नहीं है।

---

4 महीने के उच्च स्तर पर पहुंची

खुदरा के बाद थोक महंगाई दर में भी इजाफा

- अक्टूबर में बढ़कर 2.36 प्रतिशत रही
- खाद्य उत्पादों की कीमतें 13.57 फीसदी बढ़ी
- सब्जियों की कीमतों 42.18 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में थोक महंगाई दर अक्टूबर में बढ़कर 2.36 प्रतिशत हो गई है। थोक महंगाई में बढ़त की वजह खाद्य वस्तुओं की कीमतें उच्च स्तर पर रहना है। सितंबर में यह 1.84 प्रतिशत थी। यह जानकारी गुरुवार को सरकार द्वारा जारी आंकड़ों से मिली। थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर चार महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, बीते महीने खाद्य उत्पादों की कीमतों में 13.57 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसकी वजह मानसून की देरी से वापसी के कारण फसलों को हुए नुकसान के बाद आलू और प्याज जैसी सब्जियां का महंगा होना है। विनिर्मित वस्तुओं में थोक महंगाई दर, जिसका थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में भार 64 प्रतिशत से अधिक है, बीते महीने 1.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ईंधन और बिजली की में कीमतों में गिरावट आई और महंगाई दर नकारात्मक (-) 5.79 प्रतिशत रही। सरकार द्वारा मंगलवार को खुदरा महंगाई दर के आंकड़े जारी किए गए थे। अक्टूबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) बढ़कर 6.21 प्रतिशत हो गया है। यह अक्टूबर में 5.49 प्रतिशत था। खुदरा महंगाई दर बढ़ने की वजह बीते महीने सब्जियों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी को माना जा रहा है। अक्टूबर में सब्जियों की कीमतों में 42.18 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। बीते 14 महीनों में यह पहली बार था, जब रिटेल महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा तय किए गए स्तर 6 प्रतिशत के ऊपर थी।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

संकट के समय हर छोटी चीज मायने रखती : बैंक ऑफ महाराष्ट

इटारसी, देशबन्धु। पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस 14 नवंबर को के रूप में चिल्ड्रंस डे मनाया जाता है। आज सिवनी मालवा शासकीय प्राथिमक शाला गोटियापुरा में बैंक ऑफ महाराष्ट्र सिवनी शाखा के शाखा प्रबंधक संतोष शर्मा ने स्कूल में प्रधानाध्यापक श्रीमती जूही साध एवं स्टाफ का

स्वागत के साथ ही पंडित नेहरू को पुष्प अर्पित किया एवं बच्चों को उनकी खुशियों के लिए उन्हें उपहार भी भेंट किये। नन्हे बच्चों के चाचा नेहरू के बारे में शहर के गणमान्य राजेन्द्र साध ने पंडित नेहरू पर बच्चों को जीवनी पर प्रकाश डाला। भारत के पहले प्रधानमंत्री और स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू का बच्चों के प्रति असीम प्रेम था। उन्होंने हमेशा बच्चों को प्रोत्साहित करने, उनके अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें बेहतर भविष्य देने पर जोर दिया। बच्चों के प्रति उनके प्रेम और समर्पण ने ही उन्हें 'चाचा नेहरू' का नाम भी दिलाया। अंत में स्कूल के प्रधानाध्यापक श्रीमती जूही साध द्वारा सभी का आभार माना।

मां नर्मदा कैंपस में मनाया गया बाल दिवस समारोह

इटारसी, देशबन्धु। मां नर्मदा स्कूल में आज बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में कक्षा नर्सरी से सातवी तक के छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर पासिंग द बाल, कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़ , बैलेंस द बलुन, आदि प्रतियोगिताएं थीं। इस अवसर पर कृति अग्रवाल ने चाचा नेहरू के जन्म दिवस पर दो शब्द कहे, बाल दिवस का महत्व बताया। बच्चों को उपहार और चॉकलेट का वितरण किया गया। इसी के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

ऋचा ने संभाग स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में प्राप्त किया गोल्ड

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी की छात्रा रिचा मेहरा ने शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय, भोपाल में आयोजित संभाग स्तरीय पॉवर लिफ्टिंग (महिला) प्रतियोगिता में 69 किलोग्राम भार वर्ग में 267.5 किलोग्राम उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मैडल

हासिल किया। क्रीड़ाधिकारी डॉ. मुकेश चंद्र बिष्ट ने बताया कि रिचा मेहरा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की पॉवर लिफ्टिंग (महिला) दल का प्रतिनिधित्व करते हुए अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में भाग लेगी, जो कि गुलबर्ग विश्वविद्यालय, कर्नाटक में आयोजित होगी। ऋचा मेहरा विगत 2 वर्ष से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल का प्रतिनिधित्व अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में कर रही हैं। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएस मेहरा, डॉ. संजय आर्य एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों ने बधाई प्रेषित कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

तवानगर की आंगनवाड़ी केन्द्र में मनाया गया बाल दिवस

इटारसी, देशबन्धु। तवानगर में आज बाल दिवस के उपलक्ष्य में तवानगर की आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया गया। इस मौके पर सरपंच शिव नारायण धुर्वे ने बच्चों को पंडित जवाहरलाल नेहरू के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि नेहरू के जन्म दिवस के अवसर पर बाल दिवस मनाया जाता है। बच्चों द्वारा छोटी-छोटी दुकानें लगायी गईं। माता पिता व अन्य लोगों ने बच्चों से सामग्री खरीद कर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में सरपंच के अलावा सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका उपस्थित थीं।

किराया नहीं देने वालों की दुकानें होंगी सील, कब्जा वापस लेंगे

विधायक की मौजूदगी में हुई रोगी कल्याण समिति ने लिये कई नर्णय

इटारसी, देशबन्धु। शहर के चिकित्सा विभाग की बड़ी खुश खबरी यह है कि यहां पूर्व में बंद हो चुके एएनएम ट्रेनिंग सेंटर को दिसंबर में पुन: प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसके लिए अस्पताल प्रबंधन ने सारी औपचारिकता पूर्ण कर ली हैं। नवनिर्मित नर्सेस ट्रेनिंग सेंटर के भवन में यह सेंटर पुन: प्रारंभ किया जाएगा। यह जानकारी आज यहां अस्पताल परिसर में हुई रोगी कल्याण समिति की बैठक में दी गई।

बैठक में विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश देहलवार, नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे, विधायक प्रतिनिधि भरत वर्मा, तहसीलदार श्रीमती सुनीता साहनी, अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरके चौधरी, भाजपा नेता जयकिशोर चौधरी, महिला भाजपा अध्यक्ष बबीता चौहान मौजूद रहे। बैठक में एक और सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा था कि रोगी कल्याण समिति से निर्मित की कई दुकानों का किराया दुकानदारों द्वारा लंबे समय से जमा नहीं किया गया है। दुकानदारों के ऊपर 50 हजार रुपये से ज्यादा का किराया शेष बचा है। विधायक डॉक्टर श्री शर्मा ने कहा कि जिन पर 20 हजार से अधिक का किराया निकाल रहा है, उन दुकानदारों से किराया जमा कराया जाये, एक सप्ताह के भीतर जमा करने का नोटिस दिया जाये, इसके बाद भी किराया जमा नहीं होता है तो ऐसे दुकानदारों की दुकानों को सील करके कब्जा वापस लिया।

नपा बनाएगी डामरीकृत सड़कें

सिविल अस्पताल की जो सड़कें खराब हो गयी हैं, उन पर नगर पालिका परिषद डामरीकरण करायेगी। यह बात रोगी कल्याण समिति की बैठक में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे ने कही। उन्होंने कहा कि जल्द ही इन सड़कों पर डामरीकरण कराया जायेगा। इसके अलावा अस्पताल परिसर में नये दो कमरे बने हैं। उनका लोकार्पण होना है, उसको लेकर भी चर्चा हुई तथा जल्द ही उसका लोकार्पण कराने के लिए सहमति बन गयी है।

कर्मचारियों का वेतन बढ़ाया

रोगी कल्याण समिति के माध्यम से अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों के हित में रोकस ने निर्णय लिया है। इन कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि करने का निर्णय भी आज की बैठक में लिया गया है। बता दें कि अस्पताल परिसर में रोगी कल्याण समिति के माध्यम से अनेक कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनका वेतन समय-समय पर रोकस की बैठक में बढ़ाया जाता रहा है।

ये निर्णय भी हुए

- आईसीआईसीआई बैंक अस्पताल परिसर में सोलर पैनल लगाएगी
- सिविल अस्पताल में जल्द ही ब्लड सेपरेशन यूनिट की स्थापना की जाएगी
- अस्पताल परिसर में आपात स्थिति के लिए 20 केवीए का जेनरेटर खरीदा जाएगा
- रोकस का खाता एचडीएफसी बैंक से आईसीआईसीआई में ट्रांसफर होगा

शासकीय कन्या महाविद्यालय में हो रहा निशुल्क प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में पंजीयन

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय कन्या महाविद्यालय में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में युवाओं का पंजीयन किया जा रहा है। इस योजना के तहत देश की चुनिंदा शीर्ष कंपनियों में युवाओं को इंटर्नशिप का मौका मिलेगा। इंटर्नशिप करने वाले युवाओं को 12 महीने तक प्रत्येक माह 5000 दिए जाएंगे।

प्राचार्य डॉ. आरएस मेहरा ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशों के परिपालन में 7 नवंबर 2024 से महाविद्यालय के प्राध्यापकों के द्वारा प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के प्रचार प्रसार हेतु सोशल मीडिया का उपयोग किया जा रहा है। छात्राओं से व्यक्तिगत संपर्क कर उनका प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में निशुल्क रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। हेलो महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी स्नेहांशु सिंह ने बताया कि इस योजना का लाभ लेने वाले अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता 10 वीं, 12वीं, आईटीआई डिप्लोमा, बीए बीकॉम या बीएससी उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। साथ ही आवेदक की उम्र 21 से 24 वर्ष के बीच होना चाहिए।

आवेदक महाविद्यालय में आकर 15 नवंबर तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। प्रत्येक इंटर्न को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत बीमा कवरेज दिया जाएगा। डॉ शिरीष परसाई तथा डॉ संजय आर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना छात्राओं में कौशल निर्मित कर रोजगार प्रदान करने का सुनहरा अवसर प्रदान कर रही है। अत: सभी योग्य आवेदकों को इस योजना का लाभ अवश्य प्राप्त करना चाहिए। महाविद्यालय के कंप्यूटर विभाग में करिश्मा कश्यप एवं प्रिया कलोसिया के द्वारा सतत निशुल्क पंजीयन कार्य किया जा रहा है।

मान्यता संबंधी चुनाव को लेकर रेलकर्मियों से मिले संघ के मंडल अध्यक्ष

इटारसी, देशबन्धु। वेस्ट सेंट्रल में मजदूर संघ के मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे ने इटारसी के छोटे-छोटे डिपो, डीजल शेड, एसी शेड, सिक लाइन, स्टेशन क्षेत्र और रेल पटरी पर जाकर ट्रैकमन सीएंडडब्ल्यू, ऑपरेटिंग के कर्मचारियों से मुलाकात की। सेंट्रल केबिन पर उपस्थित सभी राजेश यादव, श्याम निर्मल, सुनील, सीएंडडब्ल्यू लोको रनिंग शाखा के सचिव आरके श्रीवास्तव, मुख्यालय कार्यकारिणी सदस्य नितिन ओनकर, उपाध्यक्ष संतोष चतुर्वेदी, वीरेंद्र बड़ोदिया, जितेंद्र एवं सैकड़ों कर्मचारियों की गेट मीटिंग हुई।

वापस आते समय इंजीनियरिंग शाखा

विभागों के कर्मचारियों से जनसंपर्क किया। बुकिंग कार्यालय में भी पहुंचे जहां बहुत समस्याओं का सामना हुआ। उन्होंने कहा कि सभी बुकिंग एवं रिजर्वेशन की महिलाओं कर्मचारी का सम्मान किया जाएगा

उल्लेखनीय हैकि आज संघ मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा के आह्वान पर जनसंकल्प यात्रा के अंतर्गत मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे का इटारसी आगमन हुआ। टीआरएस शेड में मंडल कोषाध्यक्ष भागीरथ मीना, कुंदन अगलावे, संजय कैचे, डीजल शेड में मुख्यालय कार्यकारिणी सदस्य महाकाल कश्यप, के अध्यक्ष गुलाब सरोदे, सचिव अर्जुन ऊंटवार ने 10 नंबर यूनिट में सैकड़ों ट्रैकमेंट साथियों से जनसंपर्क कराया। श्री पांडे मीडिया से मिले। इस मौके पर मुख्यालय कार्यकारिणी सदस्य राजेश गौर, अध्यक्ष प्रीतम तिवारी, योगेश चौरे, सौरभ गुप्ता, दिनेश, तरुण, आकाश, मिलन गुप्ता, विष्णु सत्यम, मोहित एवं सभी युवा कार्यकर्ताओं ने अपनी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने प्लेटफाम 2 परयूनिट के ट्रैकमैन साथियों, डोलरिया एवं धर्मकुंडी के ट्रैकमैन कर्मचारी जो इटारसी कार्य करने आए थे, उनसे जनसंपर्क किया।

जीनियस प्लानेट मे मनाया गया बाल दिवस और गुरुनानक जयंती

इटारसी, देशबन्धु। जीनियस प्लानेट सीनियर सेकंडरी स्कूल में आज बाल दिवस के साथ गुरुनानक देव जी की जयंती को भी सेलिब्रेट किया। गुरुनानक देव की जयंती सेलिब्रेट करने के लिए स्कूल के म्यूजिकल ग्रुप द्वारा म्यूजिक टीचर्स के मार्गदर्शन में शबद कीर्तन की प्रस्तुति दी।

स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा गुरुनानक देव के जीवन का परिचय और उनके द्वारा सिखाई गई सिखावानीयों को अपने शब्दों के माध्यम से प्रस्तुत किया। साथ ही बच्चों द्वारा नानक देव जी पर लिखी गई कविता को भी पढ़ा गया। इस संपूर्ण कार्यक्रम में स्कूल स्टॉफ के साथ नरिंदार कौर का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम की विशेषता यह रही की स्कूल के किंडर सेक्शन के नन्ने मुन्ने आज पंजाबी वेशभूषा में आये।

गुरुनानक देव की जयंती को सेलिब्रेट करने के बाद बच्चों के साथ स्कूल डायरेक्टर जाफर सिद्दीकी, मनीता सिद्दीकी और प्राचार्य विशाल शुक्ला के साथ समस्त स्टॉफ ने बाल दिवस भी सेलिब्रेट किया। यह सेलिब्रेशन

बच्चों के खेलकूद आदि करा कर मनाया। इसके अंतर्गत सबसे पहले शाला प्रांगण में स्कूल का स्पोर्ट्स फ्लेग फहराया गया और स्कूल का स्पोर्ट्स सांग म्यूजिकल टीम के साथ स्कूल के बच्चों और समस्त स्टॉफ ने गाया। तत्पश्चात बच्चों को उनके स्पोर्ट्स टीचर्स और क्लास टीचर्स द्वारा विभिन्न स्पोर्ट्स जैसे नौका दौड़, चेयर रेस, रस्सा कसी, बोरा दौड़, रैबिट रेस, रिंग रेस आदि खिलवाई गई द्य सभी आयोजन के पश्चात् कक्षा 3 से कक्षा 12 वी तक के बच्चों ने 14 नवंबर की मानव आकृति बनाई और अपने प्रिय चाचा नेहरू को अपनी सच्ची श्रद्धांजलि समर्पित की।

संस्था के संचालक मो जाफर सिद्दीकी ने बच्चों को 14 नवंबर का महत्व समझाते हुए कहा की आज का दिन चाचा नेहरू ने बच्चों को इसलिए दिया क्योंकि ये बच्चे ही देश का भविष्य होते हैं। मनीता सिद्दीकी ने सभी स्टॉफ और बच्चों को बाल दिवस और गुरुनानक जयंती की शुभकामनायें दी और कहा की इस प्रकार के आयोजन शारीरिक क्षमताओं का विकास करते हैं, और सभी धर्मों के मुख्य पर्व को सेलिब्रेट करके बच्चों के मन में सभी धर्मो के प्रति सम्मान का भाव उत्पन्न होता है जो आपसी सौहद्रता को बढ़ाता है। संपूर्ण कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्कूल स्टॉफ का सराहनीय योगदान रहा साथ ही स्कूल के स्पोर्ट्स टीचर्स कृष्णा साहू और सावन भेरुआ का विशेष योगदान रहा।

एसवीएम स्कूल में हुई प्रतियोगिताएं

इटारसी, देशबन्धु। न्यास कॉलोनी स्थित साईं विद्धा मंदिर में बाल दिवस के अवसर पर आज विभिन्न प्रतियोगिताऐं आयोजित की गयीं। संचालक आलोक गिरोटिया ने बताया इस अवसर पर नर्सरी केजी के बच्चों के लिये विशेष फन क्रियेटिविटी का आयोजन किया

गया। नर्सरी के बच्चों को रोचक कहानियां दिखाते हुये मनपसंद डिमांड गीत और नृत्य पूछकर बच्चों का मनोरंजन किया गया। विभिन्न खेलों में उनकी सहभागिता कराते हुये बैलून्स दिये गये तो के जी बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागीदारी कराकर गीत व नृत्य के साथ उन्हें क्रेयान्स कलर भेंट किये गये। चेयर रेस, पिकिंग द ऑब्जेक्ट्स, हर्डल्स रनिंग, बर्सटिंग द बैलून, पुश द बॉल इन टू द होल, स्पून रेस जैसे मनोरंजक खेलों का बच्चों ने भरपूर लुत्फ उठाया।

डीजल शेड की ट्रेक्शन मोटर यूनिट में भीषण आग लगी

इटारसी, देशबन्धु। रेलवे के नया यार्ड स्थित डीजल लोको शेड परिसर में गुरूवार शामआग लगने से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार शेड की ट्रेक्शन मोटर यूनिट में भीषण आग लग गई। आग लगते ही यहां काम कर रहे कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। घबराए कर्मचारियों ने शेड में मौजूद अग्रिशामक यंत्रों एवं नपा की दमकल को सूचना दी, जिसके बाद दमकल वाहन मौके पर पहुंचा। खबर लिखे जाने तक आग काबू कर ली गई थी।

डीजल शेड में रेलवे के डीजल इंजन रखरखाव के लिए आते हैं, यहां विभिन्न इकाइयों में इंजन के पार्ट्स खोलकर उनका रखरखाव किया जाता है, जिस यूनिट में आग लगी है, वहां इंजन के हेवी उपकरणों को खोलकर इनकी वाशिंग एवं साफ सफाई की जाती है। आग लगने को लेकर अभी रेलवे के आला अधिकारी कुछ भी कहने से इंकार कर रहे हैं। सुरक्षा लिहाज से जीआरपी-आरपीएफ के अलावा सिटी पुलिस का अमला भी मौके पर पहुंचा है। शेड की निगरानी सीनियर डीएमई स्तर के अधिकारी करते हैं। आग कैसे लगी, आगजनी में कितना नुकसान हुआ है, किन उपकरणों को क्षति पहुंची है, यह बात जांच के बाद सामने आएगी।

शेड परिसर में डीजल इंजनों में लोड किया जाने वाला डीजल और उपयोग के बाद स्क्रैप आइल का भंडारण रहता है, हालांकि इस स्थल से आग काफी दूर लगी है, जिससे विस्फोटक सामग्री तक आग की लपटें नहीं पहुंच सकीं। शाम आग लगने की खबर के बाद शेड परिसर के बाहर गहमागहमी का माहौल बन गया, सैकड़ों रेलकर्मी मौके पर जमा हो गए। आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। आला अधिकारियों तक यह मामला पहुंच गया है। प्राथमिक जांच में शार्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है, हालांकि जांच के बाद ही रेलवे आगजनी के सही कारणों तक पहुंचेगी।

करोड़ों रुपयों के इंजन मौजूद

- शेड में रखरखाव के लिए करोड़ों रुपयों के मूल्य वाले रेलवे इंजन आते हैं, इनके रखरखाव में सैकड़ों कर्मचारी यहां तैनात रहते हैं, इस लिहाज से यह रेलवे की बड़ी डिपो है, विद्युतीकरण होने के बाद अब कई सेक्शन में डीजल इंजनों का उपयोग कम हुआ है, लेकिन आज भी कई लाइन पर डीजल इंजन चल रहे हैं, शटिंग के लिए भी इनका उपयोग किया जाता है। संयोग से आग को समय रहते काबू कर लिया गया, वरना पूरा शेड परिसर इसकी चपेट में आ सकता था। आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं।

गौरक्षकों ने गौवंश से भरा ट्रक पकड़ा, गाड़ी छोड़कर दो फरार

इटारसी, देशबन्धु। शहर के गौरक्षकों और बजरंगदल कार्यकर्ताओं ने गौ तस्करी के संदेह में एक ट्रक को नेशनल हाईवे पर 11 मुखी हनुमान मंदिर के पास रोका तो उनका संदेह सही निकला। तत्काल पथरोटा पुलिस को खबर की गई और पुलिस ने पहुंचकर ट्रक जब्त किया और वन विभाग के कार्यालय के पास ओवरब्रिज के नीचे नगर पालिका की अस्थायी गौ शाला में उनको उतारा जा रहा है। मौके पर पथरोटा थाना प्रभारी संजीव पवार भी मौजूद थे। गौ वंश अत्यंत अमानवीय तरीके से ट्रक में भरे थे, जिनमें से कई अधमरे भी हो चुके हैं, उनको उपचार दिया गया है।

गौ रक्षक लखन कश्यप और उनके साथियों ने 11 मुखी हनुमान मंदिर के पास इस ट्रक को संदेह के आधार पर रोका और देख तो ट्रक में गौवंश थे। उन्होंने तत्काल गौ तस्करी के संदेह में पथरोटा पुलिस को खबर की। पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को यहां लाया गया। उन्होंने बताया कि ट्रक में मौजूद तीन आरोपियों में से दो आरोपी मौके से भाग गए। ट्रक ड्राइवर इरफान पठान, निवासी मंडीदीप को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया गया है। लखन कश्यप ने बताया ट्रक में करीब 80 गोवंश थे। ये सतना से नागपुर जा रहे थे। जब वह ट्रक का पीछा कर रहे थे, ट्रक चालक ने उनके दो साथियों को ट्रक से कुचलने की कोशिश की।

पाटलीपुत्र एक्सप्रेस में बदमाश ने चाकूबाजी कर महिला से मंगलसूत्र छीना

यात्रियों ने पकड़कर देर तक बांधकर रखा, खुद को चाकू मारने लगा तो यात्री सहम गये

मौका देख बदमाश दौड़कर दूसरे कोच में चला गया

इटारसी, देशबन्धु। पाटलिपुत्र सुपर एक्सप्रेस में एक बदमाश ने चाकूबाजी कर एक महिला के गले से मंगलसूत्र छीन लिया। घटना इटारसी से ट्रेन चलने के बाद की है। यात्रियों ने भुसावल में घटना की शिकायत दर्ज करायी है। जीआरपी इटारसी में डायरी आने के बाद आज थाना प्रभारी निरीक्षक रामस्नेह चौहान ने घटना के वीडियो और फोटो जारी कर बदमाश की पहचान करने का निवेदन किया है। ये वीडियो यात्रियों ने उस वक्त बनाये थे जब घटना के बाद यात्रियों ने बदमाश को पकड़कर बांध लिया था।

घटना 11 नवंबर की रात को की बतायी जा रही है जब इटारसी से गाड़ी चलने के आधे घंटे बाद बदमाश ने चाकूबाजी करके महिला का मंगलसूत्र छीना। मौका पाकर यात्रियों ने उसे

पकड़ भी लिया था। यात्रियों ने बदमाश को पकड़ने के वीडियो बना लिए। जिसमें वो कहते हुए दिख रहा कि रोजी-रोटी, रोजगार नहीं है। चोरी नहीं करें तो क्या मर जाएं। यात्री समझा रहे हैं कि काम धंधा करो तो कहता है कि तीन सौ रुपए रोज में होता क्या है, जब खुद पर बीतेगी तो समझ में आएगा। वह यात्रियों से काफी बहस करता है, साथ ही हाथ जोड़कर यह भी कहते सुनाई दे रहा है कि पुलिस में मत देना, मेरे मां-बाप नहीं हैं। ट्रेन के भुसावल पहुंचने पर पीड़ित यात्रियों ने जीआरपी को मंगलसूत्र चोरी और चाकूबाजी की शिकायत की। रेल पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज कर डायरी बुधवार रात को इटारसी जीआरपी को ट्रांसफर की। जिसके बाद से रेलवे पुलिस बदमाश की तलाश में जुटी है।

मिली जानकारी के अनुसार उक्त बदमाश सफर कर रहे यात्री राकेश जायसवाल का बैग चोरी कर ले जा रहा था, अचानक उनकी नींद खुल गई, उन्होंने शोर मचाया। तब अन्य यात्रियों ने उसे पकड़ लिया। उसकी पिटाई कर उसे बैठा लिया। कुछ देर बाद फिर से यात्रियों ने उसकी जमकर धुनाई कर दी। जिससे उसके सिर में लगा विग निकल गया। इस बीच बदमाश ने खुद के पास रखा चाकू निकालकर खुद को जख्मी करना शुरु कर दिया। सहमकर सभी यात्री उससे दूर हो गए। केवल फरियादी राकेश जायसवाल, उसकी पत्नी मां पास में ही थी। बदमाश ने यात्री राकेश पर चाकू से हमला कर दिया। बचाव के लिए उसकी मां आगे आई तो बदमाश ने उनके गले से सोने का मंगलसूत्र छीन लिया और फिर वो भाग गया। राकेश जायसवाल अपनी मां, पत्नी, बच्चों के साथ पंडित दीनदयाल रेलवे स्टेशन से मुंबई की यात्रा कर रहा था। ट्रेन के स्लीपर कोच एस 1 में रिजर्वेशन था। फरियादी मुंबई धोबी घाट क्षेत्र में वेल्डिंग का काम करता है।

वीडियो, फोटो को राष्ट्रीय स्तर पर जारी किए

इटारसी जीआरपी थाना प्रभारी आरएस चौहान ने घटना से जुड़े वीडियो, फोटो जिसमें बदमाश दिख रहा है, उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर जारी किए ताकि बदमाश को पकड़ा जा सके। जीआरपी निरीक्षक चौहान ने कहा कि जिस किसी को भी आरोपी के संबंध में कोई जानकारी हो तो थाना प्रभारी इटारसी के मोबाइल या थाना जीआरपी इटारसी के फोन पर सूचित करें। थाना प्रभारी का कहना है कि बदमाश जो बोली में बात कर रहा है। उसे प्रतीत होता है कि वो जबलपुर, सतना, इलाहाबाद क्षेत्र का रहने वाला है।

किसान उन्नत खेती करने के लिए सुपर सीडर यंत्र का उपयोग करें : संभागायुक्त

ग्राम पिपलिया कला में सुपर सीडर यंत्र के कार्यों का अवलोकन किया

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदापुरम संभागायुक्त श्री के जी तिवारी गुरुवार को सिवनी मालवा के ग्राम पिपलिया कला पहुंचे यहां उन्होंने प्रगतिशील कृषक विकास रघुवंशी के खेत पर जाकर सुपर सीडर यंत्र का अवलोकन किया।

किसान विकास रघुवंशी ऐसे प्रगतिशील किसान है जिन्होंने एग्रीकल्चर विषय से पढ़ाई कर सबसे पहले अपने 30 एकड़ के खेत में सुपर सीडर यंत्र के माध्यम से खेती में नया प्रयोग किया। उन्होंने नरवाई काटने के लिए सुपर सीडर यंत्र का उपयोग किया। सुपर सीडर यंत्र के माध्यम से खेती के अधिकांश काम आसान हो जाते हैं। श्रम एवं समय की बचत होती है साथ ही जमीन की नरमाई भी बरकरार रहती है जो फसल वृद्धि एवं फसल को गुणवत्ता प्रदान करती है। संभागायुक्त ने प्रगतिशील किसान विकास रघुवंशी की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी कृषक विशेष तौर पर युवा शिक्षित कृषक सुपर सीडर यंत्र का उपयोग करें। सुपर सीडर यंत्र पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सुपर सीडर यंत्र से श्रम एवं समय की बचत होती है क्योंकि सुपर सीडर यंत्र से एक दिन में ही खेत की नरवाई को काटकर छोटे टुकड़े करके मिट्टी में दबा दिया जाता है इससे खेत को पोषक तत्व मिलते हैं। इससे समय की भी बचत होती है। डीजल भी कम उपयोग होता है और इस दौरान जमीन को खेती को लाभ पहुंचाने वाले जीवाश्म एवं कीटाणु जमीन को नमी प्रदान करते हैं। बीड़ में सुधार होता है ईलिड मैं सुधार होता है। वातावरण भी अच्छा होता है। साथ ही डीएपी या फर्टिलाइजर का कम से कम उपयोग कर उन्नत फसल की प्राप्ति की जा सकती है। प्रदूषण में रोकथाम होती है। सुपर सीडर यंत्र कम्बाईन हार्वेस्टर से अधिक ऊचांई पर फसल की

कटाईउपरांत तत्काल बिना जुताई अगली फसल की बुआई करता है। फसल अवशिष्टों को जलाने की कुप्रथा इससे हत्तोउत्साहित होती है एवं इससे पर्यावरण और संरक्षित कृषि को प्रोत्साहन मिलता है। सिंचाई जल में उल?लेखनीय बचत के साथ उत?पादन की मात्रा और गुणवत्ता में वृद्धि करता है। खरपतवारों के अंकुरण पर प्रभावी नियंत्रण करता है। फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाकर खाद्य बनाने में यह यंत्र उपयोगी है।

विकास रघुवंशी ने बताया कि उनके द्वारा सुपर सीडर यंत्र का उपयोग करने से उनकी धान की फसल की बंपर पैदावार हुई है। साथ ही धान की फसल उच्च क्वालिटी की भी है। संभागायुक्त ने कहा कि सभी कृषक सुपर सीडर यंत्र का उपयोग कर समय एवं श्रम की बचत करें एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उक्त यंत्र की लागत 3 लाख रुपए है जिसमें से 1 लाख 5 हजार रुपए अनुदान मिलता है, तथा 50त्न की सब्सिडी भी दी जाती है। 1 लाख 35 हजार रुपए में यंत्र प्राप्त हो जाता है। कृषक प्रमोद रघुवंशी एवं आसपास के ग्रामीणों ने संभागायुक्त को बताया कि जब प्रगतिशील किसान विकास रघुवंशी ने सुपर सिडर यंत्र खरीदा तो पहले सब ने उसका मजाक उड़ाया लेकिन जब उन लोगों ने देखा कि एक ही दिन में नरवाई का निदान किया जा सकता है तो इससे उन सब लोगों को प्रेरणा मिली। आज उनसे प्रेरणा लेते हुए गांव में दो से तीन और अन्य किसानों ने सुपर सीडर यंत्र क्रय किया है और उनका उपयोग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि जब से सुपर सीडर यंत्र आई है तब से खेतों में नरवाई का बेहतर प्रबंध हो रहा है, खेती में सहूलियत हो गई है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ गई है क्योंकि इससे खेती को लाभ पहुंचाने वाले जीवाश्म मिट्टी में मिलकर मिट्टी को नरम रखते हैं। फसलों के लिए लाभदायक कीटाणु जीवाश्म सुरक्षित रहता है। ईलिट में सुधार हो रहा है?। अब डीएपी एवं यूरिया तथा फर्टिलाइजर का बहुत ही कम मात्रा में खेतों में उपयोग किया जा रहा है। धान भी बेहतर क्वालिटी की हो रही है। खेत साफ करने के लिए जहां पहले तीन गुना श्रम, तीन गुना समय और तीन गुनी लागत आती थी वहीं अब एक दिन में कम से कम समय में कम लागत में और कम डीजल में खेत को समतल कर कार्य किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर बंद होने की एवं विद्युत खंभा टेढ़ा होने की शिकायत की – संभागायुक्त श्री के जी तिवारी को अपने बीच पाकर पिपलिया कला के ग्रामीण काफी प्रसन्न थे। पिपलियाकलां के दुर्गेश रघुवंशी, प्रमोद रघुवंशी, सियाराम रघुवंशी, विनोद रघुवंशी एवं राजू रघुवंशी ने संभागायुक?त को बताया कि कृषि में अभी पलेवा का समय चल रहा है और साथ ही गांव में लगे ट्रांसफार्मर की बिजली एमपीबी द्वारा काट दी गई है। जबकि सभी किसानों के द्वारा समय पर बिल का भुगतान भी किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि एमपीबी के कहने पर ही उन्होंने ठेकेदार सचिन धाकड़ से डेढ़ लाख रूपए देकर ट्रांसफार्मर लगाया था। लेकिन एमपीबी ने लाइट काट दिया है जिससे पलेवा करने में सिंचाई करने में दिक्कत आ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि एडिशनल ट्रांसफार्मर हमें लगाना पड़ रहा है। ग्रामीणो ने अवगत कराया की सिंचाई के लिए 10 घंटे की बजाय मात्र 6 घंटे बिजली प्राप्त हो रही है वह भी टुकड़े टुकड़े में मिलती है। ग्रामीणों ने मुख्य सड़क पर स्थित विद्युत विभाग के खंभे के टेढ़ा होकर गिरने की कगार पर खड़े होने की शिकायत की और कहां की खंबा सीधा किया जाए। संभागायुक्त ने सभी ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जल्द ही पिपलिया कला के गांव की बिजली की समस्या का समाधान किया जाएगा। वे स्वयं अधीक्षण यंत्री एमपीबी से बात करेंगे। भ्रमण के दौरान संयुक्त आयुक्त विकास जी सी दोहर, जल संसाधन विभाग के अधिक्षण यंत्री राजाराम मीना, जल संसाधन विभाग सिवनी मालवा राजश्री कटारे एवं कृषि विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिये सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करें: कलेक्टर

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित कृषि व सहकारिता विभाग के अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिये कि सोयाबीन उपार्जन के लिये बनाये गये केन्द्रों में आने वाले किसानों के लिये बैठक व्यवस्था, पेयजल सुविधा व शेड जैसे सभी आवश्यक प्रबन्ध किये जायें। उन्होने कहा कि इस बात का प्रचार-प्रसार किया जाए कि उपार्जन के लिये किसान फसल सुखाकर लायें। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिये कि शासन द्वारा निर्धारित एफएक्यू की गुणवत्ता के स्तर की फसल का ही उपार्जन किया जाए। उन्होने कहा कि उपार्जन केन्द्रों को निर्धारित समय पर खोला जाए तथा सभी कर्मचारी उपार्जन

केन्द्र पर समय से पहुँचे ताकि किसानों को इंतजार न करना पड़े। बैठक में उपसंचालक कृषि संजय यादव, जिला सहकारी बैंक के प्रबन्धक श्री सिटोके, जिला विपणन अधिकारी श्री मालवीय सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। उप संचालक कृषि श्री यादव ने बताया कि खरीफ वर्ष विपणन वर्ष 2024-25 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सोयाबीन उपार्जन 31 दिसम्बर तक किये जाने के निर्देश है। जिले में 20 उपार्जन केन्द्र स्थापित किये गये है। उन्होने बताया कि अभी तक 547 कृषको द्वारा स्लॉट बुक कराये जाकर, 116 कृषको द्वारा 267.1 मे.टन सोयाबीन उपज, उपार्जन केन्द्रो पर विक्रय की गई है।

निर्माण कार्यों में गति लाएं, सड़कों की रिपेयरिंग तुरन्त शुरू कराएं: कलेक्टर

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह ने गुरूवार शाम को कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में आयोजित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक में निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों में गति लायें तथा प्रचलित निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिये कि पूर्ण कार्यों के लोकार्पण के लिये आवश्यक तैयारी करें। बैठक में लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, सड़क विकास निगम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सेतु निगम के अधिकारी मौजूद थे। उन्होने निर्माण विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों के जो प्रस्ताव शासन को भेजे गये हैं, वरिष्ठ कार्यालयों से उनका फालोअप लेते रहें। उन्होने कहा कि जो ग्राम वर्षा ऋतु में पहुँचविहीन हो जाते है, ऐसे ग्रामों में बारहमासी सड़क व पुल पुलिया निर्माण के प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजें ताकि ग्रामीणों को वर्षा ऋतु में होने वाली परेशानी से मुक्ति मिल सके। उन्होने कहा कि सड़क निर्माण से जुड़ी एजेन्सी सड़क रिपेयरिंग का कार्य तत्काल शुरू करें। उन्होने निर्देश दिये कि ग्राम सड़क योजना की जो सड़कें ग्यारंटी अवधि में है, उनका मेंटेनेंस नियमित रूप से होता रहे, यह सुनिश्चित किया जाए।

भगवान बिरसामुंडा की जयंती पर नजातीय गौरव दिवस आयोजित किया जाएगा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 15 नवम्बर 2024 को देश भर में संविधान दिवस के साथ जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रदेश के प्रत्येक जिले में पीएम जनमन एंव धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान पर आधारित कार्यक्रम किये जाएंगे। नर्मदापुरम जिले में 15 नवम्बर 2024 को कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना के मार्गदर्शन में जनजातीय विकास खंड केसला के ग्राम भरगदा में संचालित एकलव्य आवासीय विद्यालय परिसर में स्थित आडिटोरियम में जनजातीय गौरत दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा दिये जाने वाले उद्बोधन का सीधा प्रसारण वन वे कनेक्टीविटी के माध्यम से किया जाएगा। भगवान बिरसा मुंडा जयंती जनजातीय गौरव दिवस का कार्यक्रम प्रातः 10:30 बजे से प्रारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम में सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी एवं सिवनीमालवा, विधायक श्री प्रेमशंकर वर्मा विशेष रूप से शामिल होंगे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक / पारंपरिक / बच्चों की प्रतियागिताऐं एंव जनजातीय विभाग एंव अन्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के जनजातीय पात्र हितग्राहियों को मंच से हितलाभ का वितरण गणमान्य अतिथियों द्वारा किया जावेगा। कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले जनजातीय जन समूह का स्वास्थ्य परीक्षण भी कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जावेगा।

आयुष विभाग के शिविर में रोगों की हुई जांच

बैतूल, देशबन्धु। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत आयुष विभाग बैतूल द्वारा गुरुवार को जिले के सभी 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया। यह शिविर कलेक्टर बैतूल के मार्गदर्शन और जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर के निर्देशन में आयोजित किया गया।

शिविर में आए रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण, जैसे कि बीपी, शुगर, एचबी और जननांग संबंधित रोगों की जांच की गई। चिकित्सकों ने रोगियों को उनके स्वास्थ्य अनुसार आवश्यक औषधियों का नि:शुल्क वितरण भी किया। शिविर में विशेष रूप से प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं के साथ योग प्रशिक्षकों ने प्रजनन स्वास्थ्य हेतु योग की सरल क्रियाएं सिखाई, जिससे लाभार्थी इनका फायदा उठा सकें। इसके अतिरिक्त, मौसमी परिवर्तन के अनुसार सही आहार-विहार और दिनचर्या के विषय में भी जानकारी दी गई। शिविर में आए रोगियों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, रक्ताल्पता, अर्श, ज्वर, श्वास, कास, दंत रोग और वृद्धावस्था के विकारों से जुड़े मरीज शामिल थे, जिन्हें उचित औषधियाँ और सलाह दी गई।

ताप्ती घाट पर आयुष प्रचार-प्रसार शिविर आज - कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 15 नवंबर को आयुष विभाग द्वारा ताप्ती घाट पर आयुष प्रचार-प्रसार शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत संचालनालय आयुष द्वारा प्राप्त आदेशानुसार आयोजित हो रहा है, जिसे जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर के निर्देशन में आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन ताप्ती घाट पर कोलगांव, मुलताई, बारहलिंग और भैंसदेही में पूर्णा नदी के तट पर किया जाएगा। इस शिविर में आयुष क्योर एप, योग की सरल क्रियाओं और उनका महत्व, औषधीय पौधों की खेती और उनसे होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। शिविर के नोडल अधिकारी डॉ. मनक धुर्वे और डॉ. अजय मांड़वे को नियुक्त किया गया है, जो इस शिविर के संचालन की देखरेख करेंगे।

अंतर जिला महाविद्यालय युवा उत्सव कार्यक्रम कल

बैतूल, देशबन्धु। जेएच कॉलेज में 16 नवंबर को अंतर जिला महाविद्यालय युवा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें जिले भर के महाविद्यालय द्वारा अनेकों विधाओं में प्रस्तुति दी जाएगी। इस कार्यक्रम में एकलव्य लोक कला समिति के माध्यम से जेएच पीजी कॉलेज के युवा विद्यार्थी लोक नृत्य की प्रस्तुति देंगे।

बाल दिवस पर कूलों में हुआ मेले का आयोजन

पिपरिया, देशबन्धु। समस्त शासकीय एवं निजी स्कूलों में 14 नवंबर, बाल दिवस के रूप मेंमनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा मेले का आयोजन भी किया गया। जिसमें बच्चों ने तरह तरह के व्यंजनों के स्टॉल लगाए।

शहर एवं ग्रामों के स्कूलों में आज का दिन बच्चों के नाम रहा। बाल दिवस के उपलक्ष्य में संस्थाओं में पं जवाहरलाल नेहरु की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के माध्यम से अतिथियों व शाला स्टाफ ने बच्चों को संबोधित किया। बच्चों ने अपनी प्रतिभाओं का भी प्रदर्शन किया। वहीं बाल मेला भी शालाओं में आकर्षण का केंद्र रहा। मेले में बच्चों के पालक, गणमान्य नागरिकों ने भी शिरकत की। शासकीय हाई स्कूल राइखेड़ी में आयोजित बाल मेले में बच्चों ने अपने हाथों से खाद्य सामग्री का निर्माण कर दुकान लगाई। शाला स्टाफ, अतिथि व बच्चों ने रुचि के साथ मेले का आनंद उठाया। शाला प्रभारी श्रीमती मोना पुरोहित, श्रीमती कविता दुबे, श्रीमती ममता अहिरवार, शिखा सिंह, राजेश चौधरी, पंचम सिंह नागवंशी ने बच्चों को उद्बोधन के साथ बाल दिवस की बधाइयाँ दी।

संभाग आयुक्त ने दूरस्थ ग्रामों का दौरा कर सिंचाई व्यवस्था देखी

हरदा, देशबन्धु। नर्मदापुरम संभाग के आयुक्त के.जी. तिवारी ने गुरुवार को हरदा जिले के दूरस्थ ग्राम पाहनपाट में मोटरसाइकिल पर बैठकर नहर के अंतिम छोर पर स्थित खेत तक जाकर सिंचाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होने खंडवा जिले की सीमा पर स्थित पाहनपाट ग्राम के किसानों से चर्चा कर विद्युत आपूर्ति और सिंचाई व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। गांव के किसान राहुल राजपूत ने कमिश्नर श्री तिवारी को बताया कि उसका खेत नहर के सबसे अंतिम छोर पर स्थित है, फिर भी उसके खेत तक सिंचाई के लिए नहर के माध्यम से पर्याप्त पानी आ रहा है। भ्रमण के दौरान कमिश्नर श्री तिवारी ने कार्यपालन यंत्री डी.के. सिंह के कार्यों की सराहना की। इस दौरान संयुक्त आयुक्त जी.सी. दौहर, जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता नर्मदापुरम संभाग आर.आर. मीणा, एसडीएम अशोक डेहरिया, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन डी.के. सिंह एवं कार्यपालन यंत्री सुश्री सोनम वाजपेयी सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

संभाग आयुक्त श्री तिवारी ने ग्राम छिदगांव मेल में नहर से सिंचाई व्यवस्था का जायजा लिया और उपस्थित अधिकारियों तथा किसानों से चर्चा की। उन्होने ग्राम

कांकरिया में किसानों से चर्चा कर नहरों से सिंचाई व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। ग्राम कांकरिया के किसानों ने कमिश्नर श्री तिवारी को बताया कि टेल क्षेत्र के किसानों को पानी नहीं मिल रहा है, जिस पर उन्होने कार्यपालन यंत्री श्री डी.के. सिंह को निर्देश दिये कि ओसराबंदी व्यवस्थित तरीके से लागू कर नहर के अंतिम छोर पर स्थित खेत तक पानी पहुँचाएं। मसनगांव के किसानों ने कमिश्नर श्री तिवारी से अनुरोध किया कि उनके गांव को शहीद ईलाब सिंह सिंचाई परियोजना में शामिल किया जाए तो आसपास के गांवों के किसानों के खेतों की सिंचाई व्यवस्था सुधर जाएगी। कमिश्नर श्री तिवारी ने किसानों से विद्युत आपूर्ति और खाद की उपलब्धता के संबंध में भी पूछताछ की। उन्होने किसानों को बैंक खातों की आधार सिडिंग कराने के लिये कहा ताकि पीएम किसान व अन्य योजनाओं में राशि सीधे खाते में जमा हो सके। श्री तिवारी ने ग्राम पाहनपाट में स्थानीय ग्रामीणों से चर्चा कर आयुष्मान कार्ड पंजीयन के संबंध में भी जानकारी ली और समझाया कि हाल ही में सरकार ने 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों को 5 लाख रूपये तक के नि:शुल्क उपचार की सुविधा दी है। किसानों ने कमिश्नर श्री तिवारी को बताया कि सिंचाई के लिये 10 घंटे पर्याप्त बिजली मिल रही है। नहर के टेल क्षेत्र पर स्थित ग्राम लोधियाखेड़ी के किसानों ने उन्हें बताया कि 4 नवम्बर से नहर में लगातार पानी आ रहा है। किसान श्री द्वारकाप्रसाद गौर, राहुल, जीवनराम गौर, दीपक सारण ने कमिश्नर श्री तिवारी को बताया कि सिंचाई के लिये नहर से भरपूर पानी मिल रहा है और सिंचाई तथा विद्युत विभाग के अधिकारी किसानों को भरपूर सहयोग कर रहे है।

बिरसा मुण्डा जयंती पर 103 वनग्रामों में आज होंगी विशेष ग्रामसभाएं

हरदा, देशबन्धु। भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयंती के अवसर पर 15 नवम्बर को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले के 103 ग्रामों में विशेष ग्राम सभा सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान'' के तहत जिले के 103 ग्रामों में प्रधानमंत्री जनमन अभियान के आधार पर 18 विभागों की कुल 25 योजनाओं से प्रत्येक पात्र जनजातीय परिवार को लाभान्वित किया जाएगा। कलेक्टर आदित्य सिंह ने इसके लिये संबंधित अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये है। जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग डॉ. कविता आर्य ने बताया कि इस विशेष ग्रामसभा सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम में ग्रामीणों को ''पेसा'' एवं वन अधिकार अधिनियम के संबंध में बताया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता एवं मद्य निषेध की शपथ दिलाई जाएगी। इस दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया जाएगा।

मुरम के अवैध परिवहन में शामिल ट्रेक्टर ट्रॉली जप्त

हरदा, देशबन्धु। जिला खनिज अधिकारी आरपी कमलेश ने बताया कि गुरूवार को खनिज विभाग के दल ने हरदा से हंडिया रोड़ पर भ्रमण के दौरान बिना नम्बर के आयशर ट्रेक्टर द्वारा मुरम का अवैध परिवहन पाया गया, जिसे चालक गणेश पिता मोतीराम मराठा से जप्त कर थाना हंडिया तहसील हंडिया जिला हरदा मे खड़ा किया गया है। खनिज अधिकारी श्री कमलेश ने बताया कि प्रकरण में मध्य प्रदेश गौण खनिज नियमों के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

किसानों को डीएपी व एनपीके उर्वरक का वितरण जारी

हरदा, देशबन्धु। जिले में बुधवार को पी.पी.एल. कम्पनी का डीएपी 510 मैट्रिक टन तथा एनपीके 20:20:0:13 उर्वरक 415 मैट्रिक टन प्राप्त हुआ था। जिला विपणन अधिकारी हरदा योगेश मालवीय ने बताया कि इसमें से डीएपी उर्वरक सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से सुगमतापूर्वक गुरूवार को वितरण कराया गया। उर्वरक विक्रय केन्द्रों पर किसानों की सुविधा के लिये बेरिकेटिंग, छांव, पेयजल व बैठक व्यवस्था की गई, जिससे व्यवस्थित तरीके से किसानों को उर्वरक वितरण किया गया। श्री मालवीय ने बताया कि जिले के विपणन संघ के भण्डारण केन्द्रों व एम.पी. एग्रो के केन्द्र से 882 किसानों को एनपीके 20:20:0:13 उर्वरक तथा डीएपी उर्वरक सहकारी समितियों के माध्यम से सदस्य 780 किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होने बताया कि निजी विक्रेताओं द्वारा डीएपी उर्वरक 27 किसानों को वितरित किया गया है।

रोजगार मेला 20 नवम्बर को

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय, नर्मदापुरम द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए रोजगार मेला का आयोजन 20 नवम्बर को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस?था (द्वुझद्व) सिवनीमालवा जिला नर्मदापुरम में किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने उक्त जानकारी देते हुए कहा है कि रोजगार के इच्छुक युवक एवं युवतियां वेबसाइट पर अपना पंजीयन कर सकते है। रोजगार मेला में वर्धमान (बुदनी), ट्राइडेंट (बुदनी), नहर (मंडीदीप), ज़ील फौशन वेयर (धार), भास्कर प्राइवेट लिमिटेड (मंडीदीप), भारत फाइनेंशियल इनक्लूज़न, कौशल केंद्र जबलपुर, यशस्वी ऐकेडमी भोपाल, मदरसन कंपनी गुजरात, सम्हिता पी.एस.टी. इन्डस्ट्री, रिलायंस निप्पन लाईफ, प्रथम एजुकेशन भोपाल, भारतीय जीवन बीमा, नवकिसान बायोटेक, गोकलदास एक्सपोर्ट (भोपाल), एच.डी.एफ.सी. लाईफ, एस.बी.आई. लाईफ इंसोरेन्स, पुखराज, जिज्ञासा, एम.आई.सी, ऐक्सिस बैंक, आई.सी.आई.सी.आई बैंक, दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास योजना आदि कंपनियां उपस्थित रहेंगी।

हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान के रूप में मनाया जाएगा विश्व शौचालय दिवस

नर्मदापुरम, देशबन्धु। उप सचिव मध्यप्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल के निर्देशानुसार भारत सरकार, जल शक्ति मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग नई दिल्ली के निर्देशों के अनुरूप प्रतिवर्ष सुरक्षित , स्वचछ शौचालयों तक पहुंच और उपयोग तथा स्वच्छता पर जागरूकता बढाने के लिये 19 नवंबर को विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भी विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान प्रारंभ करने के निर्देश दिये गये हैं। तत?संबंध में मुख?य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम श्री सौजान सिंह रावत ने बताया कि विश्व शौचालय दिवस 19 नवंबर 2024 से 10 दिसंबर 2024 मानवाधिकार दिवस तक मनाया जाएगा। श्री रावत ने समस?त मुख?य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को निर्देश दिए है कि अभियान अवधि में एसबीएम अंतर्गत मुख्य रूप से कई कार्यक्रम एवं गतिविधियों को क्षेत्रांतर्गत की जाए, जिसमें द्व॥।रुके लिये पंजीकरण अभियान चलायें तथा सभी पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति आदेश वितरित कर शौचालय के निर्माण में तेजी लाने हेतु ग्राम स्तर पर शिविर आयोजित किये जाएं। ग्राम स्तर पर सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत शौचालय प्रतियोगिता तथा सर्वश्रेष्ठ सामुदायिक स्वच्छता परिसर प्रतियोगितायें आयोजित की जाएं तथा ब्लाक एवं जिला स्तर पर विजेताओं को सम्मानित किया जाए। अभियान को प्रभावी बनाने में आवश्यक अभिसरण सुनिश्चित करने के लिये लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी/स्कूल शिक्षा/महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय किया जावे यह सुनिश्चित किया जावे कि सभी आंगनवाडी सेंटर, विद्यालय परिसर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रियाशील शौचालय हों एवं उनका रख रखाव हो। समस्त सामुदायिक स्वच्छता परिसरों में नल जल से जल आपूर्ति की व्यवस्था हो जिससे उनकी उपयोगिता सुनिश्चित हो।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

जिला कांग्रेस कार्यालय मे मनाई पंडित नेहरू की जयंती

हरदा, देशबन्धु। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम पटेल और उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नेहरू जी के चित्र पर माल्यार्पण कर

उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओम पटेल ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू का जीवन और उनकी सोच आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान और स्वतंत्र भारत के निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उनके नेतृत्व में देश ने आधुनिक भारत की नींव रखी, जिसमें विज्ञान, शिक्षा, उद्योग और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को प्राथमिकता दी गई। कार्यक्रम में अमर रोचलानी, गगन अग्रवाल, संजय पांडेय सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

विधायक ने इमली ढाना डैम का औचक निरीक्षण किया

हरदा, देशबन्धु। हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने ने अपने क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान इमली ढाना डैम पहुंचकर डैम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया निरीक्षण में पाया गया कि डेम गाद भरी होने के कारण ग्राम जटपुरा, सांगवा, सोनपुरा कडोला के किसानों को पर्याप्त पानी नही

मिल रहा है। इस हेतु गर्मी के मौसम में जब डेम में पानी कम हो तब गाद निकालकर डेम की गहराई बढाई जावे। जिससे डेम में अधिक पानी का संग्रहण किया जा सके और किसानों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिल सके साथ डेम के किनारे पर्यटन स्थल बनाने, नहरों की आर.सी.सी. लाईनिंग कराये जाने व किसानों को पानी देने के लिए वाटर कोस का निर्माण कार्य कराये जाने हेतु मौके पर उपस्थित जल संसाधन विभाग के एस.डी.ओ. सुदीप निसौद, इंजिनियिर अनूप पाठे एवं दूरभाष पर जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री डी.के सिंह को निर्देशित किया गया। इस दौरान हरदा विधायक डॉ. दोगने के साथ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शंकर सिंह सोलंकी, कांग्रेस नेता अनिल सूरमा, बजरंग पटेल, जितेन्द्र राजपूत, रामदास भायरे, पूनम यादव सहित अन्य ग्रामिणजन उपस्थित थे।

किसानों को डीएपी व एनपीके उर्वरक का वितरण जारी

हरदा, देशबन्धु। जिले में बुधवार को पी.पी.एल. कम्पनी का डीएपी 510 मैट्रिक टन तथा एनपीके 20:20:0:13 उर्वरक 415 मैट्रिक टन प्राप्त हुआ था। जिला विपणन अधिकारी हरदा योगेश मालवीय ने बताया कि इसमें से डीएपी उर्वरक सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से सुगमतापूर्वक गुरूवार को वितरण कराया गया। उर्वरक विक्रय केन्द्रों पर किसानों की सुविधा के लिये बेरिकेटिंग, छांव, पेयजल व बैठक व्यवस्था की गई, जिससे व्यवस्थित तरीके से किसानों को उर्वरक वितरण किया गया। श्री मालवीय ने बताया कि जिले के विपणन संघ के भण्डारण केन्द्रों व एम.पी. एग्रो के केन्द्र से 882 किसानों को एनपीके 20:20:0:13 उर्वरक तथा डीएपी उर्वरक सहकारी समितियों के माध्यम से सदस्य किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होने बताया कि निजी विक्रेताओं द्वारा डीएपी उर्वरक 27 किसानों को वितरित किया गया है।

बीएचआरसी की टीम देगी जिला अस्पताल में निश्शुल्क सेवाएं

हरदा, देशबन्धु। बघेल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की टीम अब नियमित रूप से हरदा के शासकीय जिला अस्पताल में निश्शुल्क सेवा प्रदान करेगी। हृदय रोग की सुपर स्पेशलिस्ट डॉ शैली माहेश्वरी राठी तथा हड्डी, जोड़ रोग एवं प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ अंशुम राठी प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक मरीज को परामर्श प्रदान करेंगे। इसके अलावा इमरजेंसी में भी अपनी नि:शुल्क सेवाएं देने के लिए उपलब्ध रहेंगे। इससे जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को त्वरित इलाज की सुविधा प्रदान होगी। साथ ही जो मरीज आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण जोड़ रोग, हड्डी रोग, हृदय रोग, सांस की तकलीफ, थायराइड, मधुमेह आदि गंभीर बीमारियों का इलाज समय पर नहीं ले पाते हैं उनके लिए बीएचआरसी ग्रुप की यह सेवा वरदान साबित होगी। बीएचआरसी ग्रुप सेवा कार्यों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाता है। इस ग्रुप की चिकित्सक टीम हरदा, नर्मदापुरम, भोपाल जिले व आसपास के क्षेत्रों में समय-समय पर निश्शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही है।

ज्ञान गंगा स्कूल में मनाया बाल दिवस

हरदा, देशबन्धु। ज्ञान गंगा हायर सेकेंडरी इंग्लिश मीडियम स्कूल में गुरुवार को स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म दिवस (बाल दिवस) धूमधाम से मनाया। जिसमें सर्वप्रथम चाचा नेहरू व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया । तत्पश्चात बच्चों ने सांस्कृतिक नृत्य व गायन प्रस्तुत किया । तत्पश्चात प्राचार्य अर्जुन सिंह चौहान ने चाचा नेहरू का जीवन परिचय व उनके कार्यों के बारे में सभी को बताया। अंत में सभी बच्चों को टॉफी वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

नर्मदापुरम, शुक्रवार 15 नवम्बर 2024

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

छात्रों की मांग और सत्ता की हठधर्मी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चार दिनों के आंदोलन के बाद आखिरकार छात्रों की जीत हुई है। उत्तरप्रदेश लोकसेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने एक ही पाली में परीक्षाएं करवाने की छात्रों की मांग अब मान ली है। गौरतलब है कि इस समय योगी सरकार का पूरा ध्यान, संसाधन और ऊर्जा प्रयागराज में अगले साल की 13 जनवरी से प्रारम्भ होने जा रहे कुम्भ मेले की तैयारियों पर लगी हुई है लेकिन उसी कुम्भ नगरी की सड़कों पर लाखों अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग (यूपीपीएससी), रिव्यू ऑफिसर (आरओ) एवं असिस्टेंट रिव्यू ऑफिसर (एआरओ) की प्रारम्भिक परीक्षाएं एक ही दिन कराये जाने की मांग को लेकर लाठियां झेल रहे थे। चार दिनों तक प्रयागराज में बवाल रहा लेकिन राज्य सरकार के पास इन छात्रों और अभ्यर्थियों की बात सुनने का समय पहले शायद नहीं था। पुलिस और छात्रों के बीच नोक-झोंक जारी रही तथा पुलिस ने गिरफ्तारियां भी कीं। छात्रों ने उप्र लोकसेवा आयोग के स्टेनली रोड (प्रयागराज-लखनऊ मार्ग) पर स्थित मुख्य कार्यालय का तीन तरफा घेराव किया था। राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार को अनेक विपक्षी दलों के नेता आंदोलनकारियों से बातचीत कर मांग स्वीकार करने की सलाह दे चुके थे परन्तु प्रदेश सरकार आंखें मूंदे बैठी रही।

दो दिन की परीक्षाओं में एक ही पद के लिये अलग-अलग शिफ्टों में शरीक होने वाले परीक्षार्थियों को अलग-अलग प्रश्न पत्र दिये जायेंगे, इस व्यवस्था को छात्र स्वीकार नहीं कर रहे थे। यह व्यवस्था पहली बार की जा रही है। हालांकि एक जैसे मूल्यांकन हेतु आयोग ने मानकीकरण (नॉर्मलाइजेशन) करने की बात कही है परन्तु यह स्पष्ट नहीं था कि प्रणाली कैसे काम करेगी। अभ्यर्थियों को अंदेशा था कि यह व्यवस्था असुविधापूर्ण होगी जिसमें चयन संयोग पर अधिक निर्भर करेगा। आंदोलन में शामिल छात्र-युवा एक ही दिन में एक जैसे प्रश्न पत्र के माध्यम से परीक्षाएं पूरी कराने की मांग कर रहे थे ताकि निष्पक्ष व पारदर्शी मूल्यांकन हो। छात्रों का कहना था कि यूपीपीएससी तथा आरओ-एआरओ की परीक्षा एक ही दिन और एक शिफ्ट में होने से उन्हें तैयारियों के लिये ज्यादा समय मिलेगा तथा प्रक्रिया भी सरल होगी।

बेहतर यही होता कि छात्रों की मांग सरकार अविलम्ब स्वीकार कर लेती ताकि इस बड़े विवाद से बचा जा सकता था। लेकिन सरकार ने हठधर्मिता दिखाई, जिससे टकराव का रास्ता बना। गुरुवार की सुबह छात्रों की पुलिस से झड़पें हुई। सादी वर्दी में तैनात पुलिसकर्मी जब आंदोलनकारियों को उठाने पहुंचे तो वे भड़क गये। उनका मानना है कि वे शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे हैं जो उनका संवैधानिक हक है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्राओं तथा महिला अभ्यर्थियों के साथ पुलिस वालों ने बदसलूकी की। 'वन डे वन शिफ्ट' की मांग कर रहे छात्रों से पूरे दिन झड़पें बदस्तूर जारी रहीं जैसी कि हफ्ते के पहले दिन से हो रही हैं। दिनों-दिन इनकी संख्या बढ़ती जा रही है लेकिन आयोग ने उन्हें या उनके प्रतिनिधियों से बात करना तक मुनासिब नहीं समझा है। आंदोलन खत्म न होता हुआ देख पुलिस ने कुछ छात्रों को हिरासत में लिया जिससे तनाव और बढ़ गया। छात्रों ने पुलिस के लगाये कई बैरिकेड्स तोड़ दिये। पुलिस का कहना है कि असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया गया है, न कि अभ्यर्थियों को। मंगलवार को होर्डिंग तोड़ने के आरोप में पहले 12 और फिर 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इससे भी छात्र बेहद नाराज़ हैं।

प्रशासन का कहना है कि स्थिति न बिगड़े तथा आमजनों की सुरक्षा के लिये बल तैनात किया गया है। प्रशासन के इस बयान के ठीक विपरीत पुलिस का रवैया आक्रामक नज़र आ रहा था। गुरुवार को उसने आंदोलनकारियों को घसीटना शुरू कर दिया। आशुतोष पांडेय नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया जो उस वक्त आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। कई छात्राएं भी घसीटी गयीं। उनका आरोप है कि महिला पुलिसकर्मियों की बजाये पुरुष सिपाहियों ने ही उन्हें घसीटा। कई छात्राओं का आरोप है कि उनके साथ बदसलूकी की गयी। एक दिव्यांग छात्रा की बैसाखियां तक पुलिस उठाकर ले गयी।

मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने इसे लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा है कि छात्रों पर हो रहे अत्याचारों से आगामी चुनाव में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही सरकार के लौटने का रास्ता बन्द हो गया है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा दहाई के अंकों में सिमट जायेगी। उनके अनुसार हर विधानसभा क्षेत्र में इसके कारण भाजपा के 25-25 हजार वोट कटने जा रहे हैं। उन्होंने भाजपा की सरकार को 'हृदयहीन' बतलाया। आम आदमी पार्टी ने भी इस मामले में राज्य सरकार की निंदा की है और आंदोलन के प्रति समर्थन जताया है।

इसे लेकर राजनीतिक बयानबाजी अपनी जगह पर है परन्तु यह तो सच है कि भाजपा सरकार 'नौकरी विरोधी' साबित हुई है। उप्र इस मामले में कुख्यात है जहां कई परीक्षाएं परचे लीक होने के कारण ऐन वक्त पर रद्द कर दी जाती हैं। इन राज्यों में अनेक ऐसे विभाग हैं जिनमें बड़ी संख्या में पद रिक्त पड़े हैं। वर्षों से बैकलॉग बना रहता है। यह भी कहा जाता है कि यह राज्य सरकार का पैसा कमाने का एक ज़रिया बन गया है। छोटी से छोटी पोस्ट के लिये भी बड़ी तादाद में बेरोजगार लोग आवेदन भरते हैं। इसके साथ उनसे परीक्षा शुल्क लिया जाता है। यह राशि करोड़ों रुपयों में होती है।

प्रयागराज में चार दिनों तक चले आंदोलन को देखते हुए कह सकते हैं कि सरकार ने एक अनावश्यक प्रयोग किया। जो व्यवस्था छात्रों के लिये सुविधायुक्त हो उसके अनुसार परीक्षाएं आयोजित होनी चाहिए। गनीमत है कि यह आंदोलन लंबा खिंचता और छात्रों के साथ सरकार का टकराव बढ़ता, इससे पहले गुरुवार शाम को फैसला ले लिया गया कि परीक्षाएं एक साथ ही आयोजित होंगी। संभवतः चुनावी नुकसान का आंकलन कर सरकार ने यह फैसला लिया, लेकिन यह तथ्य विचारणीय है कि लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य से जुड़े फैसले लेने में यह अदूरदर्शिता क्यों दिखाई गई और क्या आईंदा सरकारें ऐसे फैसले लेने से पहले भली-भांति विचार करेंगी या केवल सत्ता की हनक दिखाई जाएगी।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा और पंडित जवाहरलाल नेहरू

महान क्रांतिकारी, देश के पहले प्रधानमंत्री, शांतिदूत, चिंतक एवं लेखक पंडित जवाहरलाल नेहरू का 14 नवंबर को जन्मदिन होता है। उनके जन्मदिन पर उन्हें हम याद करते हैं।

परम्परा के अनुसार दुनिया में अपने पुरखों को याद किया जाता है। हमारे पुरखे कैसे भी हों हम उन्हें याद करते हैं। एक चपरासी का पुत्र यदि आईएएस बन जाता है तो उसका सारा श्रेय वह अपने पिता को देता है। दूसरे देशों में भी यह परम्परा कायम है। चीन में भले ही कम्युनिस्ट क्रांति हुई हो और कम्युनिस्टों का राज आ गया हो फिर भी वहां सुन यात-सेन को याद किया जाता है। क्यूबा में फिडेलकेस्ट्रो अपने देश के अनेक क्रांतिकारियों को याद करते हैं। मैंने स्वयं अपनी क्यूबा यात्रा के दौरान केस्ट्रो को वहां के पूर्वजों को याद करते सुना है। अमेरिका में वहां के राष्ट्र की स्थापना करने वाले वाशिंगटन को अमेरिका की क्रांति के दिवस पर याद किया जाता है। अमेरिका ने उन्हें सबसे बड़ी श्रद्धांजलि अपनी राजधानी को उनके नाम पर रखकर दी है। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डी.सी. है। परन्तु यह दुःखद स्थिति है कि देश के अधिसंख्य अखबार 14 नवंबर को जवाहरलाल नेहरू को याद नहीं करते हैं।

उन्हें श्रद्धांजलि के रूप में यहां प्रस्तुत है उनके द्वारा हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे झंडे के सम्मान में संविधान सभा में दिये गये भाषण के अंश। हमारे देश का झंडा कैसा हो, उस झंडे के पीछे कौन सा विचार है, उसका इतिहास क्या है। इस पर संविधान सभा में लंबी बहस हुई थी। बहस की शुरूआत पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी। नेहरू जी ने इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश किया था।

अपने भाषण की शुरूआत करते हुए उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस संबंध में प्रस्ताव पेश करने को कहा गया है। प्रस्ताव इस प्रकार था- हमारे देश के झंडे का स्वरूप क्या होगा? इसमें कौनसे रंग डाले जायेंगे। यह हमें तय करना है। इस संबंध में उन्होंने विस्तृत प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव पर चर्चा प्रारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव बहुत ही सादा है। इसमें न तो कोई चमक है और न ही कोई अन्य गर्माहट। परंतु मुझे पूरा विश्वास है कि इस संदर्भ में लोगों की क्या भावना होगी। परंतु मैं जानता हूँ कि इस झंडे का एक इतिहास है।

कभी-कभी यह लगता है कि इसके पीछे सदियों का इतिहास है। इस झंडे के पीछे इतिहास की अनेक करवटें हैं, विशेषकर पिछले 25 साल की। अनेक स्मृतियां मुझे झकझोर रही हैं। मैं और इस सदन में अनेक लोग यह महसूस करेंगे कि हमने इस झंडे को किस गर्व से और किस उत्साह से देखा। उसकी आवाज़ें आज भी हमारे कानों में सुनाई पड़ रही हैं। यह झंडा हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस सदन में ऐसे अनेक लोग हैं जो झंडे को अंत तक सम्हाले रहे। इस झंडे को सम्हालने वाले ऐसे अनेक लोग हैं जो हमारे बीच में अब नहीं रहे। जो इसे अंत तक सम्हाले रहे हैं और जो इसे सम्हाले हुए मौत से भी नहीं डरे। सच पूछा जाये तो इस झंडे का संघर्ष का इतिहास है। जिस संघर्ष के माध्यम से हम आज़ादी की कामना करते रहे और आज भी कर रहे हैं। इस झंडे को जब हम हाथ में लेते हैं तो हमें एक प्रकार की विजय महसूस होती है।

इस तरह मैं यह प्रस्ताव पेश कर रहा हूँ। मैं इस प्रस्ताव से इस झंडे की परिभाषा रख रहा हूं और वह परिभाषा क्या होनी चाहिए यह भी बता रहा हूँ। यह झंडा हमें बड़े से बड़ा बलिदान करने की प्रेरणा देता है। वैसे हम सब ने इस झंडे को तरह-तरह के दृष्टिकोण से देखा है। परंतु मैं यह कहने की स्थिति में हूं कि जब हमने इस झंडे का स्वरूप तय किया था तब वह हमें बहुत ही सुंदर लगा था। वैसे तो हर झंडा सुंदर होना चाहिए परंतु जब वह किसी देश की चेतना का प्रतीक होता है तो उसका सुंदर होना लाज़मी है।

इस झंडे के आसपास अनेक महत्वपूर्ण घटनाएं हुई हैं जिन्हें हम सदा याद करेंगे। इन घटनाओं के याद आते ही हम दुखी हो जाते हैं। यह झंडा हमें अंतिम मंजिल पाने की प्रेरणा देता है। शायद हम अपनी अंतिम मंजिल उस रूप में पैदा न कर पायें जिसकी हमने परिकल्पना की थी परंतु हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हम बहुत कम उन सपनों को साकार कर पाते हैं जो हमने देखे हैं। इस संदर्भ में हमें बहुत उदाहरण याद रहते हैं।

कुछ सालों पहले एक बड़ा युद्ध लड़ा गया था। उस युद्ध ने मानवता पर अनेक संकट लादे थे। कुछ राष्ट्र उस युद्ध के माध्यम से आज़ादी और लोकतंत्र हासिल करना चाहते थे। कुछ ने उस युद्ध के दौरान अपनी आज़ादी भी खोई और लोकतंत्र को भी खोया। उस युद्ध में ऐसे लोगों ने सफलता पाई जो आज़ादी और लोकतंत्र के हामी थे। परंतु कुछ समय बाद फिर दूसरा युद्ध चालू हो गया, जिसने फिर अनेक मुसीबतें मानवता पर लादीं। आज़ादी दुनिया के अनेक राष्ट्रों के लिए अभी भी दूर की मंजिल है। हम भी ऐसे ही राष्ट्रों में से हैं जिनके लिए आज भी आज़ादी दूर की मंजिल है। इसमें शर्म करने की जरूरत नहीं है क्योंकि अभी तक हमने जो हासिल किया है वह कम भी नहीं है। इसलिए ऐसे समय में यह उचित होगा कि जो कुछ हमने हासिल किया है उसके प्रतीक के रूप में हम इस झंडे को स्वीकार करें।

ऐसे अवसर पर हमें सोचना चाहिए कि आखिर आज़ादी क्या है? आज़ादी के लिए संघर्ष करने का अर्थ क्या है? मेरी मान्यता है कि आज़ादी उस समय तक जरूरी है जब हमारे देश में एक भी इंसान ऐसा हो जो अपने को आज़ाद अनुभव नहीं कर रहा हो। हमारे देश में तो क्या अगर दुनिया में भी अगर ऐसा इंसान है जिसे भूख का सामना कर पढ़ रहा हो, जिसे अपना शरीर ढंकने के लिए यथेष्ट कपड़े नहीं हों, जो इंसान की जीवन की कुछ महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को प्राप्त नहीं कर पा रहा हो, जिसके लिए प्रगति के दरवाजे अभी भी बंद हैं। यदि ऐसी स्थिति है तो उसे मैं आज़ादी नहीं मानूंगा। मैं सही आज़ादी उसे मानूंगा जब हमारी आने वाली पीढ़ियां ऐसा समाज हासिल कर सकें जिसमें वह सब प्राप्त हो जाये जिसका वर्णन मैंने किया है। या जिन्हें इस तरह की स्थितियाँ प्राप्त करने में कठिनाई महसूस न हो। वैसे मैं जानता हूं कि जो कुछ हम चाहते हैं उसे पूर्ण रूप से हासिल करना संभव नहीं है। परंतु हमें ऐसे अवसर बना देना चाहिए जिसमें वह सब प्राप्त कर सकें जिसे आज़ादी कहते हैं और जिसे लोकतंत्र कहते हैं।

हम एक ऐसे झंडे की कल्पना कर रहे हैं जो एक हद तक इंसान की महत्वाकांक्षा का प्रतिनिधित्व कर सके। इसलिए मैं सोचता हूं कि हमने जिस झंडे की कल्पना की है वह हमें वह सब हासिल करने की प्रेरणा देता है जो उसके जीवन को सुखद बनाता है। इंसान सिर्फ भौतिक चीजों से सुखी और संतुष्ट नहीं होता है। यद्यपि उनको हासिल करना भी महत्वपूर्ण है।

कोई भी राष्ट्र, हमारा राष्ट्र मिलाकर, जो भौतिक चीजों के साथ-साथ उन चीजों को भी हासिल करना चाहता है जो उसे आत्मिक सुख देता है। हम सदियों से इस तरह की चीजों को हासिल किये हुए हैं। हमने भले ही भौतिक चीजें हासिल न की हों, हम भले ही अत्यधिक दुखी वातावरण में रहे हों परंतु ऐसी स्थिति में भी हमने अपने सिर को ऊंचा रखा है और हमने अपने आदर्शों और उसूलों को बचाकर रखा है। हम जो यहां पर एकत्रित हुए हैं वे एक संक्रमण काल से गुजर कर एकत्रित हुए हैं और हम इस संक्रमण को महसूस भी कर रहे हैं। हम इस संक्रमण को सुखद भविष्य के रूप में परिवर्तित भी कर रहे हैं।

जैसा कि मैंने अपने भाषण के प्रारंभ में कहा था कि यह मेरा सुखद अधिकार है कि मुझे यह प्रस्ताव पेश करने का अवसर दिया गया है। मैं अब कुछ बातें इस झंडे के बारे में भी कहना चाहूंगा। इस झंडे और उस झंडे में जिसे हम पिछले कई वर्षों से लहराते रहे हैं थोड़ा अंतर है। वैसे इस झंडे के रंग भी वही हैं जो पहले झंडे में थे। पहले झंडे में चरखा था, जो आम आदमी के श्रम का प्रतीक था। जो हमें महात्मा गांधी के आदेश से प्राप्त हुआ था। इस झंडे में थोड़ा अंतर किया गया है। इस झंडे में चरखे के स्थान पर अब एक चक्र रखा गया है।

इस तरह हमने चरखे को पूरी तरह नहीं नकारा है। चरखे में चक्र होता था जिसे हमने इस झंडे में भी रखा है। परंतु किस तरह के चक्र को हमने रखा है? हमारे दिमाग में अनेक चक्र थे परंतु जो चक्र हमने रखा है वह हमें सम्राट अशोक की याद दिलाता है। उस अशोक का जिसका हमारे देश के इतिहास में अतिमहत्वपूर्ण स्थान है। न सिर्फ हमारे इतिहास में वरन दुनिया के इतिहास में भी। आज के समय में दुनिया आपसी बैर, आपसी लड़ाई, असहिष्णुता के दौर के गुज़र रही है। हमारी स्मृति भारत के उस काल की तरफ जाती है जब हम कुछ महत्वपूर्ण आदर्शों के प्रति समर्पित थे। शायद इन्हीं आदर्शों और सिद्धांतों के कारण हमारा देश और उसकी सभ्यता आज भी जीवित है। यदि हम उन आदर्शों में विश्वास नहीं रखते तो हमारा भारत कभी का मर जाता। हम उन आदर्शों को नये वातावरण में भी जिंदा रख सकें। इन्हीं के कारण हम दुनिया के देशों से अपना संबंध बनाये रखे हैं। इन्हीं के कारण भारत दुनिया का एक महत्वपूर्ण केन्द्र रहा। इन्हीं के कारण हम अपने सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों को दुनिया के कोने-कोने में भेजते रहे। यही हमारी ताकत रही है। इसके साथ ही हम दुनिया के अच्छे उसूलों को अपनाते रहे।

इसलिए मैंने अशोक के नाम का उल्लेख किया। सच पूछा जाये तो सम्राट अशोक का काल भारतीय इतिहास का एक महानतम काल था। यह ऐसा समय था जब भारत ने अपने दूतों को दूसरे देशों में उस रूप में नहीं भेजा जिस रूप में साम्राज्यवादी देश भेजा करते थे और भेजते हैं। हमारे राजदूत शांति, संस्कृति और सद्भावना का संदेश लेकर जाते थे। इसलिए जो झंडा मैं इस सदन को अर्पित कर रहा हूं वह एक साम्राज्य का झंडा नहीं है बल्कि आज़ादी का झंडा है। न सिर्फ हमारे लिए बल्कि दुनिया में रहने वाले हर इंसान के लिए है। इसलिए यह झंडा अब जहाँ भी जायेगा, जहां हमारे राजदूत रहेंगे, जहां हमारे जहाज जायेंगे वहां वे शांति का संदेश देंगे। दूसरे देशों से मैत्री का संदेश देंगे। यह झंडा यह संदेश देगा कि वह दुनिया के सभी देशों से मैत्री चाहता है।

एल.एस. हरदेनिया

श्रद्धांजलि के रूप में यहां प्रस्तुत है उनके द्वारा हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे झंडे के सम्मान में संविधान सभा में दिये गये भाषण के अंश। हमारे देश का झंडा कैसा हो, उस झंडे के पीछे कौन सा विचार है, उसका इतिहास क्या है। इस पर संविधान सभा में लंबी बहस हुई थी। बहस की शुरूआत पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी। नेहरू जी ने इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश किया था।

क्या टीडीपी वक्फ संशोधन विधेयक के मुद्दे पर मोदी सरकार से समर्थन वापस लेगी?

■ सुशील कुट्टी

चुनाव आते हैं और चले जाते हैं। ये भी बीत जायेंगे। जो आसानी से नहीं गुजरेगा, वह है वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर हंगामा। अगली बड़ी राजनीतिक लड़ाई तब होगी जब संयुक्त संसदीय समिति विधेयक को संसद में वापस भेजेगी। भारत भर में मुस्लिम समुदाय शीतकालीन सत्र के दौरान बड़े प्रदर्शन के लिए तैयार है और मुस्लिम संगठनों ने मोदी सरकार को बड़े पैमाने पर सड़कों पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

समुदाय के लिए, यह करो या मरो की स्थिति है। दोगुना चिंतित इसलिए क्योंकि ऐसा नहीं लगता कि मोदी सरकार प्रस्तावित संशोधनों पर पीछे हटेगी। मुफ्त कृषि बिल दिमाग में आते हैं। इन विधेयकों की तरह, जिन्हें किसानों के एक मूक बहुमत ने समर्थन दिया था, बड़ी संख्या में मुसलमान हैं जो वक्फ संशोधन विधेयक 2024 चाहते हैं, लेकिन वे मुसलमानों के एक बड़े वर्ग को चुनौती देने से सावधान हैं।

तीन कृषि विधेयकों पर लड़ाई तब खत्म हुई जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महीनों तक किसानों के विरोध और सरकार के अनिर्णय के बाद अपना धैर्य खो दिया। अंत में, 'मोदी है तो मुमकिन है' केवल एक नारा साबित हुआ, एक गुजरता हुआ विचार जिसे वाष्पित होने में अपना समय लगा। क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार भी दबाव में झुकेंगे?

तीन कृषि विधेयकों ने प्रधानमंत्री मोदी को कगार पर ला खड़ा किया। उन्होंने माफ़ी मांगी और विधेयक वापस ले लिये। स्ट्रीट वीटो मोदी की कमज़ोरी है। मोदी तब भी टूट गये जब भाजपा के पास अपने दम पर बहुमत था। आज, भाजपा '240' पर रुकी है और वर्तमान नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार नीतीश कुमार का जनता दल (यू) और एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी की दया पर है, जो दो मुख्यमंत्री 'धर्मनिरपेक्ष' और 'मुस्लिम-हितैषी' माने जाते हैं।

इन दोनों में से, टीडीपी के अपने रुख को संशोधित करने की अधिक संभावना है। टीडीपी के पास आंध्र प्रदेश विधानसभा में बहुमत है और उसे भाजपा या पवन कल्याण की जनसेना के समर्थन की आवश्यकता नहीं है। वास्तव में, टीडीपी वक्फ संशोधन विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेजे जाने का श्रेय मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को देती है। दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में जमात उलेमा-ए-हिंद द्वारा बुलाई गई मुसलमानों की एक बैठक में टीडीपी के एक वरिष्ठ नेता ने यह खुलासा किया।

टीडीपी नेता नवाब जान ने मुसलमानों की सभा को आश्वासन दिया कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू एक सुरक्षा कवच की तरह खड़े हैं और नायडू मुस्लिम हितों को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी विधेयक को पारित नहीं होने देंगे जिसमें कोई 'अगर' और 'मगर' नहीं है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के 'संविधान बचाओ सम्मेलन' में जान ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू की दो आंखें हैं - एक 'हिंदू' और दूसरी 'मुस्लिम' और नायडू कहते हैं कि एक आंख को नुकसान पहुंचाने से दूसरी आंख भी प्रभावित होती है।

जान ने नायडू के शासन में मुसलमानों को मिलने वाले लाभों को गिनाया। उन्होंने नायडू की 'धर्मनिरपेक्ष मानसिकता' की ओर इशारा किया और कहा कि नायडू के बिना, वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को संयुक्त संसदीय समिति के पास नहीं भेजा जाता। साथ ही, नायडू चाहते हैं कि मुस्लिम संस्थान में केवल उसी धर्म के लोग हों। जान ने यह कहकर खूब वाहवाही बटोरी कि 'हम सब कुछ बर्दाश्त करेंगे, लेकिन देश की एकता को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

लेकिन अब तक, जबकि वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन बड़े पैमाने पर सड़कों पर उतरने की धमकी दे रहे हैं, न तो चंद्रबाबू नायडू और न ही नीतीश कुमार ने इस मामले पर एक शब्द भी कहा है। मोहम्मद अदीब, जो कभी राज्यसभा सांसद थे, पिछले दिनों दिल्ली में एक मंच पर खड़े हुए और उन्होंने कहा, 'भारत मुसलमानों का बहुत बड़ा ऋणी है क्योंकि हमने भारत में रहना चुना और हमने ब्राह्मण जवाहरलाल को प्रधानमंत्री बनाया!'

अदीब, जो कांग्रेस में शामिल होने से पहले बीएसपी और समाजवादी पार्टी में थे और अब कुछ हद तक अलग-थलग हैं, ने कहा, 'अगर हमने जिन्ना की बात मान ली होती और चले गये होते, तो पाकिस्तान की सीमा लाहौर तक नहीं रुकती, बल्कि लखनऊ तक फैल जाती!' मुसलमानों की दिल्ली की इस बैठक में ऐसा लगा मानो अदीब 'आजादी' की घोषणा करने ही वाले थे।

वास्तविकता यह है कि समुदाय के लिए चीजें तब तक ठीक चल रही थीं, जब तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल अगस्त में 'सबसे खतरनाक' कानून, वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के साथ कठोर और तेज प्रहार नहीं किया। आरोप है कि प्रस्तावित संशोधनों से सरकार के लिए मस्जिदों और मदरसों पर कब्जा करना संभव हो जायेगा और यह संविधान के खिलाफ है।

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पेश किये जाने के बाद से अचानक बढ़ते वक्फ दावों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए जेपीसी बैठकें कर रही है और वक्फ हॉटस्पॉट की यात्रा कर रही है। विपक्ष अब तक मुस्लिम समुदाय के साथ मजबूती से खड़ा है, जो इन विपक्षी दलों का वोट बैंक है। महाराष्ट्र, झारखंड और उत्तर प्रदेश उपचुनावों के नतीजे टीडीपी और जेडी(यू) द्वारा भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को समर्थन जारी रखने पर असर डालेंगे। ऐसा लगता है कि टीडीपी मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को झटका देने के बारे में सबसे अधिक सोच रही है।

टीडीपी नेता नवाब जान ने मुसलमानों की सभा को आश्वासन दिया कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू एक सुरक्षा कवच की तरह खड़े हैं और नायडू मुस्लिम हितों को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी विधेयक को पारित नहीं होने देंगे जिसमें कोई 'अगर' और 'मगर' नहीं हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के 'संविधान बचाओ सम्मेलन' में जान ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू की दो आंखें हैं - एक 'हिंदू' और दूसरी 'मुस्लिम'

ललित सुरजन की कलम से

वर्ग विभेद की भाषा व योजनाएं

'प्रधानमंत्री अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान फेसबुक के कार्पोरेट दफ्तर में गए। यह बात भी कुछ समझ नहीं पड़ी। प्रधानमंत्री की भेंट यात्रा उन दिनों हुई जब भारत में भी नेट निरपेक्षता पर गर्मागरम बहस छिड़ी हुई है। यह तथ्य सामने आया है कि फेसबुक के मालिक मार्क जूकरबर्ग नेट निरपेक्षता की अवधारणा को सिरे से खत्म कर एकाधिकार स्थापित करने के प्रयत्नों में जुटे हुए हैं। किसी भी देश के शासन प्रमुख को ऐसे मामलों में सतर्क व सावधान रहकर ही दोस्ती का हाथ आगे बढ़ाना चाहिए। फेसबुक भारत में पहले से ही अच्छा खासा व्यवसाय कर रही है, लेकिन वह हमारे यहां नेट आधारित सेवाओं पर एकाधिकार जमाना चाहे तो उसका समर्थन कैसा किया जा सकता है तथा उसमें प्रधानमंत्री की परोक्ष सहमति का लेशमात्र संदेह भी क्यों हो? अभी प्रधानमंत्री ने एक के बाद एक जो योजनाएं शुरु की हैं उनमें से भी कुछ के बारे में यह प्रश्न उठता है कि क्या इनसे सचमुच देश का विकास होगा व इनका असली मकसद क्या है?'

'स्टार्ट अप इंडिया एक ऐसा ही कार्यक्रम है जिसको लेकर मैं बहुत आश्वस्त नहीं हूं। एक तो इस योजना का लाभ मुख्यरूप से देश के अभिजात शिक्षण संस्थानों यथा आईआईटी अथवा आईआईएम से निकले युवा ही उठा पाएंगे। दूसरे, निजी क्षेत्र के निवेशक पहले से यह काम कर रहे हैं। सरकार को उसमें जाने की आवश्यकता नहीं थी। तीसरे, इसमें रोजगार के बहुत अधिक अवसर पैदा होने की गुंजाइश नहीं दिखती। दूसरे शब्दों में भारत के उन अधिसंख्यक युवाओं के लिए स्टार्ट अप इंडिया का कोई मतलब नहीं है जो अपने प्रदेश के किसी सामान्य विश्वविद्यालय की डिग्री हाथ में लिए रोजगार तलाश रहे हैं और जो दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी तक बन जाने का अवसर पाने के लिए मारे-मारे यहां से वहां फिरते हैं। आप कहेंगे कि इनके लिए मुद्रा बैंक है तो फिर उन बैंक मैनेजरों से जाकर पूछिए जो इन्हें ऋण देने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं। मतलब फिर वही खाई बढ़ने की आशंका यहां भी है।'

(देशबन्धु में 28 जनवरी 2016 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2016/01/blog-post_28.html

प्रकाश पर्व

कलतारण गुरु नानक आया

गीता में कहा गया है- जब जब होता नाश धर्म का और पाप बढ़ जाता है। तब लेते अवतार प्रभु, विश्व शांति पाता है। कुछ इसी तरह के हालात गुरु नानक जी के आगमन के पहले इस देश का था।

कलिकाती राजे कसाई धर्म पंख कर उड़रिया,
कूड़ अमावस सच चंद्रमा दीयै नाहीं कै चढ़िया।

मानवता की त्राहि त्राहि की पुकार सुनकर ही प्रभु परमात्मा ने गुरु नानक को इस धरा पर भेजा-

सुनी पुकार दातार प्रभु गुरु, जग माहि पठाइआ।

इस तरह माता तृप्ता पिता कालूचंद मेहता के गृहग्राम तलवंडी जो अब ननकाना साहिब जो कि पाकिस्तान में है। सन् 1469 में जन्म हुआ। गुरदास जी ने कहा था- सतगुरु नानक प्रगटिया मिटी धुंध जग चानन होआ। जिओ कर सूरज निकलिया, तारै छपे अंधेर पलोआ।।

अपने बचपन से ही आप प्रभु चिंतन में लीन रहते थे जब आपको जनेऊ पहनने के लिए पंडित हरदयाल को बुलाया गया तब आपने यह कहकर जनेऊ पहनने से इंकार कर दिया-

दया कपाह संतोख सूत जत गंडी सतलट।
ऐह जनेऊ जीअ का हई ता भांडे घत।।

इस तरह जब नानकजी सात वर्ष के हुए तो पंडित हरदयाल के पास पढ़ने भेजा गया तब गुरुदेव ने वर्णमाला के एक एक अक्षर का अर्थ समझा दिया। तब पंडित हरदयाल ने यह कहकर उन्हें उनके पिता के पास भेज दिया कि इन्होंने सारी पढ़ाई पहले से ही पढ़ा हुआ है। तब पिता ने उन्हें बीस रुपए देकर कहा मंडी से कुछ सौदा करो और व्यापार करो। तब गुरुदेवजी को रास्ते में साधुओं की टोली को भूखे प्यासे देखा तब कुछ रसद खरीदकर उन भूखे प्यासे साधुओं को भोजन कराया। घर आने पर पिता की डांट पड़ी किन्तु आज वही बीस रुपए का ब्याज सारे सिख समाज को मिल रहा है तभी से हर गुरुद्वारे में लंगर की प्रथा चली आ रही है। तब पिता ने उन्हें अपने दामाद के पास सुल्तानपुर लोधी भेज दिया कि उन्हें कहीं नौकरी लगवा दें और उनका मन लगा रहे। उनके जीजाजी जयराम ने नवाब दौलत खान लोधी के मोदी खाने में लगवा दिया जहां वे ईमानदारी से काम करते और जरूरतमंदों को मुफ्त में अनाज भी बांटा करते कि प्रभु परमात्मा सब आपका है। कुछ लोगों की शिकायत पर कि आपके दौलतखाने से अनाज लुटा रहा है। नवाब ने जांच कराई तो उलटे उन्हें गुरु नानक को 135 रुपए देने पड़े। यहीं सुल्तानपुर में ही बटाला की लड़की सुलखणी के साथ उनका विवाह हुआ। आपकी दो संतानें थीं एक श्रीचंद और बाबा लक्ष्मी दास। एक बार जब आप वेई नदीं में स्नान करने गए तब उन्होंने ऐसी डुबकी लगाई कि तीन दिनों तक बाहर नहीं निकले। अनेक धार्मिक स्थानों में जाकर अनेक लोगों से मिलकर भक्ति में लगाया। एक बार जगन्नाथपुरी में आरती गाकर सबको आश्चर्य में डाल दिया, मक्का शरीफ में वे काबा की तरफ पैर रखकर सो गए तब मौलवी ने उन्हें रोका तब नानकजी ने कहा कि आप मेरे पैर उधर रख दो जिधर खुदा न हो चारों तरफ उनके पैर घुमाने के बाद जिधर भी उनका पैर रखते मौलवी को खुदा ही दिखाई देते इस उन्होंने बता दिया कि खुदा हर जगह है।

आज गुरु नानक जी के प्रकाश पर्व में उनके बताए आदर्शों पर चलकर अपने नेक कमाई से दसबंध निकालक जरूरतमंदों, दीनदुखियों की मदद में खर्च करें तभी हमारा यह प्रकाश पर्व मनाना सार्थक होगा।

इंदर सिंह आहूजा

आपके पत्र

दलित वर्ग के प्रति समाज में सद्भाव की कमी

आजादी के 75 वर्ष बाद भी कर्नाटक राज्य के मांडया जिले में दलितों को प्रशासन की अनुमति के बाद भी मंदिर प्रवेश की अनुमति गांव के उच्च वर्ग के द्वारा नहीं दी जाती है. यह घटनाक्रम मांडया जिले के कालभैरवेश्वर मंदिर का है जहां पर पुलिस प्रशासन की निगरानी में दलितों ने मंदिर में प्रवेश किया था जिसके विरोध में उच्च जाति एक समुदाय द्वारा मंदिर की मूर्ति को ही उठाकर ले गए. जिस कारण क्षेत्रीय माहौल खराब हो गया था इसलिए पुलिस प्रशासन एवं पुलिस विभाग ने मंदिर की सुरक्षा और दलितों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम करने पड़े थे। स्थानीय शासन प्रशासन की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने उच्च वर्ग के लोगों को समझाया और बाद में सभी वर्गों के श्रद्धालुओं ने मिलकर मंदिर प्रवेश किया। यह घटनाक्रम दर्शाता है कि दलित वर्ग के प्रति समाज में सद्भाव की भारी कमी है. सरकार के नियम कानून एवं कोशिशों के बावजूद भी समाज में ऊंच-नीच की खाई जाति आधारित भेदभाव उत्पीड़न अत्याचार कम नहीं हो रही है। उत्तर भारत के राज्यों में यह स्थिति और भी भयानक है यहां पर मूंछ रखने, उच्च वर्ग के शिक्षक का पानी का मटका छूने, घोड़ी पर बैठने पर और दलित दूल्हे बारात निकलने पर जाति भेदभाव, जाति उत्पीड़न एवं जाति अत्याचार चरम पर है जिस पर रोकथाम सरकार के लिए चुनौती बनी हुई है।

यह स्थिति किसी भी देश के लिए उचित नहीं है। इस दिशा में सामाजिक कार्यकर्ताओं, समाजशास्त्रियों, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों एवं धर्म गुरुओं को आगे आकर बड़े स्तर पर काम करने होंगे। देश भर में जागरूकता अभियान चला कर इस समस्या को कम किया जा सकता है। यह केंद्र सरकार के ऊपर ज्यादा निर्भर करता है। हमारे धर्म गुरुओं को जरूर आगे आकर इस पर काम करना होगा जो कि देश भर में धर्म-कर्म और नैतिक शिक्षा पर प्रवचन देते हैं और श्रद्धालुओं की बात को मानते भी हैं। यह भी देखने में आया है कि चुनावी माहौल में सभी राजनीतिक दल संविधान एवं दलित सम्मान की बात करते हैं लेकिन वास्तविक धरातल पर देखा जाए तो ऐसा है नही है। इसका जीता-जागता उदाहरण कर्नाटक में देखने को मिला है।

वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

खेल जगत

विश्व कप के कारण खो-खो और मशहूर होगा: एमएस त्यागी

नई दिल्ली। भारत अगले साल जनवरी में पहली बार खो-खो विश्व कप की मेजबानी के लिए तैयार है। जमीनी स्तर पर काम कर चुके केकेएफआई के महासचिव एमएस त्यागी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि यह वैश्विक आयोजन खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एमएस त्यागी ने कहा कि विश्व कप किसी भी महासंघ के लिए बहुत बड़ी बात है। यह टूर्नामेंट देश में खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाने में बड़ी भूमिका निभाएगा। युवा पीढ़ी प्रेरित और प्रोत्साहित होगी। मुझे पूरा विश्वास है कि भारत में होने वाले विश्व कप की वजह से खो-खो और अधिक मशहूर होगा। त्यागी 1964 से इस खेल से जुड़े हुए हैं और उन्होंने आठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं खेली हैं। इसके अलावा, उन्होंने एनआईएस कोर्स में टॉप किया और उन्हें युवा मामले और खेल मंत्रालय में कोच के रूप में नियुक्त किया गया।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज जीतने उतरेगी टीम इंडिया

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 14 नवम्बर (देशबन्धु)। भारत के कप्तान सूर्य कुमार यादव बाएं हाथ के तिलक वर्मा के पहले टी 20 अंतरराष्ट्रीय शतक की बदौलत दक्षिण अफ्रीका से सेंचुरियन में बुधवार रात सेंचुरियन में बड़े

■ भारत को अपने कप्तान सूर्य व रिंकू से बड़ी पारी की आस
■ द.अफ्रीका पर जीत के साथ सीरीज दो-दो से ड्रॉ कराने का दबाव

स्कोर वाला तीसरा टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच 11 रन से जीत चार मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त लेने से बहुत खुश नजर आए। भारत की बुधवार देर रात जीत से यह निश्चित हो गया है वह अब चार मैचों की सीरीज हार नहीं सकता और दक्षिण अफ्रीका पर अब चौथा और आखिरी टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीत सीरीज ड्रॉ कराने का दबाव होगा।

वहीं भारत की निगाहें अब अपनी जीत के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए वांडरर्स (जोहान्सबर्ग) में शुक्रवार को चौथा और आखिरी टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच भी जीत चार मैचों की सीरीज 3-1 से जीतने पर लगी हैं। भारत ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका से पिछले पांच में से चार टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीते हैं और वह इस जीत के सिलसिले को आगे बढ़ाना चाहेगा। तिलक वर्मा ने दूसरे टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच में ग्वेका बहरा में कप्तान सूर्य कुमार यादव ने कहा था वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी खुद की क्षमता दिखाना चाहते हैं। मौजूदा सीरीज के शुरू के दो 20 मैचों में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए तिलक ने पहले मैच 18 गेंद में 30 और दूसरे में 20 गेंद में 20 रन बनाने के बाद तीसरे टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 56 गेंदों में सात छक्कों और आठ चौके अविजित 107 रन बनाकर खुद को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का सही हकदार साबित कर भारत को 11 रन से जीत के साथ सीरीज में 2-1 की बढ़त दिला दी । तिलक के साथ शुरू में दो मैचों में नाकाम रहने के बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आतिशी अर्धशतक जमा सूर्य कुमार ,यादव की अगुआई में टी 20 क्रिकेट में उनकी ब्रांड की आक्रामक और सकारात्मक क्रिकेट की बानगी पेश की।

तिलक वर्मा अब सीरीज के शुरू के तीनों मैचों में एक शतक सहित कुल सबसे ज्यादा 160 रन बनाकर सबसे आगे हैं जबकि पहले मैच में शतक जड़ने वाले भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन कुल एक शतक सहित 107 रन बना दूसरे और अभिषेक शर्मा तीसरे टी 20 में जड़े अर्धशतक सहित कुल 61 रन बना तीसरे स्थान पर है। भारत के कप्तान सूर्य कुमार यादव ने भले ही 21 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ कुल 27 रन बनाए हैं, लेकिन उन्होंने तीनों मैच में अपने उसी ब्रैंड की आक्रामक क्रिकेट खेली जिसकी वह चर्चा कर रहे हैं। भारत के दो बल्लेबाजों - तिलक और संजू सैमसन का मौजूदा सीरीज में शतक जड़ना और अभिषेक का अर्धशतक जड़ना बताता है कि टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेखौफ क्रिकेट खेली है। भारत मौजूदा टी 20 सीरीज के आखिरी मैच में अपने कप्तान सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या व रिंकू सिंह के साथ पहले मैच में शतक जड़ने के बाद अगले दो में खाता खोले बिना आउट होने वाले सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन जैसे शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से बड़ी पारी की आस करेगा। दक्षिण अफ्रीका की ओर से तेज गेंदबाज जेराल्ड कोइत्जी (कुल चार विकेट), येनसन(तीन विकेट) और सिमलेन ने तीन तीन विकेट चटकाए हैं। भारत के बल्लेबाजों की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने रफ्तार पर पलट कर वार उसकी धार अब तक कुंद करने में कामयाबी पाई ।झ भारत के लिए मौजूदा टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसके मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने दूसरे मैच में पांच विकेट चटकाने सहित शुरू के तीन मैचों में सबसे ज्यादा दस विकेट चटकाए हैं जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने शुरू के पहले पॉवरप्ले और आखिर के मारधाड़ वाले ओवर में गेंदबाजी के लिए बडा जिगरा दिखा तीसरे मैच में शुरू और फिर आखिरी ओवर में सही वक्त पर खतरनाक होते दिखते हेनरिक क्लासेन और येनसन (कुल 73 रन) के विकेट चटका भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। बीच के ओवर में मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के साथ लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने दक्षिण अफ्रीका के मिलकर दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन (कुल 68 रन) , ट्रस्टन स्टब्ज(कुल 70 रन) के क्रीज पर टिकने नहीं दिया।

नौजवान खिलाड़ियों ने बेखौफ क्रिकेट खेलने के संदेश को समझा : सूर्य कुमार यादव

भारत के कप्तान सूर्य कुमार ने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी टीम की जीत के बाद कहा, 'मैं अपनी टीम की इस जीत से बहुत खुश हूं। हमने टीम मीटिंग में जिस आक्रामक ब्रैंड की क्रिकेट खेलने की चर्चा की थी हमने वैसी ही क्रिकेट खेली। हमारी टीम के नौजवान खिलाड़ियों ने बेखौफ होकर क्रिकेट खेलने के संदेश और मंत्र को समझा। हमने अपनी टीम के नौजवान खिलाड़ियों को वैसे ही बेखौफ क्रिकेट को खेलने को कहा वे मैच में भी वैसा ही खुल कर खेले जैसे की वह नेट पर, अपनी फ्रेंचाइजी और अपने राज्य के लिए खेलते हैं। यदि बेखौफ होकर खेलने की कोशिश में कुछ पारियों में नाकाम भी हो जाते हैं ते भी खुद अपने खेल पर भरोसा कर आक्रामक क्रिकेट खेलना जारी रखे। आप कह सकते हैं टी 20 क्रिकेट का मिजाज ही आक्रामक होकर खेलना और मैदान पर इसी मंशा से उतरता है। मंशा से मतलब यही है कि आप मैदान पर उतरते ही एक रन के लिए दौड़ पड़ते हैं। जब मैं अपनी टीम के बल्लेबाजों को इस अंदाज में बल्लेबाजी करते देखता हूं तो इससे मेरा काम आसान हो जाता है और मेरा मानना है हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं।

टीम के लिए शतक जड़ने का यह सही वक्त था: तिलक वर्मा

मैन ऑफ द' मैच तिलक वर्मा ने कहा, 'मैच के आखिरी ओवर में कैच लपकने की कोशिश में सिर में लगी चोट अब ठीक है। रोशनी के बीच कैच लपकने की कोशिश की यह मुश्किल था मैं बुधवार रात अपनी टीम की जीत से खुश हूं। जहा तक मेरे पहले टी 20 अंतरराष्ट्रीय शतक की बात है तो यह मेरा सपना था और अपनी टीम के लिए शतक जड़ने का यह सही वक्त था। एक तरह से सीरीज का तीसरा मैच निर्णायक था। दबाव में मेरी यह बढ़िया पारी रही। इसका पूरा श्रेय टीम के कप्तान सूर्य कुमार यादव को जाता है। कप्तान ने मुझे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी का मौका दिया। मैच से पहले कप्तान सूर्य ने मुझसे कहा कि तुम तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करोगे और मैं इसके लिए कप्तान का आभारी हू। मैं अपनी बेसिक्स पर भरोसा का खुलकर बल्लेबाजी करना चाहता था। दबाव में मैंने खुद पर और बेसिक्स पर भरोसा किया। पिच शुरू में कुछ दोहरे उछाल वाली थी। जब अभिषेक आउट हुए तब नए बल्लेबाज के लिए बल्लेबाजी आसान नहीं थी। में एक भागीदारी क इंतजार कर रहा था और हम इसकी बाबत बात भी कर रहे थे। मैंने हमेशा अपनी बेसिक्स पर भरोसा किया है। हमारी भारतीय टीम का प्रबंधन हमेशा हर खिलाड़ी सकारात्मक सोच पर भरोसा करता है।

शमी का शानदार कमबैक, रणजी ट्रॉफी में बिखेरा जादू

इंदौर, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने करीब एक साल बाद क्रिकेट के मैदान पर दमदार वापसी की है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में यादगार वापसी करते हुए होलकर स्टेडियम में चार विकेट चटकाए जिससे बंगाल ने मध्य प्रदेश पर पहली पारी में बढ़त हासिल की। गुरुवार को 2018 के बाद से अपना पहला रणजी ट्रॉफी मैच खेल रहे 34 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अपनी क्लास, अनुभव और भरपूर आत्मविश्वास का नजारा दिखाया। उन्होंने 19 ओवर में (4-54) के शानदार स्पैल के साथ बंगाल के लिए अपनी छाप छोड़ी। पहले दिन एक भी विकेट नहीं चटकाने के बाद शमी ने दूसरे दिन जोरदार वापसी की। उन्होंने शुरुआत में ही मध्य प्रदेश के कप्तान शुभम शर्मा को महज आठ रन पर आउट कर दिया। शमी की पार्टनरशिप तोड़ने और लोअर ऑर्डर को ध्वस्त करने की क्षमता पूरी तरह से देखने को मिली। एक खतरनाक स्पैल में उन्होंने सारांश जैन को बोल्ड किया और इसके बाद कुमार कार्तिकेय और कुलवंत खेजरोलिया को भी पवेलियन का रास्ता दिखाया जिससे मेजबान टीम लड़खड़ा गई। अनुभवी तेज गेंदबाज के प्रदर्शन ने बंगाल को पहली पारी के बाद 61 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करने में मदद की, जिससे उनके अभियान की शुरुआत हुई।

बुमराह के अनोखे एक्शन से कैसे निपटा जाए : ख्वाजा

मेलबर्न, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का मानना है कि जसप्रीत बुमराह का अनोखा एक्शन शुरुआत में मुश्किल पैदा करता है। हालांकि एक बार आदत पड़ जाने के बाद उनका सामना करना आसान हो जाता है।

■ बहुत से गेंदबाज़ गेंद को पॉपिंग क्रीज़ के पास से रिलीज़ करते हैं, जबकि बुमराह का फ्रंट लेग थोड़ा आगे रहता है: उस्मान ख्वाजा

ख्वाजा ने अब तक बुमराह के खिलाफ सात टेस्ट पारियों में 155 गेंदों का सामना किया है और बिना आउट हुए 43 रन बनाए हैं। ख्वाजा ने फ़ॉक्स क्रिकेट से कहा कि जब आप पहली बार उनका सामना करते हैं, तो बस उनके एक्शन का अंतर होता है। यह एक अलग, अजीब तरह का एक्शन है, क्योंकि उनका रिलीज़ प्वाइंट अन्य गेंदबाज़ों से काफी अलग है। उनका रिलीज़ प्वाइंट थोड़ा ऊपर है। बहुत से गेंदबाज़ गेंद को पॉपिंग क्रीज़ के पास से रिलीज़ करते हैं, जबकि

बुमराह का फ्रंट लेग थोड़ा आगे रहता है, जिससे उनकी गेंद जल्दी बल्लेबाज़ों तक पहुंचती है। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन एक बार जब आप इस एक्शन के आदी हो जाते हैं, तो ठीक लगता है। मैंने उनके खिलाफ काफी खेला है। ऐसा नहीं कि वह मुझे पहली गेंद पर आउट नहीं कर सकते। कोई भी कर सकता है। लेकिन जब आप पहली बार उनका सामना करते हैं, तो वह कठिन होता है और फिर लय मिलते ही आसान हो जाता है। लेकिन वह फिर भी एक क्लास गेंदबाज हैं। ऑस्ट्रेलिया की तरफ़ नेथन मैकस्वीनी एक नए ओपनर होंगे और निचले क्रम के कुछ प्रमुख खिलाड़ी दबाव में हैं। ऐसे में भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज़ में ख्वाजा पर अच्छी शुरुआत की ज़िम्मेदारी होगी। ख्वाजा का मानना है कि भारतीय आक्रमण में सिर्फ बुमराह ही नहीं, बल्कि कई और अच्छे गेंदबाज़ हैं जिनसे सावधान रहने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि सभी बुमराह की बात करते हैं लेकिन भारत के पास वास्तव में कई अच्छे गेंदबाज़ हैं। मुझे लगता है कि मोहम्मद सिराज बहुत अच्छे गेंदबाज़ हैं। वह दाएं और बाएं दोनों हाथ के बल्लेबाज़ों के खिलाफ़ अच्छी गेंदबाज़ी करते हैं। जब मोहम्मद शमी फिट थे और खेल रहे थे, तो वह भी बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे थे, लेकिन उन्हें ज़्यादा महत्व नहीं दिया गया। इसके अलावा भारतीय टीम के पास अच्छे स्पिनर भी हैं, जो तेज़ गेंदबाज़ों का अच्छा साथ देते हैं। ख्वाजा ने कहा कि तो मेरे लिए यह सिर्फ बुमराह के बारे में नहीं है। मैं लगातार यह सोच रहा हूं कि बुमराह और बाक़ी के गेंदबाज़ों के खिलाफ कहां रन बनाया जाए। मैं यह बिल्कुल नहीं सोच रहा हूं कि वह मुझे किस तरह से आउट करने का प्रयास करेंगे।

नए सफर के लिए बेताब आशुतोष शर्मा

नई दिल्ली, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में पंजाब किंग्स के साथ अपने शानदार सीजन के बाद, मध्य प्रदेश के ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा नए सीजन और मेगा नीलामी को लेकर उत्साहित हैं। पिछले साल आईपीएल में डेब्यू करने वाले आशुतोष ने पंजाब किंग्स के लिए 11 मैच खेले। उन्होंने लोअर ऑर्डर में बल्लेबाजी की और टीम को जीत दिलाने के लिए कई धमाकेदार पारियां भी खेलीं। उन्होंने सीजन में 167.26 के स्ट्राइक रेट से 189 रन बनाए, जिसमें 15 सिक्स और 10 चौके शामिल हैं। सीजन की उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुल्लांपुर में आई, जब उन्होंने 28 गेंदों में 7 सिक्स और दो चौकों की मदद से 61 रन बनाए। पंजाब किंग्स के साथ 26 वर्षीय आशुतोष ने अच्छी यादें संजोई हैं और फ्रेंचाइजी के साथ अपने दिनों का भरपूर आनंद लिया है। आशुतोष ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा कि पंजाब किंग्स के साथ यह एक बहुत अच्छी यात्रा थी। सीईओ और प्रबंधन सहित उन्होंने मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया। मैंने पंजाब किंग्स में अपने दिनों का भरपूर लुत्फ उठाया।

सार संक्षेप

जालंधर में दिव्यांग इंडियन क्रिकेट लीग की शुरुआत

जालंधर। दिव्यांग इंडियन क्रिकेट लीग 2024 की शुरुआत गुरुवार से हो चुकी है। डेफ क्रिकेट फेडरेशन के साथ साझेदारी में आयोजित इस लीग में देश भर से कुल 120 दिव्यांग क्रिकेटर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। टूर्नामेंट गुरुवार को शुरू हुआ और इसका समापन 16 नवंबर को जालंधर स्थित पंजाब सशस्त्र पुलिस मैदान में होगा। लीग मैच दो श्रेणियों (सुनने में बाधित और दृष्टि बाधित) में आयोजित किए जाएंगे। जिसमें 90 सुनने में बाधित और 30 दृष्टि बाधित क्रिकेटर भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता में श्रीलंका और नेपाल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी शामिल होंगे।टूर्नामेंट में आठ टीमें शामिल हैं, जिनमें से छह सुनने में बाधित टीमें हैं। साइन स्मैशर्स, डेफ डिफेंडर, यूनिटी टाइगर्स, दिव्यांग वॉरियर्स, एम्पावर डेफ ईगल्स, डेफ डाइविंग स्ट्राइकर्स और दो दृष्टि बाधित टीमें - स्पेशल किंग्स और करेजियस टाइगर्स। टूर्नामेंट का उद्घाटन लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के उपाध्यक्ष अमन मित्तल ने कश्मीर सिंह आईपीएस की मौजूदगी में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में किया।

सहायक कोच के रूप में इंग्लैंड से जुड़ीं कोर्टनी विनफील्ड-हिल

नई दिल्ली। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा कि कोर्टनी विनफील्ड-हिल आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे और ऑस्ट्रेलिया में महिला एशेज 2025 के लिए सहायक कोच के रूप में इंग्लैंड कोचिंग सेट-अप में शामिल होंगी। 37 वर्षीय कोर्टनी वर्तमान में चल रही महिला बिग बैश लीग में ब्रिस्बेन हीट के साथ कोचिंग कर रही हैं और ऑस्ट्रेलिया में अपने वर्तमान कार्य के समापन के बाद दक्षिण अफ्रीका में इंग्लैंड टीम के साथ जुड़ेंगी। उन्होंने कहा कि मुझे इस सेट-अप का हिस्सा होने पर गर्व है। इंग्लैंड की टीमों के साथ काम करना अच्छा एहसास है, और मुझे लगता है कि ईसीबी ने मुझे एक कोच के रूप में विकसित करने में निवेश किया है। कोर्टनी ने एक बयान में कहा कि पिछले पांच वर्षों में घरेलू खेल का विकास शानदार रहा है।

पेरू के खिलाफ नई शुरुआत की कोशिश में रिकार्डो गारेका

सैंटियागो। चिली के मैनेजर रिकार्डो गारेका का मानना है कि शुक्रवार को पेरू के खिलाफ होने वाला फीफा विश्व कप क्वालीफायर मैच उनकी टीम के लिए एक नई शुरुआत होगी। चिली वर्तमान में 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में अंतिम स्थान पर है और उसे यूएसए, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्व कप 2026 में स्थान पाने की अपनी उम्मीदों को कायम रखने के लिए आगामी मुकाबले में हर हाल में जीतना होगा। गारेका ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि यह एक महत्वपूर्ण समय है और हमें जीतने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। मुझे पता है कि हम किसके लिए खेल रहे हैं और ये हम सभी जानते हैं। हमें परिणाम प्राप्त करने होंगे, हम बहुत चुनौतीपूर्ण स्थिति में हैं और पेरू भी ऐसा ही है। चिली के पास वर्तमान में 10 क्वालीफायर मैच में केवल पांच अंक हैं और वह नौवें स्थान पर मौजूद पेरू से एक अंक पीछे है।

जोश बर्ट एचआईएल 2024-25 के तकनीकी प्रतिनिधि तथा कॉलिन फ्रेंच अंपायर मैनेजर नियुक्त

नई दिल्ली, 14 नवम्बर (देशबन्धु)। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) ने जोश बर्ट हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 के संस्करण में तकनीकी प्रतिनिधि तथा कॉलिन फ्रेंच को बृहस्पतिवार को अंपायर मैनेजर नियुक्त किया। एचआईएल 2024-25 के संस्करण मेमें भारत के धुरंधर हॉकी खिलाड़ियों के साथ दुनिया भर के नामचीन खिलाड़ी शिरकत करेंगे। जोश बर्ट 2013 में पुरुष जूनियर विश्व कप , 2014 के यूथ ओलंपिक , 2015 और 2017 में हॉकी वर्ल्ड लग सेमीफाइनल, एफआईएच 2012 व 2018 चैंपियंस ट्रॉफी मे तकनीकी प्रतिनिधि रह चुके हैं। साथ बर्ट तीन ओलंपिक खेलों-रियो, टोक्यो और पेरिस 2014 में तकनीकी प्रतिनिधि रह चुक हैं। जोश ने कहा, 'एचआईएल 2024-25 के संस्करण में तकनीकी प्रतिनिधि नियुक्त किया जाना बहुत सम्मान की बात है। मैं यह जानकर गर्व महसूस कर रहा हूं कि हॉकी इंडिया और फ्रेंचाइजी ने इस खास आयोजन की सफलता के लिए मुझ पर भरोसा जताया। मेरी नेतृत्व क्षमता में भरोसा किया और इसके लिए मैं आभारी हुं।मैं पूरी एचआईएल में पेशेवर, निष्पक्ष और सत्यनिष्ठा के

'एचआईएल 2024-25 के संस्करण में तकनीकी प्रतिनिधि नियुक्त किया जाना बहुत सम्मान की बात है : जोश बर्ट

उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं एचआईएच का संचालन करने वाली तकनीकी टीम के अगुआ के रूप में मैं शपथ लेता हूं कि हर मैच का संचालन पूरी एकदम सटीक और निष्पक्षता के साथ किया जाएगा।' कॉलिन फ्रेंच ने अपना अतरराष्ट्रीय अंपायरिंग करियर 2013 में ओशनिया कप से शुरू किया और फर ट्रांस तस्मन टाजी, यूथ ओलंपिक एफआइएचल हॉकी प्रो लीग राष्ट्रमंडल खेल 2018 और 2022 तथा 2023 में पुरुष हॉकी विश्व कप में भी अंपायरिंग की। फ्रेंच ने कहा। 'मैं 2024-25हॉकी इंडिया लीग के लिए अंपायर्स मैनेजर नियुक्त किए जाने पर रोमांचित हूं। एचआईएल में भारत और दुनिया भर के कुछ बेहतरीन हॉकी खिलाड़ी, कोच और अधिकारी शिर'कत करेंगे।' हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के अध्यक्ष पूर्व हॉकी ओलंपियन दिलीप तिर्की ने कहा, 'हम जोश बर्ट को एचआईएल का तकनीकी प्रतिनिधि और कॉलिन फ्रेंच को अंपायर नियुक्त करने पर बेहद खुश है। बर्ट और फ्रेंच बेहद अनुभवी है और इनकी निगरानी में एचआईएल के मैच पूरी खेल भावना के साथ आयोजित किए जाएंगे।' पुरुष हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 28 दिसंबर से बिरसा मुंडा इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम, राउरकेला में शुरू होगी जबकि महिला एचआईएल 12 जनवरी से मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में शुरू होगी। पुरुष एचआईल दो चरणो में होगी। पुरुष एचआईएल का पहला चरण 28 दिसंबर से शुरू होगा और इसमें आठ टीमें एक दूसरे के खिलाफ एक एक बार 18 जनवरी तक खेलेंगी।

कुमामोटो मास्टर्स जापान में पीवी सिंधु की हार के साथ भारत का अभियान समाप्त

कुमामोटो (जापान), 14 नवम्बर (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु के लिए गुरुवार का दिन अच्छा नहीं रहा। कुमामोटो मास्टर्स जापान 2024 में एक बड़ी हार के साथ उनका सफर खत्म हो गया है। उन्हें दूसरे दौर के मुकाबले में कनाडा की मिशेल ली के खिलाफ

■ पहला गेम हारने के बाद मिशेल ने अंतिम दो गेम में जोरदार वापसी की और यह रोमांचक मुकाबला एक घंटे 15 मिनट तक चला।

21-17, 16-21, 17-21 से हार झेलनी पड़ी। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज सिंधु कनाडा की खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम जीतने के बाद मैच में अपनी लय कायम नहीं रख पाईं और विरोधी खिलाड़ी ने कमबैक करते हुए लगातार अगले दो गेम जीते। पहला गेम हारने के बाद मिशेल ने अंतिम दो गेम में जोरदार वापसी की और यह रोमांचक मुकाबला एक घंटे 15 मिनट तक चला। सिंधु ने दमदार शुरुआत की और पहला गेम 21-17 से अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों ने शानदार नियंत्रण और सटीकता दिखाई, लेकिन सिंधु ने अपने आक्रामक खेल का इस्तेमाल करते हुए पहले बढ़त बनाई। ब्रेक के बाद, उन्होंने दबाव बनाना जारी रखा और आखिरकार अपने चौथे गेम-पॉइंट पर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में मिशेल ने वापसी करते हुए तेज शॉट चयन के साथ जवाब दिया और मैच पर नियंत्रण रखते हुए 21-16 से

बराबरी की। इसके बाद मैच काफी रोमांचक हो गया।अंतिम गेम रोमांचक रहा, जिसमें सिंधु ने शुरुआत में 4-1 की बढ़त बनाई और इसे 11-9 तक जारी रखा। हालांकि, ली ने इसके बाद वापसी की और मैच के अंत में उन्होंने बढ़त हासिल करते हुए 21-17 से जीत हासिल की। यह केवल तीसरी बार है जब ली ने सिंधु को पिछले कुल 13 मुकाबले में हराया है।

बडौदा ने मेघालय को पारी और 261 रनों से हराया

विजयवाड़ा, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। सलामी बल्लेबाज ज्योत्सनील सिंह (121) और शाश्वत रावत (121) की शतकीय पारियों के बाद ऑफ स्पिनर महेश पिथिया और निनाद राठवा की शानदार गेंदबाजी के दम पर बडौदा ने गुरुवार को रणजी ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले में मेघालय को पारी और 261 रनों से हरा दिया है। मेघालय ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बडौदा के स्पिनर महेश पिथिया ने 25 रन देकर छह विकेट लेकर घातक गेंदबाजी की। बल्लेबाजी करने उतरी मेघालय की टीम पूरी टीम 36.5 ओवर में महज 103 के स्कोर पर समेट गयी। मेघालय की ओर से आकाश चौधरी ने सबसे अधिक (40) रन बनाये। उसके बाद अजय दुहान ने (20) और सुमित कुमार (12) रन बनाकर आउट हुये। शेष आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बडौदा के लिए महेश पिथिया ने छह, भार्गव भट्ट ने दो विकेट चटकाये। क्रुणाल पंड्या और निनाद राठवा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। उसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी बडौदा ने ज्योत्सनील सिंह (121) और शाश्वत रावत (121) रनों की शतकीय पारियों और मितेश पाटे (52) के अर्धशतक, शिवालिक शर्मा (42) और निनाद राठवा (नाबाद 33) के योगदान से 71.3 ओवर में 442 का बड़ा स्कोर खड़ा कर 339 रनों की बढ़त ले ली। मेघालय की ओर से बिजोन डे और दिप्पू संगमा ने तीन-तीन विकेट लिये। आकाश चौधरी, आर्यन बोरा, अजय दुहान और बालचंदर अनिरुद्ध ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मोनाको में नए बहु-वर्षीय सौदे के बाद फॉर्मूला 1 रेस जारी रहेगी

मोनाको, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। ऑटोमोबाइल क्लब

■ 2031 तक मोनाको की सड़कों पर फॉर्मूला 1 रेस आयोजित की जाती रहेंगी

ऑफ मोनाको (एसीएम) के साथ मौजूदा समझौते के छह साल के विस्तार के बाद, 2031 तक मोनाको की सड़कों पर फॉर्मूला 1 रेस आयोजित की जाती रहेंगी। 1950 में पहले फॉर्मूला 1 विश्व चैम्पियनशिप कैलेंडर का हिस्सा और 1955 से

मौजूद, मोनाको ग्रां प्री दुनिया के सबसे प्रसिद्ध खेल आयोजनों में से एक है और एफ़1 ड्राइवरों के लिए एकाग्रता और कौशल का अंतिम परीक्षण है। फर्नांडो अलोंसो, लुईस हैमिल्टन और मैक्स वर्स्टैपेन सभी ने सर्जियो पेरेज़ और गृहनगर के नायक चार्ल्स लेक्लर के साथ कई बार मोनाको ग्रां प्री जीता है - जिन्होंने इस साल इतिहास रच दिया जब वे एफ़1 इतिहास में ग्रां प्री जीतने वाले पहले मोनेगास्क बन गए। दुनिया भर में एफ़1 के महत्वपूर्ण विकास के साथ, मोनाको ग्रां प्री की अपील अभी भी महसूस की जा रही है। 2024 के सप्ताहांत को 70 मिलियन से अधिक प्रशंसकों ने देखा और यह अमेरिकी इतिहास में रेस का सबसे अधिक देखा जाने वाला संस्करण था, और अमेरिका में अब तक की तीसरी सबसे अधिक देखी जाने वाली एफ़1 रेस थी।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर आज होगा अटूट लंगर

बैतूल, देशबन्धु। सिख धर्म के प्रथम गुरु, गुरु नानक देव का 555वां प्रकाश पर्व आज हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। गुरुद्वारा गुरु सिंघ सभा और समूह गुरुनाम लेवा संगत के संयुक्त तत्वावधान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर संगत को गुरु का

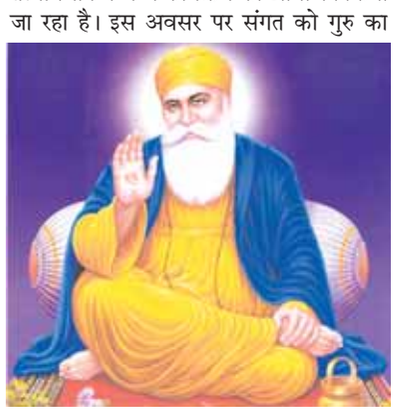

आशीर्वाद प्राप्त करने और सेवा में सम्मिलित होने का विशेष अवसर मिलेगा।

प्रात: 11ः30 बजे से दोपहर 2 बजे तक भाई अरविंदर सिंघ की अमृतवाणी के माध्यम से दीवान सजेगा, जिसमें संगत में आस्था और आध्यात्मिकता का अनुभव होगा। इसके बाद 1ः30 बजे से 5 बजे तक अटूट लंगर का आयोजन किया गया है, जिसमें जिले भर से हजारों लोग शामिल होंगे। संध्या 7ः30 बजे से रात 9 बजे तक भाई अरविंदर सिंघ कीर्तन करेंगे, जिसके बाद पुन: लंगर का आयोजन होगा। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने धर्मप्रेमी जनता से दोनों कार्यक्रमों में समय से पहुंचकर गुरु घर की खुशियों में शामिल होने का आग्रह किया है।

मोगली महोत्सव राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में महक ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

बैतूल, देशबन्धु। शासकीय कन्या शाला, भौरा की छात्रा महक बकोरिया ने मोगली महोत्सव के तहत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है।

इस महोत्सव में महक ने पहले जुलाई में स्कूल स्तर पर, फिर सितंबर में जिला स्तर पर और अंतत: नवंबर में राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अपनी विशिष्ट प्रतिभा से सबको प्रभावित किया। इस उपलब्धि पर महक को राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसमें उन्हें प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। महक बकोरिया ने अपनी सफलता के बारे में बताया कि मोगली महोत्सव के माध्यम से उन्हें वन्य जीवन, वन्य जीवों की आदतों और पर्यावरण के बारे में अनोखी जानकारी मिली। महक ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने शिक्षकों और परिवार को दिया, जिन्होंने उन्हें हमेशा प्रेरित किया और हर कदम पर साथ दिया।

कामथ में बगैर अनुमति पोकलेन और जेसीबी मशीन से हो रहा था उत्खनन

कई डंपरों के माध्यम से हो रहा था मुरम परिवहन, आरआई ने मौके पर पहुंचकर बनाया पंचनामा

मुलताई, देशबन्धु। मुलताई क्षेत्र अवैध उत्खनन का केंद्र बनता जा रहा है और मुलताई नगर के आसपास बड़ी मात्रा में अवैध उत्खनन अधिकारियों की जानकारी में हो रहा है। अनेक शिकायत के बावजूद भी उत्खनन करने वालो पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है, जिसके चलते अवैध उत्खनन करने वालो के हौसले बुलंद है।

हाल ही में नगर की सीमा से लगे ग्राम कामथ में बगैर अनुमति के बड़ी मात्रा में उत्खनन की जाने का मामला सामने आया है जिसमें चार डंपर एवं पोकलेन एवं जेसीबी मशीनों के माध्यम से लगभग 4 एकड़ भूमि के ऊपरी भाग मे 10 से 12 फीट से अधिक ऊंचे भाग को काटकर इससे निकलने वाले मुरम और मिट्टी का परिवहन किया जा रहा था जिसकी शिकायत ग्राम कामथ निवासी पूर्व सैनिक एवं सरपंच पति जीतू डहारे ने फोन के माध्यम से तहसीलदार से की। शिकायत के बाद तहसीलदार के आदेश से मौके पर पहुंचे राजस्व आरआई कमल परते ने मौके पर पहुंचकर खसरा क्रमांक 71/4 भूमि में उत्खनन और परिवहन का पंचनामा बनाकर जांच प्रतिवेदन तहसीलदार को सौंप दिया है। आरआई कमल परते ने अपने पांचनामें में लिखा है कि भूमि स्वामी जेसीबी मशीन एवं पोकलेन मशीन के द्वारा मचरम को खोद कर छिंदवाड़ा और मुलताई मार्ग से अपने खेत की रोड तक आने जाने के लिए मोरम डालकर रास्ता बना रहा है। मोरम का परिवहन डंपर के माध्यम से किया जा रहा है। कमल परते ने बताया कि उन्होंने पंचनामा और जांच प्रतिवेदन तहसीलदार को सौंप दिया है।

इधर भूमि स्वामी का कहना है कि वह अपने खेत में उत्खनन कर रहा है इसके लिए उसको कोई परमिशन की आवश्यकता नहीं है, जबकि जानकारों का मानना है कि 1 मीटर से अधिक खुदाई की स्थिति में भूमि स्वामियों को भी खनिज विभाग की अनुमति आवश्यक होती है और फिर यहां तो चार-चार डंपर और जेसीबी मशीन और पोकलेन के माध्यम से बड़े स्तर पर उत्खनन किया जा रहा था और इसकी सूचना तक स्थानीय तहसीलदार या एसडीएम को आवेदन तक लगाकर नहीं दी गई थी।

इनका कहना

अपने खेत में खुदाई के लिए कैसी परमिशन

अपने भूमि में उत्खनन कर रहा है और स्वयं की भूमि में उत्खनन या उपयोग करने के लिए उसे किसी भी अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

- आशीष डहारे , भूमि स्वामी

कामथ मे उत्खनन की शिकायत मिलने पर राजस्व अमला मौके पर पहुंचा था। उत्खनन कर्ता के पास किसी प्रकार की अनुमति नहीं थी। उत्खनन भूमि के मूल्यांकन और कार्रवाई हेतु खनिज विभाग को लिखा गया है।

- अनामिका सिंह, तहसीलदार मुलताई

कांग्रेस नेताओं ने पंडित नेहरू के योगदान को किया याद

बैतूल, देशबन्धु। आधुनिक भारत के शिल्पकार एवं भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर जिला कांग्रेस ने बैतूल के नेहरू पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पंडित

नेहरू के योगदान को याद करते हुए उनकी शिक्षाओं और आदर्शों को प्रेरणास्त्रोत बताया।

कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस महासचिव रामू टेकाम ने कहा कि पंडित नेहरू ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आधुनिक भारत की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने भारत को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और विकास की दिशा में अग्रसर किया, जिसके कारण आज देश विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। टेकाम ने कहा कि नेहरू जी का सपना एक आत्मनिर्भर और उन्नत भारत का था, जिसके लिए उन्होंने आजीवन संघर्ष किया। संभागीय प्रवक्ता हेमंत पगारिया ने भी पंडित नेहरू के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी विचारधारा और नेतृत्व ने देश को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई एवं देश में औद्योगिक विकास के साथ देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर किया । पगारिया ने कहा कि पंडित नेहरू के आदर्श आज भी कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों में झलकते हैं और उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आदिवासी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में उनकी महती भूमिका रही और अंग्रेजो ने उन्हे लगभग दस वर्ष जेल में रखा। और भारत निर्माण में उनके प्रयास को भुलाया नही जा सकता। उनके दूरदर्शी प्रयास से ही आज देश समृद्ध होने की दिशा में अग्रसर है। इस अवसर पर बच्चों के बीच चॉकलेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में प्रदेश कांग्रेस महामंत्री रामू टेकाम, संभागीय प्रवक्ता हेमंत पगारिया, आदिवासी कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश काकोड़िया, सुनील जेधे, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष जैद खान, राजू गायकी, संजय साहू, प्रतीक देशमुख, सेंटी वाधमारे, राहुल भाई, अन्नू गुबरेले, चंद्रभान बड़ौदे सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

नगर की सांस्कृतिक धरोहर कहा जाने वाला ताप्ती मेला आज से

कार्तिक पूर्णिमा पर हजारों श्रद्धालु लगाएंगे ताप्ती सरोवर में आस्था की डुबकी

मुलताई, देशबन्धु। मां ताप्ती के पवित्र नगर में प्रतिवर्ष लगने वाला ताप्ती मेला, मेला मात्र न होकर नगर की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर भी है, जिसकी अपनी धार्मिक और पौराणिक महत्ता है। ताप्ती मेले की तैयारिया पूर्ण हो गई है और आज से इसका प्रारंभ होगा।

कार्तिक पूर्णिमा से प्रारंभ होकर एक माह तक चलने वाला यह ताप्ती मेला गुजरती सदियों और बदलते नगर, मठ, मंदिरो के स्वरूप का गवाह भी रहा है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर संपूर्ण जिले सहित दूसरे प्रदेशों विशेष तौर से महाराष्ट्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां ताप्ती के पवित्र सरोवर में स्नान करने के लिए ताप्ती तट पहुंचते हैं। इस वर्ष गुरुवार शाम से ही ताप्ती स्नान के लिए श्रद्धालुओं का ताप्ती तट पहुंचाना शुरू हो चुका था, सैकड़ो श्रद्धालु देर रात में ही मुलताई पहुंच चुके थे। माना जाता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर ताप्ती स्नान करने से समस्त कष्टो का निवारण हो जाता है और असीम पुण्य की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर दूर-दूर से लोग मां ताप्ती स्नान एवं दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं ताप्ती मेला अत्यंत प्राचीन मेलों में से एक है, इसका प्रारंभ कब हुआ यह कहना अत्यंत कठिन है, किंतु ताप्ती मेला समाप्ति के बाद ही जिले मे अन्य मेलों का प्रारंभ होता है। तीन दशक पूर्व ताप्ती मेला ताप्ती सरोवर के इर्द गिर्द लगा करता था। फिल्मी टॉकीज, सर्कस, यमपुरी = जैसी करनी वैसी भरनी, छोटे झूले, मनोरंजन का मुख्य आकर्षण हुआ करते थे, किंतु आबादी क्षेत्र बढ़ता गया और मेला लगभग समाप्त होने को था कि तभी तत्कालीन एसडीएम प्रमोद गुप्ता एवं एसडीओ पुलिस एनपी मिश्रा द्वारा मेले की आधारशिला टॉकीज के पिछले भाग में रखी गई। इसके बाद फिर आबादी ने मेले के वैभव को समाप्त कर दिया था, इसके उपरांत नगर पालिका अध्यक्ष सुप्रिया संजय यादव के प्रयास से इस मेले को व्यापक रूप देने हेतु साप्ताहिक बाजार में ताप्ती मेले की बुनियाद को रखा गया। साप्ताहिक बाजार होने के कारण इसे फिर स्थल परिवर्तन कर सुप्रिया संजय यादव एवं तत्कालीन एसडीएम भरत यादव के प्रयास से इस मेले को वर्तमान राम मंदिर की भूमि पर लगाया गया है। हालांकि इस ताप्ती मेले का वैभव निरंतर बढ़ता जा रहा है। हर वर्ष करीब 350 से ज्यादा दुकानें मेले में लगती है इस बार करीब 400 से ज्यादा दुकानें लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

शिवधाम बारहलिंग मेले में अव्यवस्था, शौचालय पर जड़ा ताला

पानी की भी सुविधा नहीं

बैतूल, देशबन्धु। शिवधाम बारहलिंग में चल रहे तीन दिवसीय कार्तिक पूर्णिमा मेले के लिए इस वर्ष ग्राम पंचायत केरपानी, भैंसदेही द्वारा 81 हजार रुपये में ठेका दिया गया है, लेकिन मेले में बुनियादी सुविधाओं की कमी ने श्रद्धालुओं को परेशान कर दिया है।

प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत अभियान के तहत 6 लाख रुपये की लागत से निर्मित सुलभ शौचालय पर ताला जड़ा है, जिससे शौच के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। इस मेले में लगभग 50 हजार श्रद्धालु पहुंचे हैं, लेकिन शौचालय के चारों ओर दुकानें लगी हुई हैं, और इसे खुलवाने या उपयोग करने के लिए कोई प्रबंध नहीं किया गया है। 13 नवंबर को लिए गए वीडियो

प्रमाण में देखा गया कि शौचालय के पास पानी की भी कोई सुविधा नहीं है, पंचायत द्वारा लगाए गए पानी की टंकी में पानी भरने का कोई नल कनेक्शन नहीं है, जिससे पानी की आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। इसके अतिरिक्त, मेले के समीप विधायक निधि से निर्मित सामुदायिक भवन भी 3 वर्षों से अधूरा पड़ा है। वर्ष 2022-23 के बजट में विधायक धरमूसिंग सिरसाम की निधि से यह भवन निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ था, लेकिन अभी तक इसका लोकार्पण नहीं हुआ है। भवन में प्लास्टर, रंग-रोगन का कार्य भी अधूरा है और चारों ओर गंदगी फैली हुई है। इन अव्यवस्थाओं के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही है और लोग पंचायत एवं प्रशासन से इस मुद्दे पर ध्यान देने की मांग कर रहे हैं।

विवाद से विश्वास योजना में करदाताओं को मिलेगी राहत

बैतूल, देशबन्धु। आयकर विभाग द्वारा विवाद से विश्वास योजना के तहत लंबित आयकर मामलों के समाधान का अवसर प्रदान किया जा रहा है। बैतूल के आयकर अधिकारी देवेंद्र गर्ग और आयकर निरीक्षक इमरान खान ने इस योजना के अंतर्गत करदाताओं से अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया है।

इस योजना का लाभ वे करदाता उठा सकते हैं, जिनके आयकर से जुड़े विवाद/अपील 22 जुलाई 2024 को उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, और आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष लंबित थे। इसके अलावा, जिन करदाताओं ने पहले योजना में आवेदन किया था, लेकिन प्रक्रिया पूर्ण न होने के कारण लाभ नहीं उठा पाए थे, वे भी पुन: आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए 31 दिसंबर, 2024 तक घोषणा दाखिल करनी होगी। इस योजना के तहत करदाता को विवादित कर मांग में से केवल मूल कर का 100 प्रतिशत भुगतान करना होगा, जबकि कर पर लगने वाला ब्याज और फीस माफ कर दी जाएगी। इसके अलावा कर से संबंधित कोई पेनल्टी लंबित है तो उसे भी खत्म कर दिया जाएगा इससे विशेष रूप से वे करदाता लाभान्वित होंगे, जिनके ब्याज और फीस की रकम मूल कर से अधिक हो चुकी है और पेनल्टी लंबित है। आयकर विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि विवाद से विश्वास योजना के तहत करदाता को कर विवादों से संबंधित अपराधों में भी अभियोजन की कार्यवाही से प्रतिरक्षा प्राप्त होगी। इस योजना का लाभ वे करदाता नहीं ले पाएंगे जिनके ऊपर छापे की कारवाई हुई है।

वरिष्ठ श्रमिक नेता कॉमरेड प्रसाद नहीं रहे, भाकपा ने दी श्रद्धांजलि

भोपाल,देशबन्धु। वरिष्ठ श्रमिक नेता और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ सदस्य कॉमरेड आर एन प्रसाद (राम निहोरा प्रसाद) का 85 वर्ष की आयु से झांसी में निधन हो गया। भोपाल में स्थानीय सुभाष नगर विश्राम घाट पर उनकी अन्त्येष्टि हुई।

दिवंगत कॉमरेड आर एन प्रसाद की अंतिम यात्रा के दौरान भाकपा के सदस्यों ने कॉमरेड प्रसाद को लाल सलाम के नारों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की । पार्टी ने कॉमरेड आर एन प्रसाद के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया और उनके सम्मान में श्रद्धांजलि स्वरूप भाकपा के राज्य कार्यालय शाकिर सदन भोपाल में पार्टी का झंडा झुका दिया गया। भाकपा नेता कॉमरेड शैलेन्द्र शैली,कॉमरेड सत्यम पाण्डे,कॉमरेड ए एच सिद्दीकी ,कॉमरेड एम एल सातपुते,कॉमरेड रामहर्ष पटेल, कॉमरेड एस आर गलफटे, अशोक परिहार, अजय राउत, राजेन्द्र सिंह, डीआर बंछोर ने श्रमिक आन्दोलन,जनता के हित से जुड़ी मांगों को लेकर संघर्ष और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के लिए कॉमरेड आर एन प्रसाद की प्रतिबद्धता और योगदान को प्रेरक और अविस्मरणीय निरूपित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की । कॉमरेड प्रसाद की स्मृति में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा आगामी 18 नवम्बर को शाम 4.30 बजे भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य कार्यालय शाकिर सदन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा।

शातिर जीजा-साले ने नकली सोने की माला थमाकर व्यापारी से एक लाख ठगे

भोपाल,देशबन्धु। ऐशबाग इलाके में दो शातिर ठगों ने असली के नाम पर नकली सोने की माला थमाकर एक व्यापारी से एक लाख रुपये हड़प लिए। दोनों आरोपी व्यापारी के पास गरीब मजदूर बनकर पहुंचे और जरूरत का हवाला देते हुए सोने की माला बेहद सस्ते दाम में बेचने की बात कही। व्यापारी को झांसा देने के लिए उन्होंने पहले उसे असली सोने के मोती कराए। जब व्यापारी को तसल्ली हो गई, तो वे उसे नकली माला थमाकर चंपत हो गए। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद प्रकरण दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है उसके साथी की तलाश कर रही है। आरोपी रिश्ते में जीजा-साले हैं।

ऐशबाग पुलिस ने बताया कि पुष्पा नगर में रहने वाले नीलेश पंजाबी गैस रिफिलिंग की दुकान चलाते हैं। गत 3 नवंबर को नीलेश की दुकान पर दो युवक आए थे। उन्होंने खुद को श्रमिक बताया तथा कहा कि उनके पास सोने की माला है। यहा माला उन्हें झांसी में मिली थी। वह इस माला को बेचना चाहते हैं। क्योंकि उन्हें रुपयों की सख्त जरूरत है। नीलेश ने माला की कीमत पूछी तो उन्होंने बताया कि इसकी कीमत करीब सात लाख रुपये है। इस पर नीलेश ने कहा कि इतने रुपये तो उनके पास नहीं है, अगर बेचना चाहते हो तो एक लाख रुपये में दे दो। थोड़ी देर तक ना-नुकर करने के बाद युवक माला एक लाख में बेचने को तैयार हो गए। इसके बाद युवकों ने माला से दो मोती निकालकर जांच कराने को दे दिए। यह मोती असली सोने के ही थे। इस दौरान नीलेश के पास 60 हजार रुपये थे तथा बाकी 40 हजार रुपये उसने अपनी कार को गिरवी रखकर दे दिए। इस तरह एक लाख रुपये लेकर दोनों युवक चले गए। घर जाकर नीलेश ने अपनी पत्नी को सोने के माला दिखाई। अगले दिन पत्नी उसे जांच कराने के लिए जहांगीराबाद के एक ज्वैलर्स के पास पहुंची। वहां उसे पता चला कि माला असली नहीं, बल्कि पीतल पर सोने का पानी चढ़ाया गया है। ठगी का पता चलते ही नीलेश ने मामले की शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करने के बाद आरोपियों की जानकारी जुटाई तो वह गांधीनगर में रहने वाले जीजा-साले निकले। पुलिस ने साले को गिरफ्तार कर लिया है। जीजा की तलाश जारी है।

भोपाल में डिजिटल बंधक बनाने की 4 दिन में दूसरी घटना

टेलीकॉम इंजीनियर को घर में 6 घंटे कैद रखा

पुलिस ने बचाया

भोपाल,देशबन्धु। राजधानी भोपाल में 4 दिन के अंदर डिजिटल घर में बंधक बनाने की दूसरी घटना सामने आई है। इस मर्तबा साइबर अपराधियों ने टेलीकॉम कंपनी के इंजीनियर को 6 घंटे तक उनके ही घर में डिजिटली कैद रखा। उन्हें डराया और धमकाकर एक कमरे में निगरानी में रखा गया। बुधवार दोपहर क्राइम ब्रांच ने उन्हें और उनके परिवार को घर से बाहर निकाला। इंजीनियर और उनका परिवार इस कदर घबराया हुआ था कि साइबर अपराधियों का वीडियो कॉल कटने के बाद भी वे घर से बाहर नहीं निकले। ठगों ने उनसे 24 घंटे उनकी निगरानी में रहने के लिए कहा था। उनके मोबाइल पर किसका फोन आ रहा था, ठगों को इसका तक पता चल रहा था। इस वजह से वे किसी का फोन उठा नहीं पा रहे थे।

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि करारिया के गायत्री नगर में रहने वाले प्रमोद कुमार 38 प्राइवेट टेलीकॉम कंपनी में इंजीनियर हैं। मंगलवार करीब साढ़े 4 बजे उनके मोबाइल पर फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को ईओडब्लू का अधिकारी बताकर कहा कि में मुंबई से हूं। आपके नंबर से अलग-अलग बैंक खातों में बड़े पैमाने पर ऑनलाइन रकम का लेनदेन हुआ है। आपका नंबर बंद नहीं होना चाहिए। मैं मुंबई से हूं। नंबर बंद करने की हालत में भोपाल से गिरफ्तारी की जाएगी। ठगों को प्रमोद के मोबाइल में दर्ज कई जानकारियां पहले से थीं। पहला फोन कट होने के कुछ ही देर बाद प्रमोद को दूसरे नंबर से वीडियो कॉल आया। उसे उठाते ही स्क्रीन पर पुलिस यूनिफॉर्म में तीन लोग दिखे। उन्होंने खुद को मुंबई

क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया। कहा कि आपके नंबर से एक व्यक्ति से फिरौती मांगी गई है। प्रमोद ने अपना पक्ष रखना चाहा तो उसे धमकाया गया। कहा आपने जो जुर्म किया है, इसके लिए साढ़े 3 लाख रुपए का जुर्माना और दो साल जेल की सजा है। ठगों ने प्रमोद से बातचीत करते हुए उनसे उनकी पूरी जानकारी हासिल की। इस बीच उनके मोबाइल पर पर जो फोन आ रहे थे, वे भी ठगों को पता होते थे कि किसके हैं। इससे प्रमोद और भी घबरा गए थे। ठगों ने उनसे कहा कि हम स्थानीय पुलिस की मदद से आपको गिरफ्तार करने वाले थे। लेकिन भले आदमी लग रहे हो। इसलिए बचना चाहते हो तो हमारी निगरानी में 24 घंटे तक रहना होगा। इस पर उन्होंने ने हामी भर दी और आरोपियों के कहने पर खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। रात 11.30 बजे तक ठगों की निगरानी में रहे। बाद में आरोपियों ने खुद फोन कट कर दिया।

इधर प्रमोद ने डर की वजह से बुधवार सुबह साढ़े 11 बजे तक किसी का फोन नहीं उठाया। इतना ही नहीं दफ्तर की बैठक में भी शामिल नहीं हुए। तब उनके अफसर प्रदीप ने उन्हें फोन किए। लेकिन कई फोन करने पर भी उन्होंने फोन नहीं उठाया। तब प्रदीप अनहोनी की आशंका के चलते उनके घर पहुंचे तो प्रमोद ने दवाजा खोलने से इनकार कर दिया। ऐसे में प्रदीप ने भोपाल क्राइम ब्रांच को मामले की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रमोद की पूरी बात सुनने के बाद उन्हें बताया कि उनके साथ धोखा हो रहा था। पुलिस की समझाइश के बाद वे सामान्य हुए और पत्नी - बच्चों के साथ घर से बाहर निकले।

रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से गिरा यात्री, बाल-बाल बचा

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल रेलवे स्टेशन पर इंदौर का एक यात्री ट्रेन से गिर गया, जिससे उसके कंधे में चोट आई। उसे तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। हालांकि अब उसकी हालत ठीक है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक विवेक मिश्रा इंदौर के रहने वाले हैं। वे समता सुपरफास्ट एक्सप्रेस में सफर करते हुए विशाखापट्टनम से इंदौर जा रहे थे। बुधवार को जैसे ही ट्रेन भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंची, वे ट्रेन बदलने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर उतरे। तभी फिसलकर प्लेटफॉर्म पर गिर गए और बेहोश हो गए और ट्रेन की चपेट में आने से बाल-बाल बचे। हादसे के दौरान स्टेशन पर मौजूद उप अधीक्षक जावेद अंसारी ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत एंबुलेंस बुलवाई। इसके बाद रेलवे स्टाफ की मदद से घायल विवेक को हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। इस दौरान उसका सामान और मोबाइल प्लेटफॉर्म पर छूट गया था, जिसे श्री अंसारी ने सुरक्षित अपने पास रख लिया। यात्री के पहचान पत्रों के माध्यम से उनके परिवार को सूचना दी गई। भोपाल में उपलब्ध घायल यात्री के रिश्तेदार ने अपने सहायक को रेलवे स्टेशन भेजा। उप अधीक्षक श्री अंसारी ने यात्री का सामान और मोबाइल सुरक्षित रूप से उनके सहायक को सौंप दिया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि रेल कर्मचारियों की इस त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई ने यात्री की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

मां माचना जन्मोत्सव आज

बैतूल, देशबन्धु। माचना घाट ग्रीन सिटी विवेकानंद वार्ड में आज 15 नवम्बर को मां माचना जन्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सेल्फी प्वाइंट और फव्वारा का उद्घाटन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद और विधायक हेमंत खंडेलवाल उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि मोहन नागर, उपाध्यक्ष, म.प्र. जन अभियान परिषद और जिला अध्यक्ष भाजपा आदित्य बबला शुक्ला भी इस आयोजन की शोभा बढ़ाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्वती बारस्कर, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बैतूल करेंगी, वहीं महेश राठौर उपाध्यक्ष, नगर पालिका परिषद विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 6:30 बजे मां माचना की आरती के साथ होगा, जिसके बाद 7 बजे दीपदान का आयोजन होगा। इसके साथ ही, भव्य आतिशबाजी और प्रसादी वितरण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है। नगर पालिका परिषद बैतूल के मुख्य नगर पालिका अधिकारी सतीश मटसेनिया और कार्यक्रम के संयोजक आनंद प्रजापति समेत पार्षदगण ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में उपस्थिति का अनुरोध किया है।

- **सेल्फी प्वाइंट और फव्वारे का होगा उद्घाटन**
- **भव्य आतिशबाजी और दीपदान का आयोजन**

एक थाली, एक थैला अभियान से पर्यावरण संरक्षण की पहल

कई संगठनों ने अभियान को सफल बनाने का लिया संकल्प

बैतूल, देशबन्धु। आगामी 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज में महाकुंभ का भव्य आयोजन होने जा रहा है, जिसमें करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस आयोजन को पर्यावरण के अनुकूल बनाने और प्रयागराज की स्वच्छता बनाए रखने के लिए हरित कुंभ – एक थाली, एक थैला अभियान का आह्वान किया गया है। बैतूल जिले की गौ ग्राम संस्कृति संरक्षण समिति समेत कई संगठनों ने मिलकर इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया है, जो महाकुंभ के दौरान प्लास्टिक और डिस्पोजेबल सामग्री के उपयोग को कम करने पर केंद्रित है। संत शिरोमणि श्री श्री 1008 निक्कू दास जी महाराज की तपस्थली, हनुमान जी महाराज की सिद्धि कुटी, रानीपुर आश्रम में भी श्रद्धालुओं से एक थाली और एक थैला जमा कर, भारत माता के आंचल की स्वच्छता हेतु योगदान देने का आग्रह किया गया है।अभियान का उद्देश्य है कि प्रत्येक श्रद्धालु अपने भोजन के लिए एक थाली और सामान के लिए एक थैला साथ लेकर आए, जिससे लगभग 40 टन कचरे के उत्पादन में भारी कमी आ सके। इससे पवित्र त्रिवेणी संगम की स्वच्छता पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा और महाकुंभ का पर्यावरण पर सकारात्मक असर पड़ेगा। गौ ग्राम संस्कृति संरक्षण समिति का कहना है कि इस पहल से महाकुंभ को एक स्वच्छ और हरित आयोजन में बदला जा सकता है, और यह एक पर्यावरणीय मिसाल बनेगा। गौ ग्राम संस्कृति संरक्षण समिति ने कहा यह हमारा सामूहिक प्रयास है। यदि हर तीर्थयात्री एक थाली और एक थैला लेकर आए, तो इस महान पर्व को एक पर्यावरणीय प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। हम सभी मिलकर इस पहल को सफल बनाएंगे।

कालाबाजारी के कारण किसानों को नहीं मिल रही खाद

निजी दुकानो पर दो गुने देने पड़ रहे हैं दाम

चिचोली, देशबन्धु। केंद्र और राज्य की सरकार खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए दम भर रही है, लेकिन बिचौलिए कालाबाजारी के कारण किसानों को समय पर खाद नहीं मिल रही है और खाद के दो गुने दाम देने पड़ रहे हैं। ऐसे में किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसान रवि के सीजन की फसलों की बुवाई में लगे हुए हैं लेकिन डीएपी खाद की कमी से जुझ रहा है तहसील क्षेत्र में डीएपी खाद के लिए किसान दर-दर भटकने को मजबूर है। सहकारी समिति में खाद की कमी बनी हुई है, जिसके कारण निजी दुकानों पर खाद की कालाबाजारी जमकर हो रही है। चिचोली में निजी दुकानो से डीएपी खाद कीमत 1300 से लेकर 2000 रुपए तक कीमत चुकानी पड़ रही है। बोरियों निर्धारित दर तय होने के बाद भी किसानों से एक बोरी डीएपी की निर्धारित दाम से 600 से 700 रुपए अलग से देने पड़ रहे हैं। ऐसे में किसान अपने आप को लूटा हुआ महसूस कर रहा है । गोदना के किसान नीलेश उईके ,नरेन्द्र कवडे ने बताया कि आदिम जाति सरकारी समिति में खाद का कमी बनी हुई है। लगातार 8 दिन से चक्कर लगाने के बाद निजी दुकान से डीएपी खाद 18 सो रुपए में एक बोरी खरीदी गई है । खरीदी गई खाद की बोरियों पर बेच नंबर या खाद्य निर्धारित ताखिख भी अंकित नहीं है । दुकानों को लाइसेंस जारी करते समय दुकान के सामने दर सुची एवं स्टॉक सूची का बोर्ड लगाने के निर्देश हैं, लेकिन उसके बावजूद भी दुकानदार अपनी दुकान के सामने दर सूची एवं स्टाफ सूची का बोर्ड नहीं लगते हैं ।जांच अधिकारी खाना पूर्ति कर चले जाते हैं । कृषि विभाग के अधिकारियों का फोन बंद रहता है । यह जांच का विषय है। किसान नेता सेवक राम यादव ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर जाहिर किया कि वर्तमान में चिचोली क्षेत्र में किसानों को निजी दुकानों में डीएपी खाद 1800 सो रुपए से लेकर 2000 रुपए तक बेची जा रही है, जिसको लेकर आगामी दिनों में किसान संघ के माध्यम से ज्ञापन भी सौपा जाएगा ।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में बच्चों ने किया वरिष्ठ अभिभावकों का सम्मान

दादा-दादी और नाना-नानी के साथ बच्चों ने मनाया बाल दिवस

बैतूल, देशबन्धु। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बैतूल में इस बार बाल दिवस को विशेष रूप से मनाया गया, जिसमें बच्चों के साथ वरिष्ठ अभिभावकों दादा-दादी और नाना-नानी की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी रोचक और भावुक बना दिया। विद्यालय प्रांगण में लगभग 215 वरिष्ठ अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर सभी को अनुग्रहित किया। इस अवसर पर बच्चों ने अपने दादा-दादी, नाना-नानी का स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित किया और साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपने स्नेह का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य आर. एन. पांडेय, मुख्याध्यापक भरत कुमार धोटे और मुख्य अतिथि अमरनान इवने (उप-प्राचार्य, पीएम श्री हाई स्कूल, साई खंडारा) और उनकी धर्मपत्नी कमलावती इवने (विद्यालय के छात्र दिव्यम के नाना-नानी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया। इसके साथ ही चाचा नेहरू के छायाचित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गई।प्राचार्य श्री पांडेय ने अपने संबोधन में वरिष्ठ अभिभावकों को संबोधित करते हुए परिवार में नाना-नानी और दादा-दादी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि केंद्रीय विद्यालय संगठन और नई शिक्षा नीति का उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास है, और इस तरह के आयोजन बच्चों में नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक मूल्यों का संचार करते हैं। बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया और फिर प्राथमिक विभाग के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं।

रंगारंग प्रस्तुतियों ने बांधा समां – इस मौके पर एक नाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें दादा-दादी और नाना-नानी के महत्व को रेखांकित किया गया। इसके साथ ही घर बनाएंगे, छोटा सा घर बनाएंगे, घर में होगा एक कमरा... गीत पर प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। वरिष्ठ अभिभावकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से बच्चों का उत्साहवर्धन किया और अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए भावुक हो गए।

खेलों और प्रतियोगिताओं में भी दी सहभागिता – वरिष्ठ अभिभावकों के मनोरंजन के लिए प्राथमिक विभाग के शिक्षकों ने कई रोचक खेलों का आयोजन किया, जैसे बिंदी लगाओ, बुक बैलेंसिंग, पुराने गीतों पर नृत्य आदि। बिंदी लगाओ प्रतियोगिता में अनाया की दादी ने पहला स्थान और त्रिशा डोंगरे की दादी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, बुक बैलेंसिंग में उर्वशी, सौम्या, मीनल, और नयन पाटिल के वरिष्ठ अभिभावकों ने विजेता के रूप में पुरस्कार प्राप्त किया।

मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की सराहना – मुख्य अतिथि अमरलाल इवने ने अपने संबोधन में विद्यालय परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा में नैतिक मूल्य अधिक महत्वपूर्ण हैं, और केंद्रीय विद्यालय बैतूल इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वरिष्ठ अभिभावक श्री कासकर और राजेश निर्मले ने भी अपने उद्गार व्यक्त करते हुए बच्चों को आशीर्वाद दिया।

विद्यालय की छात्रा ओजस्वी धाकड़ के नानाजी शिवाजी नरवरे ने प्रेरणास्पद कविताओं की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही जिनसा बघेल, अन्वी बघेल, लवी देशमुख एवं अन्य छात्राओं ने सुरमई समूह गीत से समां बांध दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के वरिष्ठतम शिक्षक जगदीश लोखंडे ने सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। शिक्षिका रचना सोनी ने संचालन किया, जबकि कार्यक्रम को सफल बनाने में ए. आर. डांगे, ममता रजक, मनीषा, विभी मौर्य, अपर्णा शुक्ला, अनामिका गौतम, अनुपम राज, यू. पी. सिंह, गोलू बारस्कर और अन्य सहयोगियों का योगदान सराहनीय रहा।

बिजली कनेक्शन के अभाव में खेती और बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित

- **आयोग के नोटिस के बावजूद नहीं हुआ समस्या का समाधान**
- **चिखलार के आदिवासियों ने मांगा स्थाई विद्युत कनेक्शन, डिप्टी कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन**

बैतूल, देशबन्धु। ग्राम चिखलार के आदिवासी किसान और ग्रामीण ने विद्युत कनेक्शन के लिए प्रशासन के सामने अपनी पीड़ा व्यक्त कर रहे हैं। स्थाई बिजली कनेक्शन के अभाव में उनकी खेती और बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। इस मुद्दे को लेकर सभी ग्रामीणों ने डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। आदिवासी कृषक समुदाय की इस गंभीर समस्या पर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने वर्ष 2020 में संज्ञान लेकर बैतूल कलेक्टर को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए थे परंतु आयोग के निर्देशों पर आज तक कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि सहायक आयुक्त और खेड़ला पंचायत सचिव द्वारा फंड की कमी बताकर आदिवासियों को शासन की योजनाओं से वंचित किया जा रहा है।

ग्राम चिखलार के आदिवासी कृषक विक्रमसिंह पिता विश्रामसिंह, मनोज पिता चैतराम, मयूर धुर्वे पिता श्याम धुर्वे, गीता मसराम, पुनु उइके, गुलाब पिता जंगू उइके, सुन्दरलाल पिता मंगलू, भंगू पिता गोरी, दीपक ठाकुर पिता सूपसिंग ठाकुर, किसन उइके और जसवंत आहके सहित अन्य किसान अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर हैं। उनकी कृषि भूमि पर कपिल धारा योजना के अंतर्गत कुएं का निर्माण हुआ है, परंतु बिजली कनेक्शन न होने के कारण सिंचाई के साधन सीमित हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली की कमी के चलते वे अपनी फसलों की उचित देखभाल नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने इस मामले में दिनांक 11 सितंबर 2020 को कलेक्टर बैतूल को नोटिस जारी किया था, जिसमें आदिवासियों के सामाजिक और आर्थिक विकास के तहत उन्हें स्थाई बिजली कनेक्शन देने का निर्देश दिया गया था। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 338 के अंतर्गत आयोग ने यह भी कहा था कि आदिवासियों को समान अवसर प्रदान किया जाना चाहिए। इसके बावजूद आज तक कनेक्शन नहीं मिला है, जिससे आदिवासी बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हो रही है और वे मुख्य धारा से जुड़ने में असमर्थ हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि इस मामले को लेकर ग्राम पंचायत चिखलार द्वारा सहायक आयुक्त बैतूल और विद्युत कंपनी को प्रस्ताव भेजा गया था। लेकिन अभी तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीणों ने अपने ज्ञापन में यह भी कहा है कि प्रशासनिक अनदेखी के चलते वे शासन की योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं और आर्थिक नुकसान झेल रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से निवेदन किया है कि उनकी समस्याओं को समझा जाए और जल्द से जल्द स्थाई बिजली कनेक्शन प्रदान कर उनकी आर्थिक स्थिति और बच्चों की शिक्षा के लिए मदद की जाए।

कलेक्टर से सीसी रोड निर्माण की मांग – ग्रामीणों ने सड़क की समस्या को भी प्रमुखता से उठाया और बताया कि बरसात के मौसम में यदि कोई बीमार हो जाए, तो उसे डॉक्टर के पास ले जाना भी मुश्किल हो जाता है, और बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। इलाज में देरी के कारण कई बार गंभीर स्थितियों का सामना करना पड़ता है। ग्राम पंचायत, कलेक्टर, सहायक आयुक्त, विधायक एवं सांसद महोदय को पूर्व में कई बार आवेदन देने के बावजूद अभी तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हुआ है, जिससे ग्रामीण आधुनिकता और राज्य की मुख्य धारा से वंचित रह जाते हैं। विद्युत कनेक्शन एवं पक्की सड़क निर्माण के लिए ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव पारित कर विगत 13 अक्टूबर 2024 को सहायक आयुक्त जनजाति विभाग को प्रेषित किया गया था, लेकिन ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान देना तक उचित नहीं समझ गया।

बैतूल के हजारों आदिवासी वन अधिकार से वंचित

- **जनजाति कार्य विभाग पर लापरवाही का आरोप**
- **अधिनियम में संशोधन की मांग, मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद ने सौंपा ज्ञापन**

बैतूल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष रामा काकोडिया ने बैतूल जिले में अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासियों को वनाधिकार अधिनियम 2006 के तहत वनाधिकार पट्टा न मिलने की समस्या पर चिंता व्यक्त की है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें उन्होंने अधिनियम के पालन में गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। रामा काकोडिया ने यह आरोप लगाया कि बैतूल जिले में हजारों आदिवासी और पिछड़े वर्ग के पात्र आवेदकों को वनाधिकार से संबंधित पट्टे प्रदान नहीं किए गए हैं, जबकि उनकी दावेदारी उचित है। उन्होंने इसे जनजाति कार्य विभाग की निष्क्रियता करार देते हुए आवश्यक सुधारों का सुझाव दिया है।

ज्ञापन में रामा काकोडिया ने उल्लेख किया कि उनके प्रतिनिधित्व में 23 सितंबर 2024 को मुख्यमंत्री और मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष कुसमारिया को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें इस मुद्दे के त्वरित समाधान की मांग की गई है। ज्ञापन के अनुसार, राज्य शासन द्वारा जारी पत्रों के बावजूद, बैतूल जिले में हजारों दावेदारों के मामलों को नियम विरुद्ध तरीके से निरस्त कर दिया गया, जिससे वे वनाधिकार से वंचित रह गए हैं। अन्य परम्परागत वन निवासियों (ओबीसी वर्ग) के अतिक्रमणकर्ताओं के मामले भी इसी प्रकार लंबित पड़े हैं, जिन्हें पट्टा नहीं दिया जा रहा है।

जनजाति कार्य विभाग को नोडल विभाग से अलग करने की मांग –रामा काकोडिया ने ज्ञापन में सुझाव दिया है कि जनजाति कार्य विभाग को नोडल विभाग के रूप में जिम्मेदारी से मुक्त कर देना चाहिए क्योंकि इस विभाग के पास भूमि और भूमि स्वामी से जुड़े आवश्यक अभिलेख नहीं होते। नक्शा, खसरा और अन्य अभिलेखीय साक्ष्यों के अभाव में जनजाति कार्य विभाग से अपेक्षा की जाती है कि वह मामलों का उचित समाधान करेगा। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को इस कार्य का नोडल विभाग बनाने का सुझाव दिया है क्योंकि दावा प्रक्रिया का प्रथम पंजीयन और अनुमोदन ग्राम पंचायत और ग्राम सभा द्वारा किया जाता है।

पारदर्शिता के लिए सूचना प्रणाली की मांग – काकोडिया ने कहा कि दावा निरस्त होने या स्वीकृति की जानकारी दावेदारों को नहीं मिल पाती है। उन्होंने इसे पारदर्शिता में कमी का कारण बताया और मांग की कि उपखंड और जिला स्तर की समितियों द्वारा निरस्त मामलों की जानकारी दावेदारों और ग्राम स्तरीय वनाधिकार समिति को अनिवार्य रूप से दी जाए। इससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी, और दावेदारों को उनके मामलों की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

निरस्त प्रकरणों की पुनः समीक्षा की आवश्यकता – रामा काकोडिया ने मुख्यमंत्री से अपील की कि पिछले वर्षों में निरस्त किए गए सभी दावों की पुनः समीक्षा की जाए। उन्होंने बताया कि बैतूल जिले में हजारों मामले निरस्त हुए हैं और प्रदेश स्तर पर यह संख्या लाखों में हो सकती है। इनमें से कई मामले ऐसे हैं जो स्वीकृत किए जाने योग्य हो सकते हैं, परंतु इन्हें उचित प्रक्रिया के अभाव में खारिज कर दिया गया है।

वन मित्र पोर्टल में सुधार की मांग – काकोडिया ने बताया कि वर्ष 2018-19 से वन मित्र पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन लेने की प्रक्रिया लागू की गई है। इससे कई पात्र दावेदार वनाधिकार पत्र प्राप्त करने से वंचित रह गए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि पूर्व की आवेदन प्रक्रिया को बहाल किया जाना चाहिए ताकि वनाधिकार के पात्र लोग इससे वंचित न रहें। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि गरीब आदिवासी परिवारों और अन्य परम्परागत वन निवासियों के जीवन संकट को देखते हुए उपरोक्त सुझावों पर विचार कर राज्य स्तर पर समीक्षा की जाए और नई व्यवस्था लागू की जाए। रामा काकोडिया के इस ज्ञापन ने वनाधिकार अधिनियम 2006 के क्रियान्वयन की मौजूदा स्थिति पर सवाल खड़े किए हैं। आदिवासी समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए दिए गए इन सुझावों को लेकर राज्य सरकार से अपेक्षा की जा रही है कि वे जल्द ही इस मामले में सुधारात्मक कदम उठाएगी।

बच्चों ने चाचा नेहरू की प्रतिमा पर पुष्प वर्षा कर मनाया जन्मदिन

बैतूल, देशबन्धु। आचार्य विनोबा युथ सोसाइटी एवं युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल के तत्वावधान में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन नेहरू पार्क में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बारस्कर, युवा साहू समाज सेवा संगठन बैतूल के अध्यक्ष गोपाल साहू, डॉ प्राची भार्गव, सुष्मिता झरबडे, भावना साहू सहित अतिथि उपस्थित थे। सर्वप्रथम नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बारस्कर चाचा नेहरू की प्रतिमा पर मालाअर्पण किया एवं इसके बाद नन्हे मुन्ने बच्चों ने पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर रंग-बिरंगे पुष्प वर्षा कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। पुष्प वर्षा करने के बाद नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा केक काटकर हैप्पी बर्थडे टू यू चाचा नेहरू एवं चाचा नेहरू अमर रहे जैसे गगन भेदी नारे लगाकर चाचा नेहरू का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। केक काटकर सभी बच्चों का मुंह मीठा कराया गया।

इन बच्चों को मिले पुरस्कार – नेहरू पार्क में चाचा नेहरू के जन्मदिन के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था जिसमें गीत संगीत प्रतियोगिता में प्रथम रीना भार्गव द्वितीय भावना खोबरागड़े तृतीय समृद्धि वर्मा एवं पांचवें स्थान पर माया शर्मा रही। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रथम प्रांजल जैन द्वितीय रीना भार्गव तृतीय नव्य शर्मा एवं चतुर्थ स्थान पर अतिथि सोनी रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम दिलशान झाम, द्वितीय रुद्रांश झाम, तृतीय नमामि श्रीवास्तव, चतुर्थ स्थान पर सांनवी दंडोतिया रही। जूनियर रेस प्रतियोगिता में प्रथम आरोही वायकर, द्वितीय चिराग पवार, तृतीय अभिनव भलावी रहे एवं सीनियर रेस प्रतियोगिता में प्रथम संजय बारस्कर द्वितीय रीना भार्गव चतुर्थ स्थान पर सायमा काजी रही। सभी विजेता बच्चों को शील्ड ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

लाड़ली बहना एक्सप्रेस का संचालन महिला सशक्तीकरण की मिशाल : खण्डेलवाल

छात्राओं और महिलाओं को मिलेगी किराये में पचास फीसदी छूट

बैतूल, देशबन्धु। भैसदेही क्षेत्र के बस ऑपरेटर यादव बस सर्विस द्वारा शुरु की गई लाड़ली बहना एक्सप्रेस बस सेवा को बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल नें गुरुवार को बस स्टैण्ड बैतूल से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। लाड़ली बहना एक्सप्रेस में स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं और महिलाओं को किराए में पचास फीसदी छूट मिलेगी।

इस अवसर पर बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल ने लाड़ली बहना एक्सप्रेस का संचालन शुरु करनें पर यादव बस सर्विस के संचालक की सराहना करते हुए कहा कि यह महिला सशक्तीकरण के लिए एक मिशाल है। कार्यक्रम में बैतूल नपा अध्यक्ष श्रीमति पार्वती बाई बारस्कर,जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे,यादव बस सर्विस भैसदेही के संचालक अमित यादव,गोविंद यादव सहित अन्य बस ऑपरेटर मौजूद रहे।

प्रतिदिन लगेगें 2-2 फेरे – लाड़ली बहना एक्सप्रेस का संचालन करने वाले यादव बस सर्विस भैसदेही के संचालक अमित यादव नें बताया कि विधायक की प्रेरणा से उन्होनें लाड़ली बहना एक्सप्रेस का संचालन भैसदेही-बैतूल के बीच शुरु किया है। उक्त बस भैसदेही- बैतूल के बीच प्रतिदिन दो-दो फेरे लगाएगी। श्री यादव नें बताया कि स्कूल-कॉलेज में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं द्वारा परिचय पत्र दिखानें पर और महिलाओं को लाड़ली बहना एक्सप्रेस में सिर्फ आधा किराया लगेगा।

ताप्ती की ध्वजा के साथ शिवधाम बारहलिंग में शुरू हुआ 3 दिवसीय कार्तिक पूर्णिमा मेला

बैतूल, देशबन्धु। गुजरात के सूरत जिले से आई सूर्यपुत्री मां ताप्ती जी की ध्वजा लहराने के साथ ही ताप्ती नदी किनारे स्थित शिवधाम बारहलिंग में 13 नवंबर से तीन दिवसीय कार्तिक पूर्णिमा मेले का शुभारंभ हुआ। ताप्ती जागृति समिति और अखिल भारतीय जीन माता सेवा संघ, गुजरात की पहल पर आयोजित इस मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और मां ताप्ती के जयकारों के साथ ध्वजारोहण किया।

ध्वजारोहण का पुण्य कार्य ग्राम खेड़ी सावलीगढ़ की कुमारी खुशी सुनील पवार ने ताप्ती जी की पूजा-अर्चना से किया। उनके साथ मोहित पवार, सुनील पवार, सन्नी मनिगिर, विजय कंगाले सहित अन्य श्रद्धालुओं ने भी माता ताप्ती की ध्वजा चढ़ाई और श्रद्धाभाव प्रकट किया। मेले में मां ताप्ती के प्रति आस्था रखने वाले भक्तजन दूर-दूर से यहां पहुंचे, और उनकी उपस्थिति ने इस धार्मिक आयोजन की महत्ता को और बढ़ा दिया।

इस आयोजन में मां सूर्यपुत्री ताप्ती जागृति समिति के मध्यप्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर दयाराम पवार रोंढ़ावाला भी उपस्थित रहे। उन्होंने मेला स्थल का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेला परिसर में फैली गंदगी और अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जाहिर की और इस बारे में जिला कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और जनपद पंचायत भैंसदेही के सीईओ को भी अवगत कराया। उन्होंने अधिकारियों से मेले में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

विकास के लिए संकल्पित है केन्द्र और मध्यप्रदेश सरकार : खण्डेलवाल

बैतूल विधायक नें दी 1.86 करोड़ रुपये के विकास कार्यो की सौगात

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल नें कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र और मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मध्यप्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग की तरक्की के लिए संकल्पित है। उन्होनें कहा कि केन्द्र और मध्यप्रदेश सरकार की जन हितैशी योजनाओं से जन-जन को लाभ मिल रहा है साथ ही गॉव से लेकर शहर तक तरक्की नजर आ रही है।

श्री खण्डेलवाल नें उक्त बातें गुरुवार को जनपद पंचायत बैतूल अंतर्गत जीन,बोरगांव,दनोरा,(जीन) गढा,देवठान,बोदी जूनावानी और हिवरखेड़ी ग्रामों में मुख्यमंत्री विशेष निधी से स्वीकृत एक करोड़ 86 लाख रुपये लागत के निर्माण कार्यों के भूमिपूजन के दौरान कही। बैतूल विधयाक नें उक्त ग्रामों के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और संतुष्टिकारक निराकरण किया। श्री खण्डेलवाल नें कहा कि गॉव व ग्रामीणों की आवश्यकता के मुताबिक वे लगातार निर्माण एवं विकास कार्य स्वीकृत करवानें में जुटे हुए है। सभी को स्वास्थ, शिक्षा, सिंचाई, सड़क, बिजली, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाए उपलब्ध करवानें के साथ ही अब उनका फोकस युवाओं और महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करवानें पर है।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल सिंह ठाकुर,जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे,जनपद अध्यक्ष इमला बाई

जावलकर,जनपद उपाध्यक्ष कृष्णा लोखण्डे,मंडल अध्यक्ष नितिन बारस्कर,कांति यादव,जनपद सदस्य श्रीमति प्रीति बारस्कर,डॉ मुकुंदराव धोटे,सुनील अहाके,गोकुल सिंह राजपूत,पर्वत धोटे,रुपेश अग्रवाल,कमल मालवी,जुबेर पटेल,अनिल सिंह ठाकुर,विवेक जावलकर,मनोज गायकवाड,कुसुम वागदे,ललिता खांडवे,प्रहलाद महस्की सहित सरंपच पंच ग्रामीण एवं अधिकारीगण मौजूद रहे।

पुलियाओं के निर्माण से राह होगी आसान – ग्रामीणों और किसानों की मॉग पर हेमंत खण्डेलवाल नें मुख्यमंत्री विशेष निधी से देवठान में 65 लाख एवं बोदी जूनावानी में 45 लाख रुपये की पुलिया स्वीकृत करवाई है। उक्त पुलियाओं के निर्माण से देवठान,मिर्जापुर,बोदी जूनावानी,गोनीघाट महूपानी,चिखली,मकड़ा,ग्रामों के ग्रामीण एवं किसानों की राह आसान हो जाएगी। पुलियाओं के निर्माण से उक्त ग्राम मुख्य मार्गो से जुड़ जाएगें। साथ ही बारिश में भी आवगमन सुगम होगा। बैतूल विधायक नें गुरुवार को उक्त दोनों पुलियों के निर्माण कार्य के साथ हिवरखेड़ी ग्राम में 20 लाख रूपये की लागत से बननें वाली ग्रवेल सड़क का भूमिपूजन भी किया।

बहुउपयोगी हो सामुदायिक भवन – श्री खण्डेलवाल नें मुख्यमंत्री विशेष निधी से स्वीकृत 56 लाख रुपये की लागत के सामुदायिक भवनों का भूमिपूजन जीन,बोरगांव,दनोरा (जीन) एवं गढ़ा ग्रामों में किया। ग्रामीणों से संवाद के दौरान उन्होनें कहा कि सामुदायिक भवनों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण किया जाएगा साथ ही बाउंड्रीवॉल,पार्किंग की व्यवस्था भी रहेगी। जिससे सामुदायिक भवन बहुउपयोगी साबित होगें। सामुदायिक भवनों का उपयोगसामाजिक,धार्मिक आयोजनों के साथ अन्य आयोजनों के लिए किया जा सकेगा।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

रिलायंस	1.23 प्रतिशत
कोटक बैंक	1.18 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	0.78 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	0.73 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	0.70 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

हिंदुस्तान यूनिलीवर	3.07 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	2.33 प्रतिशत
एनटीपीसी	2.19 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	1.92 प्रतिशत
पावरग्रिड	1.89 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	73,944
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	87,558
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	84.40	84.11
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	6100-6200
दाल चना	7100-7200
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9850-9950
अरहर दाल	11700-11800

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर भारत : हरदीप सिंह पुरी

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर

नई दिल्ली, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज यहां कहा कि भारत अगले पांच वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। श्री पुरी ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित 12वें सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (पीएसई) शिखर सम्मेलन में 2014 में एक कमजोर अर्थव्यवस्था से आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के भारत के परिवर्तन का उल्लेख किया। श्री पुरी ने देश की उल्लेखनीय आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने और इसके सतत ऊर्जा भविष्य को आगे बढ़ाने में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (पीएसई) की भूमिका पर प्रकाश डाला। श्री पुरी ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में भारत का प्रक्षेप मजबूत सुधारों और इसके पीएसई के समर्पण पर आधारित है।

वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में भारत का प्रक्षेप मजबूत सुधारों व इसके पीएसई के समर्पण पर आधारित है : हरदीप सिंह पुरी

उन्होंने पिछले दशक में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लचीलेपन और प्रदर्शन की प्रशंसा की और कहा कि उनका योगदान भारत की आर्थिक स्थिरता और प्रगति का अभिन्न अंग रहा है। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, अगले कुछ वर्ष भारत की अगली छलांग के लिए आधार तैयार करने में महत्वपूर्ण होंगे। मंत्री ने भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के उल्लेखनीय प्रदर्शन को दर्शाने वाले कई प्रमुख आंकड़े साझा किए।

अक्टूबर में भारत का कुल निर्यात 73.21 अरब डॉलर पर

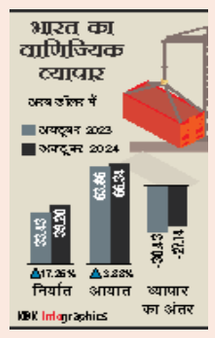

नई दिल्ली। वाणिज्यिक वस्तुओं एवं सेवा क्षेत्र के कारोबार के मजबूत प्रदर्शन की बदौलत इस वर्ष अक्टूबर में भारत का कुल निर्यात इसके पिछले वर्ष के इसी महीने के 61.48 अरब डॉलर के मुक़ाबले 19.7 फ़ीसदी की बढ़ोतरी लेकर 73.21 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अक्टूबर 2024 में भारत ने वाणिज्यिक वस्तुओं एवं सेवा का कुल 73.21 अरब डॉलर का निर्यात किया, जो अक्टूबर 2023 के 61.48 अरब डॉलर के निर्यात से 19.7 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में देश का कुल आयात 77.33 अरब डॉलर के मुकाबले 7.8 प्रतिशत बढ़कर 83.33 अरब डॉलर पहुंच गया। इस तरह से आलोच्य अवधि में देश का कुल व्यापार घाटा 10.12 अरब पर पहुंच गया। इस अवधि में वाणिज्यिक वस्तुओं का आयात 63.86 अरब डॉलर की तुलना में 3.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 66.34 अरब डॉलर वहीं निर्यात 33.43 अरब डॉलर से 17.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 39.20 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह सेवा क्षेत्र का आयात 13.46 अरब डॉलर से बढ़कर 17 अरब डॉलर जबकि निर्यात 28.05 अरब डॉलर से बढ़कर 34.02 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

गेल ने एडीएनओसी गैस के साथ किया समझौता

■ 2026 से प्रति वर्ष छह कार्गो में शुरू की जाएगी एलएनजी की आपूर्ति

अबू धाबी, 14 नवम्बर (देशबन्धु)। गेल (इंडिया) लिमिटेड ने एडीएनओसी गैस के साथ 0.52 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) तक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की डिलीवरी के लिए 10 साल के बिक्री और खरीद समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए, जो 2026 से शुरू होगा। यह भारतीय खरीदार के साथ एडीएनओसी गैस का पहला एसपीए है। एलएनजी को एडीएनओसी गैस की दास आइलैंड प्राकृतिक गैस सुविधा से प्रति वर्ष छह कार्गो में वितरित किया जाएगा, जिसकी एलएनजी प्रसंस्करण क्षमता 6.0 एमएमटीपीए है। यह वैश्विक स्तर पर अभी भी उत्पादन में तीसरा सबसे पुराना स्थापित एलएनजी संयंत्र है।

गेल के निदेशक (विपणन) श्री कुमार ने कहा कि भारत में विविध क्षेत्रीय पैटर्न में प्राकृतिक गैस की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एलएनजी की मांग बढ़ रही है। गेल इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए आने वाले वर्षों में अपने टर्म एलएनजी पोर्टफोलियो को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने की योजना बना रहा है। एडीएनओसी गैस के साथ यह एसपीए इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो गेल को अपने मौजूदा एलएनजी पोर्टफोलियो को बढ़ाने में सक्षम बनाता है ताकि वह अपने विविध उपभोक्ता आधार को बेहतर ढंग से सेवा दे सके। एडीएनओसी गैस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मार्केटिंग, श्री राशिद खलफान अल मजरूई ने कहा कि यह समझौता एक विश्वसनीय और जिम्मेदार वैश्विक प्राकृतिक गैस प्रदाता के रूप में एडीएनओसी गैस की भूमिका को मजबूत करता है।

सोने में जोरदार गिरावट, 74 हजार से आया नीचे

नई दिल्ली, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। गोल्ड की कीमतों में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस महीने यानी नवम्बर में सोना अभी तक 6,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से ज्यादा टूटा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमतें आज गुरुवार यानी 14 नवम्बर को 74 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के लेवल से नीचे चली गई। इससे पहले 30 अक्टूबर को सोने की बेंचमार्क कीमतें एमसीएक्स पर 79,775 रुपए प्रति 10 ग्राम के ऑल-टाइम हाई लेवल पर पहुंच गई थी।

विश्व में सोने की कीमतों में जारी नरमी और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में देखी जा रही कमजोरी के मद्देनजर घरेलू कीमतों पर लगातार दबाव देखने को मिल रहा है। ग्लोबल मार्केट में सोना आज शुरुआती कारोबार में गिरकर 8 हफ्ते के अपने निचले स्तर पर पहुंच गया। फिलहाल ग्लोबल मार्केट में सोना 2,650 डॉलर प्रति औंस से थोड़ा ऊपर देखा जा रहा है। भारतीय रुपए में कमजोरी से सोना आयात करना महंगा हो जाता है। आज भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.40 के नए निचले स्तर पर दर्ज किया गया।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन बढ़ा

नई दिल्ली, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार त्योहारी महीने के दौरान भारत में इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज हुई। आर्थिक गतिविधियों में तेजी के कारण इस साल अक्टूबर में देश में इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन बढ़कर रिकॉर्ड 6,114.92 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2021 में इलेक्ट्रॉनिक टोल डेटा का कलेक्शन शुरू होने के बाद से यह किसी महीने में अब तक का सबसे अधिक कलेक्शन है और पिछले छह महीनों के मासिक औसत 5,681.46 करोड़ रुपए से 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में देश में कुल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन 34,088.77 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले 31,026.64 करोड़ रुपए से 9.8 प्रतिशत अधिक है।

■ अक्टूबर में रिकॉर्ड 6,115 करोड़ रुपए पर

टोल कलेक्शन में वृद्धि को देश भर में माल के परिवहन के लिए ई-वे बिल जनरेशन पर वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) के आंकड़ों से भी समर्थन मिला है, जो अक्टूबर के दौरान 11.7 करोड़ के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। ई-वे बिलों में वृद्धि आर्थिक गतिविधि में वृद्धि को दर्शाती है क्योंकि त्योहारी सीजन के दौरान अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तेजी आती है।

ई-वे बिलों में वृद्धि का तेजी से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था पर पड़ता है और राजस्व भी बढ़ता है। इससे सरकार के हाथ में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर निवेश करने और गरीबों का उत्थान करने संबंधी संसाधन उपलब्ध होते हैं।

अक्टूबर में भारत का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो 2017 में जीएसटी प्रणाली लागू होने के बाद से दूसरा सबसे अधिक मासिक राजस्व है। यह आंकड़ा पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है और सितंबर में 1.73 लाख करोड़ रुपए के संग्रह के शीर्ष पर है, जो साल-दर-साल 6.5 प्रतिशत बढ़ा था।

सार संक्षेप

भारत में बने एप्पल आईफोन की धड़ाधड़ हो रही बिक्री

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2025) के पहले सात महीनों में एप्पल ने भारत से आईफोन निर्यात में लगभग 60,000 करोड़ रुपए का नया रिकॉर्ड बना लिया है। आंकड़ों के अनुसार, इस साल अप्रैल-अक्टूबर की अवधि में, क्यूपर्टिनो स्थित टेक दिग्गज ने लगभग 60,000 करोड़ रुपए (7 बिलियन डॉलर से अधिक) मूल्य के आईफोन निर्यात किए, जो चालू वित्त वर्ष में हर महीने लगभग 8,450 करोड़ रुपए (लगभग 1 बिलियन डॉलर) मूल्य के निर्यात बराबर है। इस बार, कंपनी भारत से अपनी 14 और 15 सीरीज के दूसरे लोकप्रिय मॉडलों के अलावा हाल ही में लॉन्च किए गए आईफोन 16 मॉडल का निर्यात कर रही है। वित्त वर्ष 2024 में एप्पल ने 10 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के आईफोन निर्यात किए। इस वित्त वर्ष में, टेक दिग्गज ने पांच महीने पहले ही 10 बिलियन डॉलर का 70 प्रतिशत हासिल कर लिया है। सरकार की मेक इन इंडिया और पीएलआई योजनाओं के साथ कंपनी एक नया निर्यात रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार है। एप्पल ने पिछले वित्त वर्ष में भारत में 14 बिलियन डॉलर के आईफोन को मैन्युफैक्चर और असेंबल किया।

अटेरो ने जीएचजी उत्सर्जन के लिए हासिल की वैश्विक मान्यता

नई दिल्ली। अग्रणी क्लीनटेक कंपनी अटेरो ने गुरुवार को कहा कि उसने 'ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन सत्यापन के लिए आईएसओ 14064 प्रमाणन' हासिल कर लिया है। इससे यह ई-कचरा रीसाइक्लिंग उद्योग में यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है। आईएसओ 14064 जीएचजी उत्सर्जन सत्यापन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मानक है, जो विस्तृत गणनाओं और स्वतंत्र तृतीय-पक्ष सत्यापन के माध्यम से किसी संगठन के कार्बन उत्सर्जन का आकलन करता है। अटेरो ने कहा कि यह प्रमाणन पुष्टि करता है कि इसके कार्बन पदचिह्न और जीएचजी उत्सर्जन डेटा को स्वतंत्र रूप से सत्यापित और मान्य किया गया है, जो स्थिरता और जिम्मेदार पर्यावरणीय प्रथाओं के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

उच्च-विकास तकनीकी अवसरों को बढ़ावा देगा ब्लैक बॉक्स

नई दिल्ली। ब्लैक बॉक्स लिमिटेड, एस्सार की प्रौद्योगिकी शाखा, ने भारत पर केंद्रित एक महत्वाकांक्षी विकास रणनीति का खुलासा किया है। इसका लक्ष्य इस क्षेत्र में विस्तार करने वाली दुनिया की प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए खुद को एक रणनीतिक भागीदार के रूप में स्थापित करना है। हाल ही में निवेशकों के साथ एक बैठक में ब्लैक बॉक्स ने वित्तीय वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों की जानकारी दी और वैश्विक तकनीकी फर्मों के भारतीय बाजार में प्रवेश करने के साथ बड़े पैमाने पर डिजिटल बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का समर्थन करने में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं पर चर्चा की।

शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी

■ सेंसेक्स 110.64 अंक की गिरावट लेकर 77,580.31 पर रहा

■ निफ्टी 26.35 अंक फिसलकर 23,532.70 पर बंद

मुंबई, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले इंडिया, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स और मारुति समेत बीस दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन गिरकर बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 110.64 अंक की गिरावट लेकर 77,580.31 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 26.35 अंक फिसलकर 23,532.70 अंक पर आ गया। हालांकि बीएसई की दिग्गज कंपनियों के मुकाबले मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.41 प्रतिशत बढ़कर 44,289.60 अंक और स्मॉलकैप 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,381.98 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4050 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2145 में तेजी जबकि 1813 में गिरावट रही वहीं 92 में कोई बदलाव नहीं हुआ। वहीं, निफ्टी की 29 कंपनियों में बिकवाली जबकि 21 में लिवली हुई।

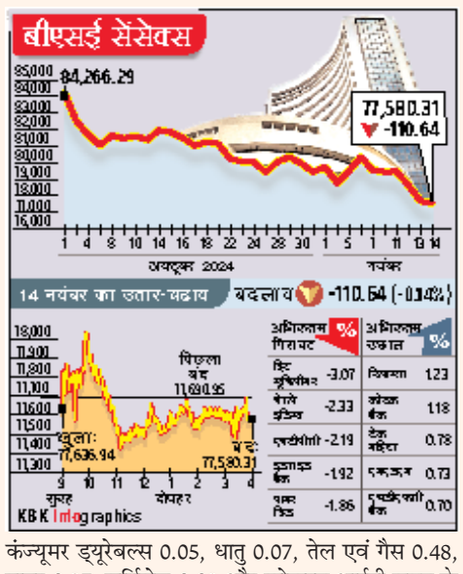

बीएसई के नौ समूहों का रुझान नकारात्मक रहा। इससे ऊर्जा 0.03, एफएमसीजी 1.35, यूटिलिटीज 0.88, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.05, धातु 0.07, तेल एवं गैस 0.48, पावर 0.37, सर्विसेज 0.09 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.01 प्रतिशत गिर गए जबकि सीडी 0.81, वित्तीय सेवाएं 0.48, दूरसंचार 0.64 और ऑटो समूह में 0.60 प्रतिशत की तेजी रही।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.17 और जर्मनी का डैक्स 1.05 प्रतिशत मजबूत रहा जबकि जापान का निक्केई 0.48, हांगकांग का हैंगसेंग 1.96 और चीन के शंघाई कम्पोजिट में 1.73 प्रतिशत की गिरावट रही।

कारोबार की शुरूआत में सेंसेक्स 54 अंक उतरकर 77,636.94 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 78,055.52 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, भारी बिकवाली होने से यह दोपहर से पहले 77,424.81 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 77,690.95 अंक के मुकाबले 0.14 प्रतिशत कमजोर होकर 77,580.31 अंक रह गया।

इसी तरह निफ्टी भी 17 अंक फिसलकर 23,542.15 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 23,675.90 अंक के उच्चतम जबकि 23,484.15 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 23,559.05 अंक की तुलना में 0.11 प्रतिशत फिसलकर 23,532.70 अंक पर बंद हुआ।

इस दौरान सेंसेक्स की जिन प्रमुख कंपनियों ने नुकसान उठाया उनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर 3.07, नेस्ले इंडिया 2.33, एनटीपीसी 2.19, इंडसइंड बैंक 1.92, पावरग्रिड 1.89, अडानी पोर्ट्स 1.87, टाटा मोटर्स 1.55, आईटीसी 1.33, टाटा स्टील 0.90, एसबीआई 0.53, मारुति 0.39, एलटी 0.36, एचसीएल टेक 0.27, इंफ़ोसिस 0.11, टीसीएस 0.07 और एक्सिस बैंक 0.04 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, रिलायंस 1.23, कोटक बैंक 1.18, टेक महिंद्रा 0.78, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.73, एचडीएफसी बैंक 0.70, एशियन पेंट 0.46, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.29, भारती एयरटेल 0.28, आईसीआईसीआई बैंक 0.11 और टाइटन के शेयर 0.10 प्रतिशत लाभ में रहे।

भारत में रियल एस्टेट कंस्ट्रक्शन की लागत 11 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। भारत में रियल एस्टेट कंस्ट्रक्शन की औसत लागत में पिछले एक साल में 11 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इसका कारण कंस्ट्रक्शन मटेरियल जैसे रेत, ईंट, कांच और लकड़ी की कीमत में इजाफा होने के साथ श्रम की लागत में बढ़ोतरी होना है। यह जानकारी गुरुवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।

कोलियर्स की रिपोर्ट में बताया गया कि सीमेंट, स्टील, तांबा और एल्यूमीनियम सहित चार प्रमुख कंस्ट्रक्शन मटेरियल की कीमतों में वृद्धि का संचयी प्रभाव अपेक्षाकृत कम रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 12 महीनों में औसत सीमेंट की कीमतों में 15 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई है, जबकि औसत स्टील की कीमतों में 1 प्रतिशत की मामूली कमी देखी गई है।

कोलियर्स इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बादल याग्निक के कहा कि लेबल कुल कंस्ट्रक्शन लागत का करीब एक-चौथाई है। लेबर लागत साल में 25 प्रतिशत बढ़ने के कारण कंस्ट्रक्शन बजट बढ़ गया और इससे ऑपरेशनल खर्चों में इजाफा हुआ है। याग्निक ने आगे कहा कि स्किल्ड लेबर की आवश्यकता और प्रशिक्षण, सुरक्षा और विनियामक अनुपालन के लिए संबंधित लागतें बढ़ती श्रम लागतों को और बढ़ा देती हैं। निर्मित गुणवत्ता की जागरूकता में वृद्धि और सुविधा संपन्न गेटेड समुदायों की बढ़ती मांग ने आवासीय डेवलपर्स को सामान्य रूप से अपनी अचल संपत्ति की पेशकश को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है।

खाद्य तेलों सहित अन्य जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में नवंबर का पाम ऑयल वायदा 135 रिंगिट लुढ़ककर 5050 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, नवंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.42 सेंट की तेजी के साथ 45.60 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस औरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। **दाल-दलहन :** दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 7400-7500, दाल चना 8400-8500, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9400-9500, उड़द दाल 10600-10700, अरहर दाल 10400-10500 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने किया अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का उद्घाटन कहा,

दुनिया को आकर्षित करना सरकार की योजना

नई दिल्ली, 14 नवम्बर (एजेंसियां)। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को यहां भारत मंडपम में 43वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) का उद्घाटन किया और कहा कि सरकार की योजना देश भर में प्रदर्शनी और बैठकों की ऐसी सुविधाएं विकसित करने की है, ताकि दुनिया के लोग इनके लिए भारत की ओर आकर्षित हों। श्री गोयल ने इस अवसर पर व्यापार संवर्धन के लिए आईटीपीओ से वर्चुअल मेलों (डिजिटल मेलों) के अयोजन पर विचार करने का भी आग्रह किया।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अपने उद्घाटन भाषण में श्री गोयल ने कहा कि आईटीपीओ को एक विश्व स्तरीय एजेंसी के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है। यह एक ही स्थान पर पूरे उद्योग और मूल्य श्रृंखला को प्रतिबिंबित करेगी ताकि विश्व, भारत को सर्वश्रेष्ठ एमआईसीई गंतव्य के रूप में देख सके। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इन सुविधाओं का विस्तार करने के लिए बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, लखनऊ, वाराणसी और नोएडा जैसी जगहों पर काम कर रही है।

आईटीपीओ को एक विश्व स्तरीय एजेंसी के रूप में विकसित करने की योजना बन रही है : पीयूष गोयल

यह मेला 27 नवम्बर तक चलेगा और प्रतिदिन 10:00 बजे से शाम 7:30 बजे तक खुला रहेगा। इसमें जिसमें देश विदेश की बड़ी संख्या में व्यावसायिक इकाइयां अपने-अपने उत्पाद, नवाचार और व्यावसायिक प्रस्तावों के साथ देश-विदेश से आने वाले व्यावसायिक ग्राहकों को आकर्षित कर रही है। इस बार मेले का विषय है। 'विकसित भारत 2024' जिसमें वोकल फॉर वोकल और लोकल टू ग्लोबल (स्थानीय वस्तुओं को प्रोत्साहन और उन्हें वैश्विक बाजार से जोड़ने' पर भी जोर है।

व्यापार मेलों में डिजिटल लेनदेन के बढ़ते उपयोग पर जोर देते हुए श्री गोयल ने कहा कि केंद्र तेजी से लेनदेन को सक्षम बनाने के लिए मेलों के आसपास कियोस्क लगाने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले और इस तरह के आयोजनों में बाजार की तलाश करने वाले उद्योगों के साथ राजस्व साझा करने के मॉडल पर भी विचार कर रहा है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।